जबलपुर शुक्रवार 31 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, श्रावण मास कृष्ण पक्ष द्वितीया
वर्ष 32 अंक 35 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण ▶▶ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 31.4°C
न्यूनतम तापमान 25.6°C

सूर्योदय - 5.41 | सूर्यास्त - 6.53

मॉयल के नए निदेशक के लिए रविन्द्र गड्डवार का ... ▶▶ 4

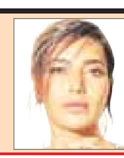

पैरेंटहुड को लेकर करिश्मा तन्ना का बड़ा खुलासा... ▶▶ 7

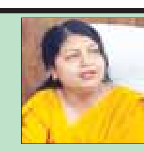

आगामी पर्वों की तैयारियों में जुटा निगम विद्युत ... ▶▶ 9

राज्यसभा में भी पास हुआ पेपर लीक संशोधन बिल

नई दिल्ली

पेपर लीक से जुड़ा संशोधन बिल लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी पास हो गया। हालांकि जब सरकार की तरफ से केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह जवाब देने के लिए खड़े हुए, तब विपक्ष वॉकआउट कर गया। राज्यसभा में करीब 8 घंटे की चर्चा और बहस के बाद एंटी पेपर लीक संशोधन बिल पास हो गया। रात 8.15 मिनट तक चली कार्रवाई के बाद राज्यसभा 31 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में पेपर लीक से जुड़े परीक्षा संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। मल्लिकार्जुन खड़गे के 'मनुस्मृति' पर बयान दिया। जिसे रिकॉर्ड से हटा दिया गया। चर्चा के दौरान आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि नए बिल को दिखावटी सुधार बताया। एनटीए को खत्म करने की मांग करते हुए कहा इसे बंगाल की खाड़ी में फेंक दिया जाए। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में पेपर लीक से जुड़ा बिल पेश किया। लोकसभा में बुधवार को करीब 7 घंटे बहस के बाद पेपर लीक से जुड़ा बिल पारित हो चुका है। इधर, बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का नोटिस सौंपा है। अनुराग का आरोप है राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ असंसदीय और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। गंभीर व बेबुनियाद आरोप लगाए। राज्यसभा में सभापति ने जब जितेंद्र सिंह को सरकार का पक्ष रखने के लिए बुलाया तो विपक्ष के सांसदों ने वाकआउट कर दिया। प्रमोद तिवारी ने कहा कि सभी विपक्षी सदस्यों ने एक ही बात उठाई। उम्मीद थी कि चर्चा समाप्त होने के पहले गृह मंत्री सदन में आएंगे। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने गृह मंत्री सदन में आओ, सदन में आओ नारे लगाते हुए वॉकआउट कर दिया। इस पर नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष मुद्दा विहीन हो गया है। आज इन्होंने अपनी करतूत से इसको चरितार्थ कर दिया है कि इनके पास कोई मुद्दा नहीं रह गया है। विपक्ष जवाब के समय वॉकआउट करके जा रहा है। यह व्यवहार गैरजिम्मेदाराना है। इनका लोकतंत्र में कोई विश्वास नहीं है।

'वंदे मातरम्' से जुड़े बिल पर लोकसभा की मुहर

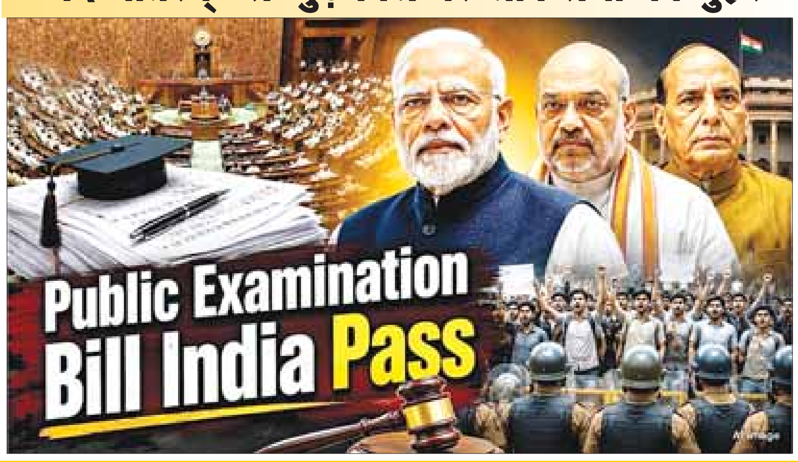

खड़गे के शूद्र वाले बयान पर हंगामा

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- हम चाहते हैं विश्वविद्यालयों में अच्छे शिक्षक, अच्छे वीसी आएं, लेकिन आप जो सिलेबस बदल रहे हैं, उसमें ये भी आ रहा है। शूद्र के वेदपाठ सुनने पर शीशे से उनके कान भर दिए जाएं। वेद के अक्षर का उच्चारण करने पर उसकी जीभ काट ली जाए। वेद मंत्र धारण करने पर उसका शरीर काटा जाए। इसके बाद हंगामा हो गया। खड़गे ने कहा- ये सब जोड़ा जा रहा है। ऐसी सोच वाले इंसानों को व्यवस्था से निकालना चाहिए। नड्डा ने टोकते हुए कहा- खड़गे के बयान से अशांति होगी, उनका बयान तथ्यों से परे है। सभापति ने कहा- खड़गे का मनुस्मृति वाला बयान रिकॉर्ड से हटाया जाएगा।

हाईलेवल बैठक में ऊर्जा आपूर्ति और सुरक्षा पर चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके वैश्विक प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का मुख्य फोकस समुद्री मार्गों जैसे होर्मुज में जारी तनाव के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा, उर्वरक आपूर्ति और शिपिंग संचालन को सुरक्षित रखने पर रहा। संसद परिसर में हुई दो घंटे की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल हुए। इनके अलावा पेट्रोलियम, वाणिज्य, शिपिंग और उर्वरक मंत्रालयों के मंत्री भी बैठक में मौजूद रहे। अधिकारियों के अनुसार, पश्चिम एशिया की स्थिति पर यह चौथी विशेष सीसीएस बैठक थी।

5 लाख रिश्वत लेते पकड़े गए अधिकारी को 5 साल कैद

सागर। सागर में रिश्वत के मामले में गुरुवार को अदालत ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए तत्कालीन ईपीएफओ के क्षेत्रीय आयुक्त सतीश कुमार को दोषी करार देते हुए 5 वर्ष के कारावास और 5 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। सजा के बाद आरोपी सतीश कुमार को जेल भेज दिया गया है। जून 2022 में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो सागर की टीम ने तत्कालीन क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त सतीश कुमार को सनराइज टाउन स्थित उनके आवास पर 5 लाख रुपए की पहली किस्त लेते हुए रंगे हाथों ट्रैप किया था। सतीश कुमार ने सागर की प्रतिष्ठित बीड़ी निर्माता फर्म बीआर एंड कंपनी के स्वामी अनिरुद्ध पिंपलापुरे से 10 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। यह रिश्वत बीड़ी फर्म में कार्यरत कर्मचारियों के पीएफ कटौती के सर्वे के बाद सामने आई गड़बड़ियों को दुरुस्त करने और श्रम अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई नहीं करने के एवज में मांगी गई थी। मामले में ईओडब्ल्यू ने कार्रवाई कर मामला दर्ज किया।

किसानों की हर समस्या का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता : डॉ. मोहन यादव

केले की फसल को हुए नुकसान के लिए बुरहानपुर के किसानों को राहत राशि जारी

किसानों के खातों में अंतरित किए 107 करोड़ 82 लाख रुपए, जिला कलेक्टर्स को कांवड़ियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसान कल्याण का जो संकल्प राज्य सरकार ने लिया है, उसकी पूर्ति के लिए हम निरंतर सक्रिय हैं। किसानों की हर समस्या का समाधान करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बुरहानपुर में मई और जून में मौसम की मार ने केले की फसल को बहुत नुकसान पहुंचाया। बुरहानपुर नगर, बुरहानपुर ग्रामीण, नेपानगर और खकनार तहसीलों के 188 गांवों के 8 हजार 115 किसानों की केले की फसल प्रभावित हुई है। संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार कंधे से कंधा मिलाकर किसानों के साथ खड़ी है। आज प्राकृतिक आपदा से प्रभावित जिले के 8 हजार से अधिक किसानों के खातों में 107 करोड़ 72 लाख रुपये से अधिक की राहत राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जा रही है। यह

राशि मुश्किल समय में किसानों को संबल देगी। जब तक किसानों के चेहरों पर दोबारा मुस्कान नहीं आ जाती, राज्य सरकार चैन से बैठने वाली नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को बुरहानपुर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को उज्जैन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केले की पैदावार में हुए नुकसान के लिए किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से मुआवजा राशि अंतरित की। बुरहानपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद ज्ञानेश्वर पटेल, पूर्व मंत्री एवं विधायक अर्चना चिटनिस उपस्थित थीं। वीसी में बुरहानपुर से शामिल चिटनिस ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव को रक्षाबंधन पर बुरहानपुर से केले के रेशे से बनी राखी भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को पवित्र श्रावण मास की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि श्रावण मास में प्रदेश में जहां-जहां से कांवड़ यात्रा निकलने वाली हैं, वहां कांवड़ियों के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर ली जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कृषक कल्याण वर्ष 2026 में राज्य सरकार किसानों की समृद्धि, सम्मान और कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्यों को तेजी से पूरा कर रही हैं। उन्होंने आहवान किया कि किसान नई तकनीक को आत्मसात करें, प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और उद्यानिकी फसलों से अपनी आय बढ़ाएं। खेती से सभी प्रकार के उद्योगों के लिए कच्चा माल और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलते हैं। राज्य सरकार ने कृषक कल्याण वर्ष के माध्यम से किसानों को लाभान्वित करने के लिए 16 विभागों के साथ मिलकर कार्ययोजना तैयार की है। किसानों की समृद्धि, उनकी आय दोगुनी करने के लिए जिलास्तर पर बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। इसकी शुरुआत मां अहिल्याबाई होल्कर की धरती इंदौर से की थी।

केले से बने उत्पादों ने देश-दुनिया में बनाई पहचान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ताप्ती मैया के आशीर्वाद से बुरहानपुर क्षेत्र अपनी उद्यानिकी फसलों के लिए प्रसिद्ध है। यहां के स्वादिष्ट केले, हल्दी और कपास अपने आप में बेहद खास है। यहां कृषि से लेकर कपड़ा, दवा से लेकर फर्नीचर और पाइप उपकरण से लेकर अन्य कई सामग्रियों का निर्माण होता है। कपास और कपड़ा उत्पादन के लिए सहूलियत देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने कपास पर लगने वाले मंडी टैक्स को आधा कर दिया है, इससे प्रदेश भर के कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिला।

बुरहानपुर के किसानों को मिलेगा धार के पीएम मित्र पार्क का लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुरहानपुर के किसानों ने खेती में फसलों के विधीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। कपास की फसल हैंडलूम के साथ ही पॉवरलूम से जुड़े कामगारों को सशक्त बनाती है। खंडवा और बुरहानपुर की कपास मंडी में टैक्स 1 रुपए से घटाकर आधा करने के निर्देश दिए गए हैं। बुरहानपुर के किसानों को धार के पीएम मित्र पार्क का भी लाभ मिलेगा। बुरहानपुर अब केवल कच्चे माल ही नहीं, बल्कि प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन, एक्सपोर्ट का भी बड़ा हब बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

ग्वालियर में टेलीकॉम सेक्टर के मैन्यूफैक्चरिंग जोन के लिए एमओयू

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार महाराष्ट्र के साथ मिलकर ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना पर काम कर रही है। राज्य सरकार निवेश संवर्धन के लिए भी कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्वालियर को टेलीकॉम सेक्टर के मैन्यूफैक्चरिंग जोन के रूप में स्थापित करने के लिए आज नई दिल्ली में भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार के बीच एमओयू साइन किया जाएगा। राज्य सरकार युवाओं को रोजगार दिलवाने और किसानों को उपज का सही मूल्य दिलवाने के लिए संकल्पित है।

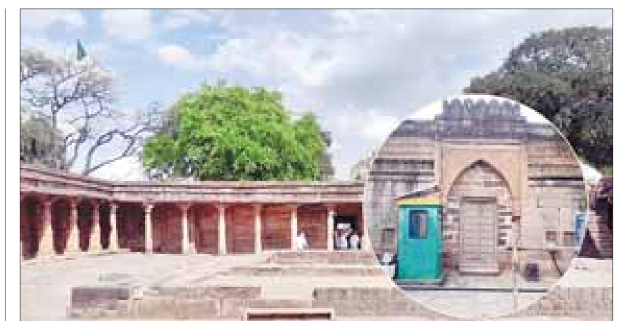

भोजशाला से सटी जमीन पर होगी नमाज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- धार्मिक अधिकार नहीं छीन सकते

नई दिल्ली/धार। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार जिले में भोजशाला से सटी हुई जमीन नमाज के लिए मुस्लिम समाज को दी है। यहां हर शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक नमाज अदा की जा सकेगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस भूखंड तक पहुंचने के लिए अलग रास्ता है और यह विवादित भोजशाला परिसर के बिल्कुल पास है। इसलिए यह नमाज के लिए उपयुक्त स्थान है। कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को यहां जरूरी व्यवस्थाएं करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट के पिछले आदेश के बाद प्रशासन ने करीब 2 किलोमीटर दूर जगह तय की थी, जहां मुस्लिमों ने नमाज से मना कर दिया था। इसके बाद याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने नक्शे में दिखाई गई यलो साइट पर ध्यान दिलाया। कोर्ट ने कहा कि इस जगह तक अलग और स्वतंत्र रास्ता है। यह विवादित परिसर से सटी हुई है। मुस्लिम पक्ष ने भी इसी जगह पर सहमति जताई। इसके बाद कोर्ट ने इसी जगह को नमाज के लिए सूटेबल माना। भोजशाला परिसर के पीछे लकड़ी पीठा के पास सर्वे नंबर 596 की जमीन मौजूद है। यह परिसर के पीछे दाहिनी ओर निकलने वाले वैकल्पिक निकास मार्ग के ठीक सामने है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार शुक्रवार की नमाज केवल इसी जगह पर अदा की जाएगी। मामले की अगली सुनवाई 5 अगस्त को होगी।

धार्मिक अधिकार नहीं रोके जा सकते

सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा, धार्मिक अधिकार मौजूद हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य का संवैधानिक दायित्व है। सिर्फ कानून-व्यवस्था की आशंका के आधार पर लोगों के धार्मिक अधिकार नहीं रोके जा सकते। कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर भविष्य में दोनों पक्ष आपसी सहमति से कोई दूसरा उपयुक्त स्थान तय कर लेते हैं, तो उस पर भी कोई रोक नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसने कोई नया आदेश नहीं दिया है। अदालत ने सिर्फ अपने पहले के अंतरिम आदेश को स्पष्ट किया है। पहले कोर्ट ने भोजशाला के पास वैकल्पिक जगह देने को कहा था, अब उस जगह को तय कर दिया गया है।

दतिया उपचुनाव में 72 प्रतिशत मतदान

दतिया। दतिया विधानसभा उपचुनाव में 71.26 प्रतिशत वोटिंग हुई है। ये पिछली बार से करीब 9 प्रतिशत कम है। यहां कांग्रेस के घनश्याम सिंह का मुकाबला भाजपा के आशुतोष तिवारी से है। वोटों की गिनती 3 अगस्त को होगी। उसी दिन रिजल्ट आने की संभावना है। मतदान के दौरान कांग्रेस ने सिरोल और जिगना में फर्जी वोटिंग की शिकायत की। पार्टी प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने मौके पर पहुंचकर अधिकारियों से बात की। इस पर पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा- कांग्रेस जब हारती है तो आरोप लगाती है। ये उनकी हताशा-निराशा का परिचय है। उधर, रामसागर गांव के मतदान केंद्र से पुलिस, कांग्रेस के पोलिंग एजेंट को अपने साथ ले गई।

भारतीय हॉकी टीम की नारंगी जर्सी पर विवाद

प्रियंका गांधी ने कहा- इस देश के युवाओं ने अपनी राय साफ कर दी है

नई दिल्ली

भारत के पूर्व हॉकी कप्तान विरेन रस्किन्हा ने भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से भगवा करने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले 2026 एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप से पहले पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीमों के लिए नारंगी जर्सी लाने के हॉकी इंडिया के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह कदम टीम की लंबे समय से चली आ रही पहचान के खिलाफ है।

इस पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रतिक्रिया दी। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, चाहे वे यूनिफार्म बदलें या शिक्षा नीति के जरिए इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश करें, इस देश के युवाओं ने अपनी राय साफ कर दी है। आपने देखा कि जंतर-मंतर पर जमा युवा क्या कह रहे थे। वही देश की आवाज है। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी की लड़ाई अहिंसा और सच्चाई पर टिकी थी और इसमें आरएसएस की कोई भूमिका नहीं थी। पूरा देश इस सच्चाई को जानता है और जो लोग नहीं जानते थे, वे अब उनके इरादों को समझने लगे हैं। कांग्रेस पार्टी ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में उस आंदोलन

का नेतृत्व किया था और इस देश की आत्मा अहिंसा, सच्चाई और भाईचारे में बसी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि राजनीतिक या वैचारिक कोशिशों के बावजूद देश के बुनियादी मूल्यों को मिटाया नहीं जा सकता।

केसरिया रंग उगते सूरज से प्रेरित

हॉकी इंडिया के अनुसार, केसरिया रंग साहस, त्याग और जीत का प्रतीक है और नई शुरुआत का संकेत देने के लिए भारतीय राष्ट्रीय ध्वज और उगते सूरज से प्रेरणा लेता है। जर्सी में भारत की सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाले मंडला-प्रेरित पैटर्न, प्रगति, शांति और फोकस का प्रतिनिधित्व करने के लिए अशोक चक्र से प्रेरित गहरे नेवी ब्लू रंग के हिस्से और छाती पर सुदर्शन चक्र का आधुनिक रूप है जो ताकत, एकता और गति का प्रतीक है।

नई जर्सी में शामिल डिजाइन

डिजाइन में कंधों और किनारों पर तिरंगे रंग की पाइपिंग, स्टाइलिश देवनागरी लिपि में लिखा इंडिया और भारतीय हॉकी के लिए ओडिशा के लंबे समय से चले आ रहे समर्थन को मान्यता देने वाली ब्रांडिंग भी शामिल है। हॉकी इंडिया ने कहा कि जर्सी एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को दर्शाती है।

28 करोड़ कैश, 15 किलो सोना गिनते-गिनते हांफ गई मशीनें

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पुलिस और केंद्रीय बलों की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली है। फरार पत्थर कारोबारी तुलु मंडल के मैनेजर और बहनोई मीनार मंडल के घर से 28.5 करोड़ रुपये नकद और 15 किलो सोना बरामद किया गया है। पुलिस ने मीनार मंडल को गिरफ्तार कर लिया है और उसके घर को सील कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि यह राज्य में अब तक की सबसे बड़ी जब्तियों में से एक है। पुलिस के मुताबिक, घर में रखी लोहे की बड़ी पेटियों से 28.5 करोड़ रुपये नकद मिले। इसके अलावा 14 किलो की 14 सोने की छड़ें और 100-100 ग्राम के 10 सोने के बिस्कुट बरामद हुए। कुल मिलाकर करीब 15 किलो सोना मिला है, जिसकी कीमत लगभग 21.5 करोड़ रुपये आंकी गई है। मीनार मंडल के बेटे को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। इतनी बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के कारण पुलिस को नोट गिनने के लिए मशीनें मंगानी पड़ीं। बुधवार शाम तक करीब 20 करोड़ रुपये की गिनती पूरी हो चुकी थी। बाद में नकदी और सोने को सीलबंद बक्सों में रखकर मोहम्मद बाजार थाने ले जाया गया, जहां से उन्हें बैंक में जमा कराया जाएगा।

पैलेट गन के इस्तेमाल पर रोक नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में बैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराया जाए। वहीं कोर्ट ने केंद्र से कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तैनात आरएएफ के हथियारों और गोला-बारूद के इस्तेमाल का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने पैलेट गन के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस विशेष स्थितियों में इसका इस्तेमाल कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब तक पैलेट गन के इस्तेमाल की परमिशन देने वाले पुलिस नियमों को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक इस पर रोक लगाने का आदेश देना मुश्किल है। कोर्ट ने इसके इस्तेमाल से जुड़ी गाइडलाइन पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

तीन सोनोग्राफी सेंटरों के लाइसेंस निरस्त

संयुक्त जांच में सामने आई गंभीर अनियमितताएं, संचालकों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण भी दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पीसीपीएनडीटी (पूर्व गर्भाधान एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक) अधिनियम का गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने शहर के तीन सोनोग्राफी सेंटरों के लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं। यह कार्रवाई राजस्व, पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई आकस्मिक जांच के आधार पर की गई। संयुक्त निरीक्षण के दौरान जांच दल ने पाया कि आर के डिजिटल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेंटर में आने वाली महिलाओं को कथित रूप से लिंग परीक्षण के लिए आधारताल स्थित सरल सोनोग्राफी सेंटर भेजा जा रहा था। जांच के दौरान दोनों केंद्रों से आवश्यक अभिलेख, रजिस्टर, फ र्म-एफ तथा अन्य दस्तावेज जब्त किए गए।

इन केंद्रों के लाइसेंस हुए निरस्त

कार्रवाई के तहत मालवीय चौक स्थित आर के डिजिटल एक्स-रे एवं सोनोग्राफ ी सेंटर, आधारताल स्थित सरल सोनोग्राफी सेंटर तथा इन दोनों संस्थानों से संबद्ध ईस्ट घमापुर कांचघर स्थित महेश सोनोग्राफी सेंटर के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं।

दर्ज हुआ आपराधिक प्रकरण

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार उपलब्ध दस्तावेजों और जांच प्रतिवेदन में पीसीपीएनडीटी अधिनियम के गंभीर उल्लंघन के पर्याप्त साक्ष्य मिले हैं। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर संबंधित संस्थानों के संचालकों के विरुद्ध पुलिस ने आपराधिक प्रकरण दर्ज कर विधिसम्मत विवेचना एवं अन्य कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

सोनोग्राफी संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि लाइसेंस निरस्त होने के बाद संबंधित संस्थान पीसीपीएनडीटी अधिनियम के अंतर्गत किसी भी प्रकार की सोनोग्राफी अथवा अन्य पंजीयन अपेक्षित गतिविधियों का संचालन नहीं करेंगे।

उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई

स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि लाइसेंस निरस्तीकरण के आदेश के बावजूद किसी भी प्रकार की गतिविधि संचालित की गई, तो संचालकों के विरुद्ध अधिनियम, 1994 एवं अन्य प्रचलित कानूनी प्रावधानों के तहत कठोर दंडात्मक एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रयागराज और तिरुनेलवेली के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

जबलपुर-कटनी-सतना में ठहराव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेल प्रशासन ने यात्रियों को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज जंक्शन से तिरुनेलवेली जंक्शन के बीच गाड़ी संख्या 04171/04172 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के 4-4 ट्रिप चलाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। समय-सारणी के अनुसार, गाड़ी संख्या 04171 प्रयागराज-तिरुनेलवेली स्पेशल 1 अगस्त से 22 अगस्त तक प्रत्येक शनिवार सुबह 10:20 बजे प्रयागराज से रवाना होकर शाम 16:40 बजे जबलपुर पहुंचेगी और तीसरे दिन तिरुनेलवेली पहुंचेगी। प्रयागराज स्पेशल 3 अगस्त से 24 अगस्त तक प्रत्येक सोमवार रात 23:30 बजे रवाना होकर तीसरे दिन शाम 18:05 बजे जबलपुर और चौथे दिन गुरुवार तड़के 03:30 बजे प्रयागराज पहुंचेगी।

आउटसोर्स कर्मचारियों को तीन महीने से नहीं मिला वेतन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम में आउटसोर्सिंग ऑपरेटरों ने तीन महीने की बकाया वेतन की मांग को लेकर जोरदार हंगामा और नारेबाजी करते हुए काम बंद कर दिया। पिछले 3 महीने से सैलरी न मिलने से परेशान कर्मचारियों का कहना है कि अफसर उनकी लगातार अनदेखी कर रहे हैं। इस हड़ताल के कारण निगम के विभिन्न विभागों का कामकाज पूरी तरह ठप हो गया, जिससे अपने जरूरी प्रमाण पत्र, टैक्स भुगतान और अन्य नागरिक सेवाओं के लिए पहुंचे आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कर्मचारियों ने स्पष्ट खा कि जब तक उनके खाते में 3 माह का रुका हुआ पैसा जमा नहीं होता, वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे। वहीं, प्रशासनिक अधिकारी इस अचानक हुई कार्यबंदी से उत्पन्न स्थिति को संभालने और समाधान निकालने के प्रयास में जुटे हुए हैं। स्थिति बिगड़ती देख स्थानीय नागरिकों ने भी अव्यवस्था नाराजगी जताई। नागरिक सेवाओं के अचानक बंद होने से दफ्तरों के बाहर कतारें लग गईं और दूर-दराज से आए लोगों को बिना काम कराए ही वापस लौटना पड़ा। आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल ने नगर निगम की संपूर्ण प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है।

सम्बलपुर से जबलपुर के बीच चलेगी वन-वे स्पेशल ट्रेन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पमरे मुख्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सम्बलपुर जंक्शन से जबलपुर के मध्य गाड़ी संख्या 08301 'सम्बलपुर-जबलपुर स्पेशल' एकतरफा (वन-वे) ट्रेन का संचालन केवल एक ट्रिप के लिए किया जा रहा है। यह स्पेशल ट्रेन शनिवार, 01 अगस्त को सम्बलपुर जंक्शन से सुबह 06:15 बजे प्रस्थान करेगी। मार्ग में यह ट्रेन झारसुगुड़ा रोड, रायगढ़, चाँपा जंक्शन, बिलासपुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल और कटनी साउथ जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ठहरते हुए उसी दिन शाम 18:25 बजे जबलपुर स्टेशन पहुंचेगी। इससे छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश के रेल यात्रियों को यात्रा में सहूलियत होगी।

कजरवारा में भक्ति और ध्यान के साथ संपन्न हुआ गुरु पूर्णिमा उत्सव

ओशो प्रेमियों ने अर्पित किए भाव सुमन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गुरु पूर्णिमा का पावन एवं पुनीत पर्व कजरवारा स्थित मां प्रेम रोशनी के निवास स्थान पर ओशो प्रेमियों द्वारा उत्साह के साथ मनाया गया। सद्गुरु ओशो की मूल देशना ध्यानाभ्यास और प्रेम को सार्थक करते हुए उपस्थित सभी ओशो प्रेमियों ने संध्या सत्संग में भाग लिया तथा ध्यान और मौन के साथ-साथ दिव्य उत्सव का आनंद उठाया। कार्यक्रम के दौरान मां प्रेम रोशनी ने ओशो के विचारों को साझा करते हुए कहा कि सद्गुरु ओशो ने महिलाओं को संन्यास की दीक्षा देकर उनकी गरिमा और सम्मान को समाज में नई ऊंचाइयां दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला को अपने जीवन में ध्यान का अनुभव अवश्य उतारना चाहिए। एक महिला नैसर्गिक रूप से प्रेम की प्रतिमूर्ति होती है, और जब उसके जीवन में ध्यान का समावेश हो जाता है, तो वह पूर्णता को प्राप्त करती है। मां प्रेम रोशनी ने आगे जोर देकर कहा कि एक परिपूर्ण महिला ही अपनी संतति, परिवार और पूरे समाज को सही दिशा प्रदान कर सकती है।

'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' एसटीएफ ने युवाओं और आमजन को किया जागरूक

हेल्पलाइन नंबर किए जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रदेशभर में चलाए जा रहे विशेष जागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के तहत एसटीएफ इकाई जबलपुर ने जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। एसटीएफ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डॉ. श्रीनिवास वर्मा के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक एवी सिंह के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज को नशे के घातक दुष्प्रभावों से मुक्त कराना है। अभियान के दौरान एसटीएफ टीम ने शहर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों जैसे जॉन्सन हायर सेकेण्डरी स्कूल एमजीएम हायर सेकेण्डरी स्कूल, क्राइस्ट चर्च बॉयज एंड गर्ल्स और महर्षि हायर सेकेण्डरी स्कूल में विशेष सत्र आयोजित किए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूली छात्र-छात्राओं को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के प्रति सतर्क करते हुए इससे दूर रहने की प्रेरणा दी गई। स्कूलों के साथ-साथ आमजन तक संदेश पहुंचाने के लिए रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, ऑटो स्टैंड, मॉल, गोरखपुर तहसील, छोटी लाइन फाटक और रामपुर चौक जैसे प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। एसटीएफ की टीमों ने लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से पोस्टर एवं पम्पलेट बांटे, साथ ही शहर के मुख्य स्थलों पर पम्पलेट चस्पा कर नशा मुक्त मध्य प्रदेश का संदेश प्रसारित किया। प्रशासन ने किसी भी आपात स्थिति या नशे से जुड़ी सूचना साझा करने के लिए महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। इसमें मानस हेल्पलाइन नेशनल, सुसाइड हेल्पलाइन, नशा मुक्ति हेल्पलाइन और म.प्र. नारकोटिक्स विभाग का नंबर शामिल हैं। एसटीएफ ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन नंबरों का उपयोग कर समाज को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करें।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टिकट चेकिंग कर्मचारी सम्मानित

31 कर्मचारियों को मिला प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पमरे के जबलपुर मंडल में वाणिज्य विभाग द्वारा टिकट चेकिंग कर्मचारियों के प्रथम तिमाही के कार्यों एवं उपलब्धियों की समीक्षा के उपरांत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह के दौरान मदन महल के प्रभारी आरके वर्मा तथा पिपरिया के प्रभारी मनोज नागोरा को उनके कुशल प्रबंधन, प्रभावी नेतृत्व एवं उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रथम तिमाही में कुल 31 टिकट चेकिंग कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें एसपी सिंह, अनिल पटेल, केके शर्मा, रूमीत सिंह पिंटू कुमार, शशि यादव, मनोज पांडे, धनंजय कुमार एवं सुबोध कुमार सहित कुल 31 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

हरिनाम संकीर्तन से गुंजायमान होगा शहर

पावन श्रावण मास में 10वें वर्ष भव्य आयोजनों की श्रृंखला शुरू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पावन श्रावण मास के शुभ अवसर पर शहर में धार्मिक उत्साह चरम पर है। चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल, जाबालिपुरम् के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस 10वें वर्ष भी पूरे श्रावण मास प्रतिदिन हरिनाम संकीर्तन के भव्य आयोजन की शुरुआत हो चुकी है। इस आयोजन से पूरा शहर भक्ति, श्रद्धा और हरिनाम की मधुर ध्वनि से सराबोर नजर आ रहा है। संयोजक देवेंद्र नेमा ने जानकारी देते हुए बताया कि 30 जुलाई से 27 अगस्त तक प्रतिदिन प्रातः 8:30 बजे नगर के विभिन्न क्षेत्रों व श्रद्धालुओं के निवास पर हर्षोल्लास के साथ संकीर्तन किया जाएगा। इस श्रृंखला के प्रथम दिवस विजय नगर मानस चौक स्थित रीता एवं पं. राकेश मिश्रा के निवास पर संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे के सानिध्य में मंगलाचरण, पूजन एवं अर्चन के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ।

आयोजन की अगली कड़ी में 31 जुलाई को पं. राहुल चौबे के सौजन्य से हनुमानताल स्थित शिव शारदा मंदिर में प्रातः 8:30 बजे से श्री हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। मंडल के सदस्यों ने शहर के समस्त श्रद्धालुओं से पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है। शुभारंभ अवसर पर सतीश दुबे, कार्तिक अग्निहोत्री, पवन दुबे, प्रभाकर चतुर्वेदी भक्तजन उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर निकाली रैली सौंपा ज्ञापन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। छात्रों, युवाओं, किसानों मझगवां क्षेत्र की समस्याओं को हल कराने के लिए जितेन्द्र कुमार कुर्मी ओबीसी जिलाध्यक्ष जबलपुर के नेतृत्व में जन आक्रोश रैली बस स्टैंड मझगवां तक निकालते हुए मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के नाम से अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार सिहोरा को ज्ञापन सौंपा गया। इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल करने की मांग की गई। जिसमें एड इंद्कुमार पटेल ,नोकेलाल प्रजापति , प्रदीप पटेल ,सुनील विश्वकर्मा, संतकुमार पटेल, राजा पटेल, गोकुल ,मोनू विश्वकर्मा,एवं किसान बंधु क्षेत्रीय लोग शामिल रहे।

जबलपुर को मिला नया लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स और पीवीआर आईनॉक्स मल्टीप्लेक्स से सजे मॉल का हुआ लोकार्पण

जबलपुर। संस्कारधानी के तेजी से बदलते शहरी परिदृश्य में गुरुवार को सत्यप्रकाश समूह के मदन महल स्थित मॉल 11 का भव्य शुभारंभ विश्वविख्यात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. के. के. कौल के करकमलों से विधिवत लोकार्पण के साथ संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में शहर के गणमान्य नागरिक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। मॉल 11 को जबलपुर के रिटेल, मनोरंजन और लाइफस्टाइल सेक्टर में नई पहचान देने वाला प्रोजेक्ट माना जा रहा है। यहां शॉपर्स स्टॉप, फ रिस्ट एसेंशियल, मार्केट 99, रेमंड, एसिक्स सहित पीवीआर आईनॉक्स के तीन अत्याधुनिक मल्टीप्लेक्स स्क्रीन भी शहरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होंगी। मॉल के विशाल फूड ज़ोन में पिज्जा हट, कोस्टा कॉफी, बिरयानी बाय किलो, नूडल स्टेशन सहित अनेक प्रतिष्ठित फू ड ब्रांड्स के आउटलेट उपलब्ध हैं। भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों के साथ स्नैक्स, डेजर्ट्स और प्रीमियम कॉफी का आनंद लिया जा सकेगा।

गेमिंग, मनोरंजन और आधुनिक सुविधाओं का संगम

छह मंजिला मॉल 11 में आधुनिक गेम ज़ोन बच्चों और युवाओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। भव्य एट्रियम, आकर्षक इंटीरियर, अत्याधुनिक एस्केलेटर तथा तीन हाई-स्पीड गेस्ट लिफ्ट्स इसे महानगरों के आधुनिक मॉल्स की श्रेणी में खड़ा करते हैं। मॉल में डबल-लेयर पार्किंग व्यवस्था भी है। उद्घाटन समारोह में सत्यप्रकाश परिवार की ओर से नरेश ग्रोवर एवं कमल ग्रोवर ने अतिथियों का स्वागत किया।

शराब के लिए रूपये नहीं देने पर पत्नी को मारा चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शराब पीने के लिए एक पति द्वारा अपने पत्नी को चाकू मारने की वारदात सामने प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना घमापुर में 25 वर्षीय सोनम वंशकार निवासी मरघटाई के पास घमापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराये हुए बताया कि वह मजदूरी करती है । सुबह लगभग 9 बजे पति दीपू उर्फ प्रदीप वंशकार उससे शराब पीने के लिये रुपयों की मांग कर रहा था, उसने पैसे देने से मना किया तो पति गाली गलौज करने लगा, गालियां देने से मना करने पर पति ने चाकू से हमलाकर चोट पहुंचा दी उसके भाई एवं भाभी ने बीच बचाव किया तो पति जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आगे की कार्यवाही शुरू करदी है ।

हर्षिल और अर्पिता बने स्कूल कैप्टन

पीएम श्री केवी सीओडी जबलपुर में छात्र अलंकरण समारोह संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सीओडी जबलपुर में नवगठित छात्र परिषद के पदाधिकारियों के सम्मान एवं दायित्व ग्रहण के लिए गरिमामय 'छात्र अलंकरण समारोह' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंध समिति के नामित अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल नीरज कुमार रहे, जिनका स्वागत प्राचार्य वाय. के. सोलंकी ने हरित पौधा भेंट कर किया। समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्राचार्य वाय. के. सोलंकी ने अपने उद्बोधन में कहा कि छात्र परिषद नेतृत्व, अनुशासन और सेवा का सशक्त मंच है। वहीं मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल नीरज कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नेतृत्व किसी अधिकार का नहीं, बल्कि समर्पण और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने छात्र प्रतिनिधियों को ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा दी। समारोह में नवचयनित पदाधिकारियों को बैज पहनाकर शपथ दिलाई गई। इसमें हर्षिल प्रजापति को स्कूल कैप्टन (बॉय) और अर्पिता विश्वकर्मा को स्कूल कैप्टन (गर्ल) अलंकृत किया गया, जबकि मेघनाथ एस. व स्वस्तिका सिंह को उप-कप्तान बनाया गया। इसके अलावा खेलकूद कप्तान और चारों सदनों शिवाजी, टैगोर, अशोक, रमन के कप्तानों को भी दायित्व सौंपे गए।

नाम बदलकर दोस्ती, शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

महिला आरक्षक ने एसपी कार्यालय पहुंचकर की शिकायत, डीएनए जांच की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एसपी कार्यालय पहुंची एक महिला आरक्षक ने एक अधिवक्ता पर नाम बदलकर प्रेम संबंध बनाने, शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और गर्भवती होने पर साथ छोड़ने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला ने पुलिस अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कर आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर धर्मसेना के कार्यकर्ता भी एसपी कार्यालय पहुंचे। महिला आरक्षक का आरोप है कि वर्ष 2024 में कोर्ट ड्यूटी के दौरान उसकी मुलाकात मक्का नगर निवासी अधिवक्ता शोहराब शेख से हुई। उसने अपना परिचय सौरभ सिंह राजपूत के रूप में दिया। लगातार मुलाकातों के बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई, जो बाद में प्रेम संबंध में बदल गई। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने शादी का प्रस्ताव रखा और अपने परिवार की सहमति होने का भरोसा दिलाया। महिला का कहना है कि उसने पहले ही आरोपी को बता दिया था कि वह तलाकशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। इसके बावजूद आरोपी ने शादी का आश्वासन दिया और इसी भरोसे पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। महिला के अनुसार आरोपी ने सरकारी नौकरी में दो से अधिक बच्चों को लेकर दिक्कत होने का हवाला देकर उसे एक बच्चे की अभिरक्षा पूर्व पति को सौंपने के लिए राजी किया। इसके बाद न्यायालय में प्रकरण दायर कर एक बच्चे की कस्टडी पूर्व पति को दिला दी गई। महिला का आरोप है कि अगस्त 2025 में इंस्टाग्राम के माध्यम से उसे पता चला कि जिस व्यक्ति को वह सौरभ सिंह राजपूत समझ रही थी, उसका वास्तविक नाम शोहराब शेख है और वह पहले से विवाहित है। सच्चाई सामने आने पर जब उसने आरोपी से जवाब मांगा, तो उसके साथ मारपीट की गई। महिला आरक्षक ने आरोप लगाया कि आरोपी उसे अपने घर ले गया, जहां उससे कलमा पढ़वाया गया, रोजे रखवाए गए और उसकी इच्छा के विरुद्ध मांसाहारी भोजन खिलाया गया। इसके बावजूद आरोपी ने शादी नहीं की और बाद में उससे दूरी बना ली।

गर्भपात का दबाव बनाने का आरोप

पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर कई बार दुष्कर्म किया, जिससे वह गर्भवती हो गई। अब आरोपी बच्चे को अपना मानने से इनकार कर रहा है और गर्भपात कराने का दबाव बना रहा है। महिला ने कहा कि वह स्वयं डीएनए जांच कराने के लिए तैयार है और आरोपी का भी डीएनए परीक्षण कराया जाना चाहिए। महिला आरक्षक की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच के बाद साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

एआई और टीचर : टीचिंग का नया संतुलन

शिक्षा, उद्योग, बैंकिंग, ई कॉमर्स, डिजिटल मार्केटिंग और वित्तीय सेवाओं सहित लगभग हर क्षेत्र में एआई का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। आईएसई यानि इंनफ ॉर्मेसन सिस्टम्स एंड ई कॉमर्स, वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए यह तकनीक विशेष रूप से महत्वपूर्ण बन गई है, क्योंकि आधुनिक व्यापार और प्रबंधन अब डेटा, डिजिटल प्लेटफॉर्म और स्मार्ट तकनीकों पर आधारित होते जा रहे हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या भविष्य में एआई शिक्षकों का स्थान ले पाएगी?

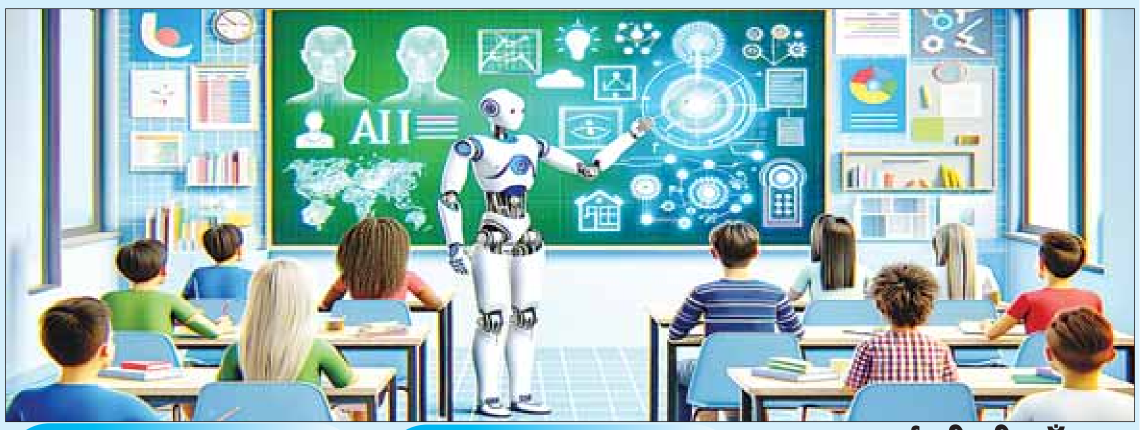

कॉमर्स शिक्षा में एआई की बढ़ती भूमिका

कॉमर्स के विद्यार्थियों को आज अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर, डेटा एनालिटिक्स, ई-कॉमर्स प्लेटफ ॉर्म, डिजिटल पेमेंट सिस्टम और बिजनेस इंटेलिजेंस जैसे विषयों का अध्ययन करना होता है। एआई आधारित चौटबॉट, वर्चुअल ट्यूटर और स्मार्ट लर्निंग प्लेटफ ॉर्म विद्यार्थियों को उनकी सीखने की गति के अनुसार अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराते हैं। वे किसी भी समय कठिन विषयों की व्याख्या प्राप्त कर सकते हैं तथा ऑनलाइन टेस्ट और त्वरित मूल्यांकन के माध्यम से अपनी तैयारी को बेहतर बना सकते हैं।

क्या शिक्षक की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी?

एआई जानकारी देने में सक्षम है, लेकिन शिक्षा केवल जानकारी का आदान-प्रदान नहीं है। एक शिक्षक विद्यार्थियों को व्यावसायिक नैतिकता, नेतृत्व, टीमवर्क, निर्णय क्षमता और मानवीय मूल्यों का महत्व भी समझाता है। कॉमर्स शिक्षा में केवल लाभ कमाना ही उद्देश्य नहीं होता, बल्कि ईमानदारी, सामाजिक उत्तरदायित्व और व्यवसायिक आचरण भी उतने ही आवश्यक हैं। इन गुणों का विकास केवल एक अनुभवी शिक्षक ही प्रभावी ढंग से कर सकता है।

भविष्य की शिक्षा : एआई और शिक्षक का समन्वय

भविष्य की शिक्षा में एआई और शिक्षक एक-दूसरे के पूरक होंगे। एआई तकनीकी सहयोग देकर शिक्षण को अधिक आधुनिक, तेज और प्रभावी बनाएगी, जबकि शिक्षक विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, नैतिक नेतृत्व, उद्यमिता और व्यावहारिक व्यावसायिक कौशल विकसित करेंगे। स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल अकाउंटिंग, वर्चुअल बिजनेस सिमुलेशन और डेटा-आधारित शिक्षण जैसी व्यवस्थाएँ इसी समन्वय का उदाहरण होंगी।

एआई की सीमाएँ

एआई मानवीय भावनाओं और संवेदनाओं को पूरी तरह नहीं समझ सकती। नैतिक और सामाजिक परिस्थितियों में उचित निर्णय लेने की क्षमता सीमित होती है। इसी तरह एआई विद्यार्थियों की मानसिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत समस्याओं का समुचित आकलन नहीं कर सकती, साथ ही प्रेरणा, व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता का प्रभावी निर्माण नहीं कर सकती।

माधुरी शुक्ला
प्राचार्य
बाबू मनमोहनदास हितकारिणी कन्या उ.मा.शाला दीक्षितपुरा।

स्टार्टअप, टेक्नोलॉजी और भारत का आर्थिक विकास

भारत में स्टार्टअप संस्कृति के तेजी से विस्तार और आधुनिक तकनीकों के बढ़ते उपयोग ने अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। आज देश दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम वाले देशों में शामिल है। फिनटेक, हेल्थटेक, एग्रीटेक, एडटेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन, सेमीकंडक्टर और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में उभरते स्टार्टअप न केवल रोजगार सृजित कर रहे हैं, बल्कि भारत को वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में भी स्थापित कर रहे हैं।

स्टार्टअप ऐसे नए उद्यम हैं जो किसी समस्या का समाधान नवीन विचारों और तकनीक के माध्यम से करते हैं। ये उद्यम नए उत्पाद और सेवाएं विकसित करने के साथ-साथ निवेश आकर्षित करते हैं तथा लाखों युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से भी स्टार्टअप उभर रहे हैं, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई दिशा मिल रही है।

हालांकि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से आगे बढ़ रहा है, फिर भी शुरुआती वित्तपोषण, अनुसंधान एवं विकास, गुणवत्तापूर्ण कौशल, साइबर सुरक्षा, बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियां मौजूद हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार, उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों और निवेशकों के बीच बेहतर सहयोग आवश्यक है। नवाचार को प्रोत्साहन देने वाली नीतियां और डिजिटल अवसंरचना इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

जानिए आर्थिक एवं वाणिज्य शब्दावली

1 अर्थव्यवस्था- किसी देश की आर्थिक गतिविधियों की संपूर्ण व्यवस्था। उदाहरण, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

2 सकल घरेलू उत्पाद- एक वर्ष में देश के भीतर उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं का कुल मूल्य। उदाहरण, जीडीपी बढ़ने का अर्थ है कि आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ रही हैं।

3 प्रति व्यक्ति आय- राष्ट्रीय आय को कुल जनसंख्या से भाग देने पर प्राप्त आय। उदाहरण, प्रति व्यक्ति आय बढ़ने से जीवन स्तर में सुधार का संकेत मिलता है।

4 मुद्रास्फीति- वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि। उदाहरण, महंगाई बढ़ने पर खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ जाते हैं।

5 मौद्रिक नीति- मुद्रा और ब्याज दरों से जुड़ी आरबीआई की नीति। उदाहरण, महंगाई नियंत्रित करने के लिए रिजर्व बैंक ऑफइंडिया ब्याज दरों में बदलाव कर सकता है।

6 राजकोषीय नीति- सरकार की कर और सार्वजनिक व्यय संबंधी नीति। उदाहरण, सरकार बजट में नई योजनाओं के लिए धन आवंटित करती है।

7 जीएसटी- वस्तुओं और सेवाओं पर लगाया जाने वाला एकीकृत कर। उदाहरण, अधिकांश उत्पादों की खरीद पर जीएसटी देना पड़ता है।

8 विदेशी मुद्रा भंडार- देश के पास उपलब्ध विदेशी मुद्राओं का भंडार। उदाहरण, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार आर्थिक स्थिरता का संकेत है।

9 स्टार्टअप- नवाचार और तकनीक पर आधारित नया व्यवसाय। उदाहरण, कई भारतीय स्टार्टअप वैश्विक स्तर पर सफलता प्राप्त कर चुके हैं।

10 बैलेंस शीट- व्यवसाय की परिसंपत्तियों, देनदारियों और पूंजी का विवरण। उदाहरण, वर्ष के अंत में कंपनी बैलेंस शीट तैयार करती है।

पर्यटन उद्योग : भारत की अर्थव्यवस्था को नई उड़ान

पर्यटन केवल मनोरंजन या यात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला एक महत्वपूर्ण उद्योग भी है। यह विदेशी मुद्रा अर्जित करने, रोजगार सृजित करने, स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय विकास को गति देने में अहम भूमिका निभाता है। आज जब भारत विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब पर्यटन उद्योग आर्थिक विकास के प्रमुख स्तंभों में से एक बनकर उभर रहा है।

पर्यटन उद्योग की आर्थिक भूमिका

पर्यटन उद्योग होटल, परिवहन, रेस्तरां, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार, ट्रैवल एजेंसियों और अनेक सेवा क्षेत्रों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करता है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक स्थानीय अर्थव्यवस्था में धन का प्रवाह बढ़ाते हैं, जिससे छोटे व्यापारियों, कारीगरों और सेवा प्रदाताओं की आय में वृद्धि होती है।

चुनौतियाँ और संभावनाएँ

पर्यटन क्षेत्र के सामने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, भीड़ प्रबंधन, आधारभूत सुविधाओं की कमी और प्रशिक्षित मानव संसाधन जैसी चुनौतियाँ हैं। वहीं डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन बुकिंग, बेहतर कनेक्टिविटी, ई-वीजा, ग्रामीण पर्यटन, इको-टूरिज्म और होम-स्टे जैसी पहल इस क्षेत्र के लिए नई संभावनाएँ लेकर आई हैं।

विदेशी मुद्रा अर्जन का प्रमुख स्रोत

अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन से भारत को विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है, जिससे देश का विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होता है। इससे व्यापार संतुलन बेहतर बनाने और आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देने में सहायता मिलती है। धार्मिक, चिकित्सा, सांस्कृतिक और साहसिक पर्यटन के बढ़ते आकर्षण ने भारत की वैश्विक पहचान को भी मजबूत किया है।

स्थानीय विकास को मिलता है बढ़ावा

पर्यटन के विकास के साथ सड़क, रेल, हवाई अड्डे, स्वच्छता, संचार और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होता है। इससे पर्यटन स्थलों के आसपास रहने वाले लोगों को बेहतर जीवन स्तर और नए रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। स्थानीय कला, हस्तशिल्प, लोक संगीत और पारंपरिक व्यंजनों को भी नया बाजार मिलता है।

छात्र जीवन में समय प्रबंधन का महत्व

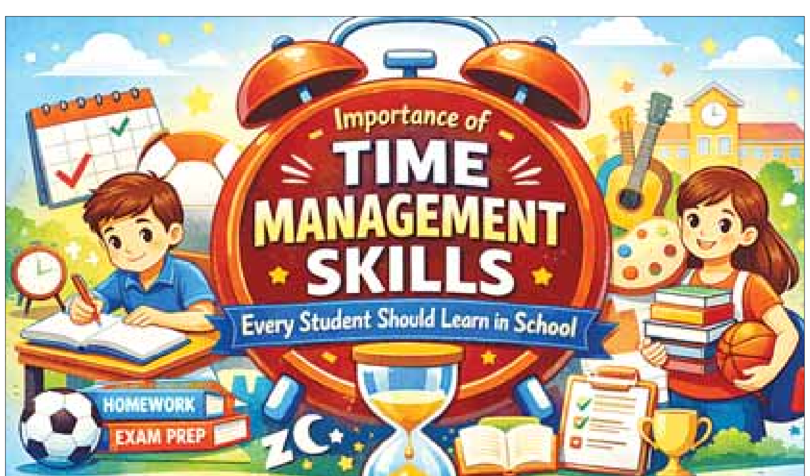

समय प्रबंधन के सरल उपाय

विद्यार्थियों को प्रतिदिन छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, कठिन विषयों को अधिक समय देना चाहिए, नियमित पुनरावृत्ति करनी चाहिए तथा प्रतिदिन कुछ समय व्यायाम, योग और पर्याप्त विश्राम के लिए भी निकालना चाहिए। स्वस्थ शरीर और शांत मन प्रभावी अध्ययन की सबसे बड़ी आवश्यकता हैं।

तृप्ति नारंग
प्राचार्य
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, देवताल, गढ़ा, जबलपुर।

छात्र जीवन मनुष्य के संपूर्ण जीवन की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था होती है। इसी समय व्यक्ति अपने ज्ञान, व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य की मजबूत नींव रखता है। आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल प्रतिभाशाली होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय का सही उपयोग करना भी उतना ही आवश्यक है। जो विद्यार्थी समय का महत्व समझते हैं और उसका उचित प्रबंधन करते हैं, वे शिक्षा के साथ-साथ जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफ लता प्राप्त करने की अधिक संभावना रखते हैं।

अनुशासित दिनचर्या का महत्व

एक सफल विद्यार्थी अपने दिन की शुरुआत स्पष्ट योजना के साथ करता है। वह पढ़ाई, खेल, विश्राम, भोजन, पुस्तक-पठन और मनोरंजन के लिए अलग-अलग समय निर्धारित करता है। नियमित दिनचर्या से एकाग्रता बढ़ती है, कार्य समय पर पूरे होते हैं और परीक्षा के समय घबराहट या तनाव का सामना नहीं करना पड़ता।

समय प्रबंधन क्यों आवश्यक है?

अक्सर विद्यार्थी यह महसूस करते हैं कि उनके पास पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय नहीं है, जबकि वास्तविक समस्या समय की कमी नहीं, बल्कि उसके सही नियोजन की होती है। यदि विद्यार्थी नियमित समय-सारिणी बनाकर अध्ययन करें, प्राथमिकताएँ निर्धारित करें और प्रतिदिन छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें, तो वे बिना तनाव के अपने सभी कार्य समय पर पूरे कर सकते हैं।

व्यक्तित्व विकास में समय प्रबंधन की भूमिका

समय प्रबंधन केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के व्यक्तित्व को भी निखारता है। समय के पाबंद विद्यार्थी अनुशासन, आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता जैसे गुण विकसित करते हैं। यही गुण उन्हें विद्यालय, समाज और भविष्य के कार्यक्षेत्र में सम्मान और सफलता दिलाते हैं।

शब्द पहेली - 8936

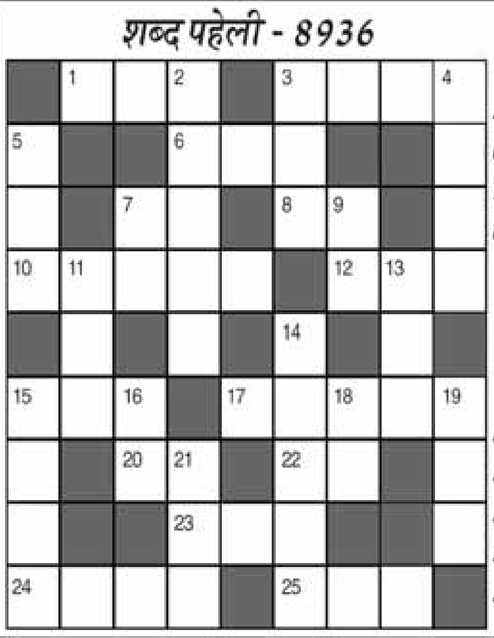

बाएँ से दाएँ

1. चोगा, गाऊन-3
3. पायजामा, शलवार-4
6. भाग्य, लक-3
7. सूर्य, भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता, निम्नता-5
12. मैडल, पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक, लेस-2
22. विलंब, लेट-2
23. जाँच, निरीक्षण-3
24. श्मशान, शवदाहगृह-4
25. साफ, बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता, उदारता-5
3. पाठ, शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन, मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप, लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से सराबोर-2
19. माजरा, हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली -8935 का हल

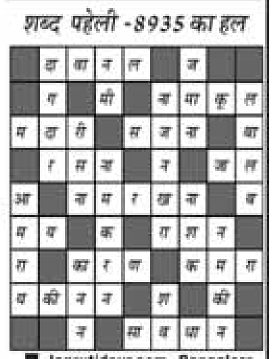

Jagrutidaur.com, Bangalore

EXPERIENCED & DEDICATED FACULTY
Nurturing Young Minds

MODERN INFRASTRUCTURE
Learning with Innovation

FOCUS ON ACADEMICS, SPORTS, VALUES
Shaping Future Leaders

JONESGANJ
(Nursery to XII, Commerce)
Phone: 0761- 4129816
Website: www.kchca.hitkarini.edu.in

GORAKHPUR
(Nursery to IX)
Phone: 0761- 4129812
Website: www.hssg.hitkarini.edu.in

DIXITPURA
(Nursery to XII, Science / Commerce / Arts)
Phone: 0761-4129808
Website: www.bmd.hitkarini.edu.in

GOVINDGANJ
(Nursery to XII, Science / Commerce)
Phone: 0761- 4129809
Website: www.hggs.hitkarini.edu.in

SAHAJPUR
(Nursery to VIII)
Mobile: 7389997882
Website: www.hcasahajpur.hitkarini.edu.in

DUMNA ROAD
(Nursery to X)
Mobile: 9755719306
Website: www.hcadumna.hitkarini.edu.in

DEVTAL, GARHA
(Nursery to VIII)
Phone: 0761- 4129814
Website: www.hgb.hitkarini.edu.in

B.T. TIRAHA, GARHA
(Nursery to I)
Phone: 0761- 4129811
Website: www.hgg.hitkarini.edu.in

Head Office
Jonesganj, Jabalpur (M.P.) 0761-2410270, 2410578
www.hitkarini.com sabha@hitkarini.com
Scan to know more about us

अवैध प्लाटिंग मामले में दिलीप भैरम समेत आठ पर एफआईआर

शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के दो अलग-अगल मामलों में कार्रवाई

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम गर्रा (सलाईटोला) के चर्चित प्रकरण में दिलीप भैरम समेत दो अलग-अलग मामले में आठ लोगों के विरुद्ध कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई हैं। न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) वारासिवनी के आदेश के पालन में दर्ज एफआईआर क्रमांक 0500/2026 में आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 61-घ(1), 61-घ(2) तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। अब पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। राजस्व जांच के अनुसार, पहला मामला मौजा गर्रा सलाईटोला की खसरा नंबर 301/2 (0.809 हेक्टेयर), 303/10/1 (0.080 हेक्टेयर), 303/10/2/1/1 (0.430 हेक्टेयर), 303/8/2 (0.579 हेक्टेयर), 303/9 (0.189 हेक्टेयर) तथा 303/8/1 (0.068 हेक्टेयर) की भूमि पर बिना वैधानिक अनुमति के कथित रूप से प्लाटिंग की गई। जांच में पाया गया कि भूमि का डायवर्सन नहीं कराया गया था, न

ले-आउट स्वीकृत था, न कॉलोनाइजर लाइसेंस लिया गया था और न ही कॉलोनी विकास की अनुमति प्राप्त की गई थी। जांच प्रतिवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि खसरा नंबर 302 की पानी मद की भूमि तथा खसरा नंबर 215/2 के बड़े झाड़ जंगल मद की शासकीय भूमि के कुल 0.113 हेक्टेयर हिस्से पर कथित अतिक्रमण कर प्लाटों तक पहुंचने के लिए कच्चा बजरी मार्ग तैयार किया गया। प्रकरण का सबसे गंभीर पहलू शासकीय भूमि से जुड़ा है। जांच में उल्लेख किया गया कि लगभग 0.113 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर कथित रूप से अतिक्रमण कर प्लाटों तक पहुंचने के लिए कच्चा बजरी मार्ग बनाया गया। यह भूमि पानी के नीचे दर्ज मद एवं बड़े झाड़ के जंगल मद की शासकीय भूमि बताई गई है। न्यायालय ने इसे गंभीर अनियमितता माना।

नोटिस, स्थगन आदेश और फिर अंतिम कार्रवाई

प्रकरण में 12 जून 2026 को संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए गए थे। साथ ही विवादित भूमि पर निर्माण कार्य, भराव और भूखंडों के क्रय-विक्रय पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई थी। न्यायालय ने शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण के संबंध में भी नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

दिलीप भैरम ने आरोपों से किया था इनकार

सुनवाई के दौरान दिलीप भैरम एवं एक अन्य अनावेदक ने संयुक्त जवाब प्रस्तुत करते हुए आरोपों से इनकार किया। उनका कहना था कि प्लाटिंग वर्ष 2025 में की गई थी और अधिकांश लोगों ने निवेश के उद्देश्य से प्लॉट खरीदे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि किसी खरीदार या ग्राम पंचायत की ओर से कोई शिकायत नहीं की गई है। वहीं एक अन्य अनावेदक सोमेश्वर गोंड ने स्वयं को प्लाटिंग से अलग बताते हुए कहा कि उन्होंने केवल अपनी भूमि की बाउंड्री बनाई है। आदेश में यह भी कहा गया कि शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण कर रास्ता बनाना गंभीर कृत्य हैं। इसके आधार पर दिलीप भैरम, जितेन्द्र डहाके, सोमेश्वर गोंड और श्रीमती इंदिरा बाई कोठारी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कराने के निर्देश जारी किए गए। एसडीएम के आदेश के पालन में हल्का पटवारी श्याम कुमार तेकाम ने कोतवाली थाना बालाघाट में आवेदन प्रस्तुत कर आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज करने का अनुरोध किया। आवेदन में न्यायालय के आदेश और जांच प्रतिवेदन का हवाला देते हुए नियमों के उल्लंघन का उल्लेख किया गया, जिसके आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी। इस न्यायालय ने तहसीलदार लालबर्रा को निर्देश दिए हैं कि यदि भविष्य में संबंधित भूमि के भूखंडों का विक्रय या निर्माण कार्य किया जाता है तो इसकी तत्काल जानकारी न्यायालय को दी जाए। वहीं पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई करेगी। इस मामले में लगाए गए आरोपों पर अंतिम निर्णय न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही होगा।

अन्य चार लोगों पर और एफआईआर दर्ज

दूसरा मामला जिले में शासकीय भूमि पर अवैध प्लॉटिंग और कॉलोनी विकास के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एसडीएम न्यायालय ने मामले को मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 61-घ के तहत गंभीर मानते हुए पूर्व में जारी नोटिसों और सुनवाई के बावजूद संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर कार्रवाई के आदेश दिए। पहले प्रकरण में जितेन्द्र उर्फ बुलेश्वर डहाके, अनीता राजेश टेम्भरे, अर्चना देवेन्द्र बोपेचे एवं सुनील वल्द लोखिराम हनवत के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किया गया हैं।

मॉयल के नए निदेशक के लिए रविन्द्र गट्टूवार का चयन

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। भारत सरकार के मिनीरत्न सार्वजनिक उपक्रम मॉयल लिमिटेड में निदेशक (उत्पादन एवं योजना) पद के लिए आयोजित चयन प्रक्रिया में महाप्रबंधक (माइनिंग), मलाजखंड कॉपर प्रोजेक्ट में कार्यरत रविन्द्र गट्टूवार का चयन किया गया है।

इस महत्वपूर्ण पद के लिए विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों से कुल 12 वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की थी, जिनमें से श्री गट्टूवार का चयन उनकी उत्कृष्ट प्रशासनिक क्षमता, तकनीकी अनुभव और खनन क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के आधार पर किया गया। रविन्द्र गट्टूवार इससे पूर्व लगभग 12 वर्षों तक मॉयल लिमिटेड में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। उनके कार्यकाल के दौरान उत्पादन वृद्धि, आधुनिक खनन तकनीकों के उपयोग तथा संचालन व्यवस्था को बेहतर बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। खनन क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उनके चयन को मॉयल के लिए एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। उनके चयन की खबर मिलते ही मॉयल लिमिटेड के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कामगारों में खुशी की लहर दौड़ गई। भरवेली, बालाघाट सहित मॉयल की विभिन्न इकाइयों से जुड़े कर्मचारियों ने इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए श्री गट्टूवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। कर्मचारियों का मानना है कि श्री गट्टूवार के नेतृत्व में मॉयल लिमिटेड उत्पादन, योजना निर्माण और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उनके अनुभव का लाभ न केवल कंपनी के संचालन को मिलेगा, बल्कि भविष्य की विकास योजनाओं को भी नई दिशा मिलेगी। मॉयल परिवार ने उनके उज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि उनके नेतृत्व में कंपनी निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगी।

पशुओं के लिए पेरा निकालते ही कोबरा ने डसा, किसान की मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम करियादण्ड में जहरीले कोबरा सांप के डसने से एक किसान की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान देवेंद्र पिता धीरूलाल बाहेश्वर (38 वर्ष) निवासी करियादण्ड के रूप में हुई है। जिला अस्पताल पुलिस ने गुरुवार को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। मामले की आगे की जांच हट्टा थाना पुलिस कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवेंद्र बाहेश्वर बुधवार 29 जुलाई को परिवार के साथ खेत में धान रोपाई का कार्य कर रहे थे। दोपहर करीब 3.30 बजे वह घर पहुंचे।

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर हुए विविध आयोजन

कटंगी(स्वतंत्र मत)

बाघ रहेगा तो जंगल रहेगा, जंगल रहेगा तो जीवन रहेगा। इसी संदेश के साथ बुधवार 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस कटंगी वनमंडल के अंतर्गत आने वाले सभी सर्किल सीतापठोर, कन्हड़गांव, गोरेघाट, महकेपार, बोनकट्टा, मुंदीवाड़ा, तिरोड़ी और कटंगी में मनाया गया। इन सर्किल के स्कूलों में बच्चों ने निबंध, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं के जरिए वन्यजीव संरक्षण का संकल्प लिया। वन मंडल अधिकारी दक्षिण सामान्य नित्यानंदम एल के निर्देशन उपवन मंडल अधिकारी यशपाल मेहरा के मार्गदर्शन और वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चड़ार के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में बाघ और वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बड़ाना और उन्हें पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना था। सीतापठोर सर्किल के कोयलारी स्कूल, तिरोड़ी सर्किल के पौनियां स्कूल कटंगी सर्किल के देवरी और टेकाड़ी (क) स्कूल, मुंदीवाड़ा सर्किल के बनेरा स्कूल के अलावा कन्हड़गांव, गोरेघाट, महकेपार, बोनकट्टा और मुंदीवाड़ा सर्किल के अन्य शासकीय स्कूलों में भी बाघ दिवस मनाया गया। निबंध प्रतियोगिता में बच्चों ने बाघ का हमारे जीवन में महत्व, जंगल बचाओ बाघ बचाओ और मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसे विषयों पर लिखा। चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने रंगों के माध्यम से जंगल, बाघ और प्रकृति को कागज पर उतारा। एक ओर जहां कुछ बच्चों ने बाघ को शिकार करते दिखाया, तो कुछ ने उसे सुरक्षित जंगल में विचरण करते हुए बनाया। कटंगी सर्किल के देवरी स्कूल में आयोजन सबसे आकर्षक रहा। यहां इंटरेक्टिव पैनल और पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए विद्यार्थियों को बाघ के जीवनचक्र, उसके घटते आवास, अवैध शिकार और संरक्षण के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पीपीटी में बाघ के फोटो, वीडियो और आंकड़ों के माध्यम से बच्चों को बताया गया कि भारत में बाघों की संख्या बड़ रही है, लेकिन अभी भी उन्हें बचाने की जरूरत है। कार्यक्रम में मौजूद वन विभाग के अधिकारियों ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बाघ हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का शीर्ष शिकारी है। बाघ के होने से पूरा जंगल स्वस्थ रहता है। इसलिए बाघ को बचाना मतलब पूरे जंगल को बचाना है।

शिक्षा के लिए जान का खतरा उठा रहे हीरापुर-नीमटोला के बच्चे

कटंगी(स्वतंत्र मत)

जनपद पंचायत कटंगी के अधीन आने वाली ग्राम पंचायत खरपड़िया के दो गांव हीरापुर और नीमटोला में हर बरसात के साथ शिक्षा की गाड़ी पटरी से उतर जाती है। वजह सिर्फ एक है दोनों गांवों के बीच बहने वाला एक नाला, जिस पर आज तक पुल नहीं बन पाया है। नतीजा यह है कि स्कूली बच्चे हर साल 3 से 4 महीने तक अपनी जान जोखिम में डालकर नाला पार करने को मजबूर हैं। पानी बड़ते ही स्कूल बंद, आंगनवाड़ी शिफ्ट और गांव का आपसी संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। हीरापुर और नीमटोला गांव एक-दूसरे से सटे हुए हैं। लेकिन दोनों के बीच लगभग 100 मीटर चौड़ा नाला बहता है। बरसात के मौसम में इस नाले में कई बार बाड़ की स्थिति निर्मित हो जाती है। जिससे स्कूली विद्यार्थियों की पड़ाई प्रभावित होती है। हीरापुर में प्राथमिक शाला है। कक्षा 1 से 5 तक के बच्चे यहीं पड़ते हैं और नीमटोला में माध्यमिक शाला है। कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को पड़ाई के लिए यहीं आना पड़ता है। नीम टोला में ही आंगनवाड़ी केंद्र

संचालित होता है। इसका मतलब साफ है। हीरापुर के 5वीं पास बच्चे आगे पड़ने नीमटोला जाएंगे। नीमटोला के छोटे बच्चे प्राथमिक शिक्षा के लिए हीरापुर आएंगे। और 3 से 6 साल के बच्चे आंगनवाड़ी के लिए नीमटोला जाएंगे। रोजाना करीब 50 से 100 बच्चों का आना-जाना इसी नाले के रास्ते होता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सामान्य दिनों में नाले में घुटने भर पानी रहता है। बच्चे जूते हाथ में लेकर किसी तरह पार कर लेते हैं। लेकिन जुलाई-अगस्त में जब मूसलाधार बारिश होती है तो नाले में 6 से 8 फीट तक पानी भर जाता है। तेज बहाव के कारण कई बार बाड़ जैसी स्थिति बन जाती है। ऐसे में नीमटोला के बच्चे हीरापुर नहीं पहुंच पाते और हीरापुर के बच्चे माध्यमिक शाला नहीं जा पाते। कई बार लगातार 15-20 दिन तक स्कूलों में 30 प्रतिशत से भी कम उपस्थिति रहती है। माध्यमिक शाला के शिक्षक भी इसी रास्ते से आते-जाते हैं।

बच्चे बोले-डर लगता है

बच्चों से बात की तो उनकी आंखों में डर और जिद दोनों दिखी। कक्षा 8 की छात्रा हीना पटले ने कहा, जब पानी ज्यादा होता है तो हम नाला किनारे 1-2 घंटे खड़े रहते हैं। अगर पानी कम लगे तो हाथ पकड़कर पार करते हैं। कई बार गिर भी जाते हैं। कक्षा 7 का छात्र रूद्र राहंगडाले बोला कि उन्हें डर तो लगता है किंतु मजबूरी है। नाले में बाड़ आने में काफी दिक्कत होती है। इस समस्या को लेकर ग्राम पंचायत खरपड़िया के सरपंच इन्द्रपाल पटले ने कई बार प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने बताया कि मैंने इस मुद्दे को क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी के सामने रखा है। उन्होंने भरोसा दिया है कि नाले पर शीघ्र पुल निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा और कार्य करवाया जाएगा। शासन-प्रशासन को चाहिए कि मानसून खत्म होने से पहले इस नाले पर पुल निर्माण की प्रक्रिया शुरू करे, ताकि अगले सत्र से हीरापुर और नीमटोला के बच्चे बिना डर के, बिना रुके अपनी पड़ाई कर सकें।

650 दीपोत्सव से मनाई गई संत रविदास जी की जयंती

उमरिया (स्वतंत्रमत)

भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार उमरिया जिले में भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल के नेतृत्व में बुधवार 29 जुलाई को जिला मुख्यालय स्थित उमरार नदी के खलेसर घाट में 650 दीपक जलाकर संत शिरोमणि रविदास जी की 650 वीं जयंती मनाई गई। साथ ही जिले के समस्त मंडलों में धार्मिक और सार्वजनिक स्थानों पर साफ सफाई कर संत रविदास जी की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर जयंती का कार्यक्रम किया गया है। इस अवसर पर विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि हमारा देश सदैव तपस्वी और संतों का रहा है जो इस भूमि पर त्याग और तपस्या किया यह भारत भूमि उन्हीं भूमि की है। आज गुरु पूर्णिमा का दिन है और हम सभी का कोई ना कोई गुरु होगा आज हम उनके चरणों में प्रणाम करते हैं। उन्होंने कहा कि आज गुरु पूर्णिमा के दिन हम सभी लोग यह

संकल्प ले की हम सभी सेवा भाव से काम करें। भारतीय जनता पार्टी पूरे देश भर में आज संत रविदास जी की जयंती बड़े ही धूमधाम से मना कर श्रद्धांजलि अर्पित कर रही हैं। विधायक ने कहा कि रविदास जी बहुत बड़े और महान संत रहे हैं जिन्होंने समाज में समरसता को लेकर समाज में व्याप्त को कुप्रथाओं और भेदभाव को मिटाने का काम किया। सर्व समाज को एकजुट करने में रविदास जी ने अथक प्रयास किया। उनका प्रयास और सोच रही है कि वह पूरे विश्व के लोग एक साथ प्रेम पूर्वक मिलकर रहें। उनकी वाणी सभी को एक प्रेरणा देती है आज उनके बताए हुए सत्मर्ग पर हमारी सरकार चल रही है। भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि संतों की वाणी का अगर हम आत्मसात करेंगे तो संसार का सारा सुख प्राप्त हो जाता है। संत रविदास जी का जन्म मुगल काल में हुआ, उस समय धर्मांतरण भी भारी मात्रा में किया जा रहा थाम तब संत रविदास ने समाज को एक नई दिशा दी। उन्होंने प्रभु की भक्ति से इस प्रकार खुद को जोड़ा की उनकी वाणी समाज के हर वर्ग को संदेश देती है। आज उनके विचारों और संदेश के बदौलत हमारा देश इस स्थिति में खड़ा है। आज हम ऐसे संत की 650 में जयंती मना रहे हैं भाजपा के द्वारा यह पूरे वर्ष भर मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज देश भर में गुरु पूर्णिमा के दिन मंदिरों धार्मिक स्थान और सार्वजनिक स्थानो पर उनकी जयंती मनाई जा रही है।

सिविल सर्जन ने चखा रसोई के भोजन का स्वाद

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिला चिकित्सालय उमरिया में सिविल सर्जन डॉ. के.सी. सोनी द्वारा अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य अस्पताल में भर्ती मरीजों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा निर्धारित मानकों का जायजा लेना था। निरीक्षण के दौरान डॉ. सोनी ने रसोई की साफ-सफाई, भोजन तैयार करने की प्रक्रिया, खाद्य सामग्री के भंडारण एवं रसोई कर्मचारियों द्वारा अपनाई जा रही स्वच्छता व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने विशेष रूप से वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए भोजन की गुणवत्ता

पर जोर दिया, ताकि मरीजों को पौष्टिक एवं सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराया जा सके। डॉ. सोनी ने स्वयं मरीजों को परोसे जा रहे भोजन का स्वाद चखकर उसकी गुणवत्ता का परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अरहर की दाल, चावल, गेहूं की रोटी, कद्दू की मौसमी सब्जी, सलाद सहित अन्य खाद्य सामग्री परोसी गई, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं गुणवत्तापूर्ण पाई गई। उन्होंने रसोई प्रबंधन को निर्देश दिए कि भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं समयबद्ध वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। साथ ही मरीजों को संतुलित, पौष्टिक एवं ताजा भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था निरंतर बनाए रखने पर जोर दिया।

पीएम आवास योजना के प्रथम और द्वितीय किस्त लाभार्थियों के खाते में न आने से बरसात में बढ़ी समस्या..!

मानपुर (स्वतंत्रमत)

जिले के चार ग्राम पंचायत के संविलियन से बने मानपुर नगर परिषद में प्रधानमंत्री आवास योजना सम्बंधित अड़चन और विभिन्न प्रकार के समस्या में कमी नहीं हो पा रही है। मानपुर नगर परिषद के प्रथम और वर्तमान निर्वाचित पंचवर्षी के कार्यकाल समाप्त होते में बड़े मुस्किल से यहां पीएम आवास योजना के तहत लाभ मिलना शुरू हुआ और वह भी अधर में फंस चुका है, जिस से पात्र हितग्राही विभिन्न प्रकार के जटिल समस्या में बुरी तरह से परेशान दिख रहे हैं। कई सालों के कड़े संघर्ष और इंतजार के बाद सन् 2026 के सुरुआती दौर में मानपुर नगर के सैकड़ों पात्र गरीबों के पीएमएवाई की प्रथम सारणी प्रकाशन हुआ, प्रथम किस्त का पैसा पाते ही हितग्राहियों द्वारा अपने पुराने मकानों को तोड़ कर एवं कई जगह से कर्ज लेकर दरवाजा और छत लेविल तक का आवास बनवा दिया गया है, तब से दूसरे किस्त का भुक्तान न होने से उन गरीबों के पीएमएवाई के घर अधर में लटके हुये हैं, कुछ महीनों पहले

यहां दूसरे सारणी का प्रकाशन भी हो जाने का चर्चा है, जिसे सारणी में नामांकित कई पात्र हितग्राहियों ने आवास बनवाने के खुशी में अपने पुराने घर तोड़वा दिये हैं तो कई लोग ने आवास निर्माण के लिये उधारी खाता में निर्माण समग्री भी मंगवा चुके हैं, प्रथम किस्त जारी न होने पर इन लोगों की समस्या भी बढ़ चुकी है, पुराने घर टूट जाने से वर्षात ऋतु में पन्नी व घांस व टूटे टीना के नीचे अपने सम्पत्ति के सांथ रहना पड़ रहा है, जहां कई लोग आवास बनवाने और समग्री खरीदने के लिये कर्ज लिये थे, यह कहकर की प्रथम व द्वितीय किस्त का भुगतान सीघ्र होते ही आप का पैसा मिल जायेगा नहीं तो हम आप का ब्याज भी देंगे, जो उस कर्ज से परेसान होते दिख रहे हैं।

आदर्श महाविद्यालय में गुरुपर्व पर कवि सम्मेलन सम्पन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमिरया में 29 जुलाई 2026 को गुरु पूर्णिमा के सुअवसर पर महर्षि सांदीपनि और गुरूओं की महत्ता पर आधारित कवि सम्मेलन का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं स्वामी विवेकानंद रोजगार-मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा जिले की वातायन साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थाके संयुक्त तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि गरिमा शर्मा त्रिपाठी व्याख्याता पॉलिटेक्निक कालेज,अध्यक्षता प्राचार्यडॉ नियाज अहमद अंसारी एवं मंचासीन प्रशासिनक अधकारी डॉ अरुणेंद्र बहादुर सिंह, निशी कर्ण द्वारा मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन पूजन एवं महर्षि सांदीपनि के चित्र पर माल्यार्पण द्वारा किया

गया। गुरु शिष्य परंपरा के आध्यात्मिक संबंध,गुरु पूर्णिमा के महत्व को रेखांकित करते हुए महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा संवाद के माध्यम से अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दूसरे चरण में जिले की वातायन साहित्यिक संस्था के द्वारा गुरु शिष्य महत्व पर काव्य पाठ का आयोजन किया गया। वरिष्ठ कवि अनिल कुमार मिश्रा, रामलखन सिंह चौहान अक्खड़ , करण सिंह, राजकुमार महोबिया, शारिब पूर्वान्चली एवं राम पांडे का स्वागत वंदन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अंसारी द्वारा नारियल एवं पुष्प माला से किया। काव्यपाठ के मध्य में ही मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव जी के उज्जैन में आयोजित महर्षि सांदीपनि गुरूपर्व समारेह का सीधा प्रसारण ीअतिथयों, प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह से देखा। वातायन के उक्त कवियों द्वारा काव्य पाठ में गुरु शिष्य परंपरा, समसामयिक गतिविधियां ,वर्षा ऋतु के आगमन एवं छात्रों के ज्ञान संस्कार एवं सदाचारी अनुशासन के विषयक कविताएं प्रस्तुत की। अंत में डॉ सरिता विश्वकर्मा द्वारा काव्य पाठ के माध्यम से गुरुओं को नमन वंदन किया गया। आयोजन में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ परमेश्वर सिंह मरावी,डॉ विजय डाबर,श्री रेमसिंह, अपूर्वा दहायत ,डॉ राजेंद्र प्रसाद,डॉ हरेंद्र कुमार,डॉ वीरेंद्र विश्वकर्मा,डॉ प्रज्वला सिंह, डॉ रामजी पाण्डेय,महेन्द्र कनौजिया, कामता प्रसाद, डॉ सपना झारिया सहित कॉलेज के सभी शिक्षक कर्मचारी अधिकारी एवं छात्र-छात्राओं का विशेष योगदान रहा।

एक गुरु–एक वृक्ष अभियान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में एक गुरु–एक वृक्ष अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ गुरु–शिष्य परंपरा के प्रति सम्मान और जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव ने कहा कि माता–पिता जीवन के प्रथम गुरु होते हैं और शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों को संस्कारवान एवं जिम्मेदार नागरिक भी बनाते हैं।

31 तक करें शीघ्र प्रवेश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। उच्च शिक्षा विभाग में ई–प्रवेश की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। शासकीय महाविद्यालय निवास में बीए प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए 210 सीटें रिक्त हैं। महाविद्यालय प्रशासन ने इच्छुक विद्यार्थियों से अपील की है कि वे 31 जुलाई तक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार शीघ्र प्रवेश लेकर अपनी सीट सुनिश्चित करें। समय सीमा के बाद प्रवेश का अवसर उपलब्ध नहीं रहेगा इसलिए पात्र छात्र–छात्राएं अंतिम तिथि से पहले प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें।

गर्ल्स कॉलेज में पौधारोपण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासकीय जगन्नाथ मुन्नालाल चौधरी महिला महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर संचालित ईको–क्लब द्वारा नोडल अधिकारी सुश्री पूजा टेमरे के संयोजन तथा प्राचार्य प्रो डॉ शरद नारायण खरे के मार्गदर्शन में पौधारोपण के अंतर्गत महाविद्यालय–प्रांगण में विविध उपयोगी ऐसे पौधे रोपे गये जो बड़े होकर फलधारी व छायाधारी पेड़ बनकर अत्यधिक उपयोगी एवं सुखद परिणामदेय सिद्ध होंगे।

कोयले से भरा ट्रक पलटा

मण्डला/बिछिया। मंडला–रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग की बदहाल सड़कें एक बार फिर जिम्मेदार एजेंसियों की लापरवाही की गवाही देती नजर आईं। बिछिया के बंजारी घाट में सड़क पर बने गहरे गड्ढे के कारण पत्थर वाले कोयले से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हालाकि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन चालक और परिचालक को मामूली चोटें आई है।

आते ही एसी साहब ने शुरू की बल्लेबाजी : वरिष्ठ अधिकारी की अनुशंसा बिना कलेक्टर से लिया अनुमोदन, मामला बाउंड्रीबॉल निर्माण का

मण्डला(स्वतंत्रमत)

सहायक आयुक्त कार्यालय में भले ही कुर्सी में बैठे अधिकारी बदले गए हों लेकिन व्यवस्था नही बदल पाई है। यहां आने वाले अधिकारी पद स्थापना से ही सरकारी धन की होली खेलना चालू कर देते हैं। जिसके लिए नए–नए पैतरे अपनाए जाते हैं। ऐसा ही एक मामला निर्माण शाखा का सामने आया है। हाल ही में जिले स्कूल छात्रावासों में बांउड्री बॉल का निर्माण किए जाने को लेकर टेंडर द्वारा लगाए गए थे अप्रैल माह में लगे टेंडरो के एग्रीमेंट भी किए जा रहे है लगभग 14 करोड़ की लागत से जिले भर के अनेक स्कूल और छात्रावासों में बाउंड्रीबॉल का निर्माण किया जाना है। इस टेंडर में चिन्हित ठेकेदारों से मिलकर सहायक आयुक्त अरूण कुमार शुक्ला और इंजीनियर आशीष तिवारी की मिलीभगत से कमाल कर दिया गया। पहले टेक्नीकल विट खोली गई फिर फायनेंस विट खोली गई और कलेक्टर को गुमराह करते हुए अनुमोदन स्वीकृति ले ली गई जबकि नियम के अनुसार भोपाल में कार्यपालन यंत्री से नोटसीट अनुशंसा लेने के बाद कलेक्टर से अनुमोदन स्वीकृति करानी थी लेकिन जबावदार अधिकारियों ने न तो भोपाल फाईल भेजी और न ही अनुशंसा कराई। वरिष्ठ अधिकारियों को गुमराह कर खेल कर दिया गया और चहेते ठेकेदारों को बाउंड्री बॉल का काम दे दिया गया। लंबे समय से इस कार्यालय में भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है जबकि निर्माण समिति के अध्यक्ष जिला पंचायत सीईओ को भी अनुशंसा अनुमोदन में गुमराह करके खेल किया जा रहा है बता दें कि इस कार्यालय में चिन्हित ठेकेदारों का दिनभर डेरा जमा रहता है जो शासकीय दस्तावेजों की गोपनीयता को भंग भी कर रहे हैं। निर्माण शाखा में भ्रष्टाचार की बेला इंजीनियर की मिलीभगत से जमकर चल रही है इस मामले की शिकायत ईओडब्लू से किए जाने की चर्चा भी चल पड़ी है ऐसे अनेक मामले इस कार्यालय में खुलेआम दिखाई देने लगे है यही स्कूल और छात्रावासों के छतों में लगाए जा रहे रूपशेड में भी भारी गड़बड़ी भ्रष्टाचार किए जाने की शिकायत सामने आ रही है। लेकिन अब तक कोई टीम गठित नही हो पाई है कार्यालय में खुलेआम नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है छात्रावास में सरेआम दारू मुर्गापार्टी हो रही है और कार्यवाही के नाम पर मंडल संयोजक अभयदान दे रहे हैं। किसके संरक्षण में यहां के ठेकेदारों का आतंक है इसकी जांच क्यों नही हो रही है। इन दिनों सहायक आयुक्त कार्यालय जमकर चर्चाओं में बना हुआ है। यहां चल रहे निर्माण कार्यों में किये जा रहे घपलेबाजी की जमकर चर्चा है तो वहीं नवीन टेंडरों में भी घोटाले की बू दिखाई दे रही है तो दूसरी तरफ हाल ही में हुए शिक्षकों के स्थानांतरण में भी जमकर लेन–देन किये जाने की चर्चा है। भ्रष्टाचार के इस अड्डे में अचानक कलेक्टर की दबिश से हड़कंप जरूर मचा था लेकिन कोई खासा सुधार नही हो पाया है। जबकि कलेक्टर ने सीधे तौर पर व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिये तो वहीं संबंधितों की क्लास भी लगाई। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यालय की कार्यप्रणाली का गहन अवलोकन किया और अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी उन्होंने कार्यालय की स्थापना शाखा, निर्माण शाखा, लंबित प्रकरणों न्यायालयीन मामलों तथा छात्रावासों के संचालन से जुड़े कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे जिले के 111 छात्रावासों में लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत से मरम्मत एवं उन्नयन कार्य कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही करोड़ो के निर्माण भी हो रहे हैं जिनके टेंडर वर्कऑडर एग्रीमेंट और काम को लेकर सवाल खड़े हैं यहां ऐसे भी ठेकेदार काम कर रहे हैं जिनके पास न तो तकनीकि अमला है और नही लेब मशीन आदि भी नही हैं इसके बाद भी इन्ही ठेकेदारों को बार–बार काम दिया जा रहा है। शासन की नियमों की अव्हेलना कर निर्माण कार्य फर्जी ठेकेदारों को मिलीभगत से दिए जा रहे हैं। जिले के भ्रष्ट कार्यालयों में सुमार सहायक आयुक्त आदिवासी कार्यालय में चल रहे निर्माण कार्यो की आखिर जांच क्यों नही की जा रही है। छोटे–छोटे निर्माण कार्यो में जांच टीम बैठाकर निर्माण एजेंसी को परेशान किया जाता है तो दूसरी तरफ जिस विभाग में करोड़ो अरबों के काम चल रहे हों उस विभाग को आखिर क्यों संरक्षण दिया जा रहा है क्या मामला कलेक्टर और जिले के सांसद विधायक और मंत्री के संज्ञान में नही है या फिर इसी तरह की लापरवाही और मिलीभगत चलती रहेगी मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2024–25 में जिले के नारायणगंज, घुघरी, बीजाडांडी, निवास, मोहगांव, बिछिया, नैनपुर और मंडला में करोड़ो रूपए के काम स्वीकृत कर दिए गए हैं इन निर्माण कार्यों के ठेकेदारों ने विभागीय सांठगांठ से अनेक कामों को हथिया लिया है। इन ठेकेदारों के पास न तो तकनीकी अमला है और न ही लैब है और न ही मशीनरी संसाधन इसके बाद भी बिना जांच पड़ता के निर्माण शाखा के मिलीभगत से एक ही ठेकेदार को अनेक निर्माण कार्य के आदेश जारी करते हुए भारी कमीशनखोरी की गई है।

इनका कहना

मामले की जांच करा लेते हैं अगर नियम के विरूद्ध कार्य किया गया है तो कार्यवाही की जाएगी।

शाश्वत सिंह मीना, जि.पं.सीईओ
अध्यक्ष निर्माण समिति
सहायक आयुक्त कार्यालय मंडला

यहां तो खुलेआम भ्रष्टाचार चल रहा है स्कूल छात्रावासों के निर्माण में स्पष्ट घटिया काम दिखाई दे रहा है वहीं छात्रावासों और स्कूलों में लग रहे रूपशेडों की भी शिकायत सामने आ रही है सरकारी धन की खुलेआम होली खेली जा रही है भाजपा का एक नेता का भाई यहां पर खुलेआम दिनरात दिखाई देता है।

कमलेश तेकाम, अध्यक्ष
जिला शिक्षा समिति मंडला

श्रावण मास पर श्री हनुमान गढी में अखण्ड रामायण पाठ का शुभारंभ

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

धार्मिक श्रद्धा भक्ति व आस्था के साथ श्रावण मास का शुभारंभ 30 जुलाई से प्रारम्भ हुआ जिसका समापन 28 अगस्त को होगा। इस श्रेष्ठ श्रावण मास में नगर – के विभिन्न मंदिर मठो मे भगवान शिवजी की पूजा आराधना आरती कीर्तन व अखण्ड मानस पाठ – सहित धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन प्रारंभ हुआ जो अनवरत पूरे एक माह चलेंगे। श्रावण मास के प्रथम दिन दक्षिण मुखी सिद्ध श्री हनुमान मंदिर बुधवारी में गुरुवार 30 जुलाई विधि–विधान से मंत्रोचार के साथ श्री राम जी हनुमान जी सहित सभी ईष्ट देवी देवताओं का आह्वान कर पूजा आराधना आरती के साथ अखण्ड रामचरित्र मानस पाठ का शुभारम्भ किया गया। जिसका समापन

श्रावण मास के अंतिम दिवस 30 अगस्त

सोमवार की दोपहर बाद सभी धार्मिक कार्यक्रमो के साथ मंदिर मे संचालित श्री रामचरित्र मानस पाठ का हवन पूजन महाआरती के साथ प्रसाद वितरण के साथ समापन किया जावेगा। समीति अध्यक्ष शिव नामदेव के द्वारा नगर क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अपील किया है कि वे अपना अमूल्य समय श्री रामचरितमानस पाठ का पठन–पाठन कर धर्म लाभ अर्जित करें।

शासकीय महाविद्यालय नैनपुर में गुरु पूर्णिमा समारोह संपन्न

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। शासकीय महाविद्यालय नैनपुर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भारतीय ज्ञान परंपरा समिति के तत्वावधान में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. जी.सी. मेश्राम के मार्गदर्शन में तथा संयोजक डॉ. ज्योति सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के सदस्य डॉ. संजीव सिंह, कु. रिया अवधवाल एवं विष्णु चिचले का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं महर्षि सांदीपनि के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पूजन–अर्चन के साथ हुआ। इसके पश्चात सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई।

कार्यालय नगर परिषद बम्हनी बंजर जिला मंडला म.प्र.
Office of the Bamhani Banjar (M.P.)
ULB CODE - 802374

क्रमांक/न.प./स्व.भा.मि./2026/714 — बम्हनी बंजर दिनांक 30.07.2026

// सार्वजनिक सूचना/अपील //

निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (C&D Waste) एवं धूल नियंत्रण संबंधी

नगर परिषद बम्हनी बंजर क्षेत्र के समस्त नागरिकों भवन निर्माताओं ठेकेदारों विकासकर्ताओं एवं कार्यदायी संस्थाओं को सूचित एवं अपील की जाती है कि निर्माण एंव विध्वंस कार्यो के दौरान पर्यावरण संरक्षण स्वच्छता एवं जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए Constuction& Demolition Waste Management Rules 2016 के प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य है। निर्माण एवं विध्वंस कार्यो के दौरान उडने वाली धूल एवं मलबे से आमजन को असुविधा प्रदूषण तथा यातायात बाधा उत्पन्न होती है। अतः समस्त संबंधित व्यक्तियों/ संस्थाओं से अपेक्षा की जाती है कि निर्माण कार्य निम्नानुसार किए जाएं

आवश्यक निर्देशः–
1.निर्माण स्थल के चारों ओर से टीन शेड कपडे आदि से ढंककर कार्य किया जाए/ग्रीन नेट
2.निर्माण समाग्री जैसे रेत, सीमेंट, मिटटी, एवं मलबा खुले में न रखा जाए तथा उसे ढंककर रखा जाए।
3.निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट को सडक, नाली अथवा सार्वजनिक स्थानों पर न फैलाया जाए।
4.धूल नियंत्रण हेतु आवश्यकतानुसार नियमित पानी का छिड़काव किया जाए।
5.निर्माण कार्य में उत्पन्न मलबे का पृथक संग्रहण कर अधिकृत स्थान पर ही निस्तारण किया जाए।
6.परिवहन के दौरान मलबा ढंककर ले जाए ताकि सड़क पर धूलकचरा न फैले।
7.निर्माण स्थल के आस–पास स्वच्छता एवं सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जाए।

नगर परिषद बम्हनी बंजर सभी नागरिकों एवं ठेकेदारों से सहयोग की अपेक्षा करता है ताकि स्वच्छ सुरक्षित एवं प्रदूषणमुक्त शहरी वातावरण बनाए रखा जा सकें। निर्देशों का पालन न किए जाने की स्थिति में संबंधित के विरूद्ध प्रचलित नियमों के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जा सकेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बम्हनी बंजर

कार्यालय नगर परिषद बम्हनी बंजर जिला मंडला म.प्र.
Office of the Bamhani Banjar (M.P.)
LB CODE - 802374

क्रमांक/न.प./स्व.भा.मि./2026/715 — बम्हनी बंजर दिनांक 30.07.2026

//अधिसूचना सार्वजनिक सूचना//

निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (C&D Waste) एवं पुनः उपयोग संबंधी

नगर परिषद बम्हनी बंजर क्षेत्रांतर्गत संचालित समस्त निर्माण एजेंसियों ठेकेदारों भवन निर्माताओं एवं संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि निर्माण एंव विध्वसं अपशिष्ट Constuction& Demolition Waste - C&D Waste का वैज्ञानिक प्रबंधन एवं पुन उपयोग सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य है। निर्माण कार्यो के उपरांत बची हुई सामग्री तथा विध्वंस Demolition से प्राप्त सामग्री जैसे मलबा ईट कांक्रीट मिटटी पत्थर टाइल्स आदि को खुले में फेंकना नालियों सार्वजनिक स्थलों पर डालना अथवा अवैज्ञानिक रूप से निस्तारित करना प्रतिबंधित रहेगा।
अतः निर्देशित किया जाता है कि समस्त संबंधित ठेकेदार एजेंसियों उक्त सामग्री का अधिकतम पुन उपयोग निम्न /– कार्यो में सुनिश्चित करें।
1 निम्न स्तर क्षेत्रों में भराव कार्य।
2 सड़क/मार्ग के सब–बेस अथवा लेवलिंग कार्य।
3 गड्ढों की भराई एवं भूमि समतलीकरण कार्य।
4 पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का पृथ्थकरण एवं पुन उपयोग।
5 अन्य स्वीकृत सार्वजनिक निर्माण कार्यो में उपयोग।
साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि निर्माण एव विध्वंस अपशिष्ट का संग्रहण परिवहन एवं निस्तारण स्वच्छता मानकों एवं प्रचलित नियमों के अनुरूप किया जाए।
निर्देशों का उल्घंन पाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध प्रचलित नियमों के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बम्हनी बंजर

बांस शिल्प प्रशिक्षण में संदेश

मण्डला। जन शिक्षण संस्थान के अंतर्गत संचालित जनजातीय कौशल केन्द्र द्वारा विकासखंड बिछिया के ग्राम ककैया खुर्शीटोला में बांस शिल्प प्रशिक्षण का परिचयात्मक सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को कौशल विकास एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी गई इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान के निदेशक अखिलेश पाण्डेय ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करता है कार्यक्रम अधिकारी एवं प्रभारी जनजातीय कौशल केन्द्र युगल प्रकाश द्विवेदी ने प्रशिक्षण की रूपरेखा अनुशासन तथा नियमित उपस्थिति के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

कार्यालय नगर परिषद बम्हनी बंजर जिला–मण्डला (म.प्र.)
Office of the Bamhani Banjar (M.P.)
ULB CODE - 802374

क्रमांकः स्वास्थ्य शाखा/2026/713 — दिनांक : 30/07/2026

सार्वजनिक सूचना

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के नियम 39 के तहत शहरी क्षेत्रों के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु नगरीय निकायों व शहरी समूहों के उत्तदायित्व निर्धारित किये गये है, तथा कचरा फैलाने या नियमों के उपबंधों का अनुपालन न करने वालों के विरुद्ध स्थल पर ही जुर्माना/ शास्ति अधिरोपित किये जाने का प्रावधान किया गया है।
अतः भारत सरकार के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026, निर्माण एवं विध्वंस नियम 2025, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2025 एवं म.प्र. नगर पालिका (जल प्रदाय एवं मल–जल तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं के लिये अपशिष्ट पदार्थ) के अधिनियम 2020 उपनियम 02 प्रदत्त शक्तियां अनुसार एवं स्वच्छ भारत मिशन, स्वच्छता सर्वेक्षण के निर्धारित मापदण्डों को पूर्ण करने एवं नगर को स्वच्छ बनाये जाने एवं नागरिकों को जागरुक करने एवं स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत निकाय को उच्च स्तर प्रदान करने हेतु निर्धारित मापदण्डों के अनुरुप कार्यवाही हेतु अलग अलग कृत्य के लिए अर्थदण्ड निर्धारित किया जाता है।

क्र.	कृत्य का प्रकार	अधिरोपित अर्थदंड (रू. में)
1	नगरीय सीमा क्षेत्रांतर्गत समस्त शासकीय कार्यालयों द्वारा खुले में कचरा फेंकने एवं चार डस्टबीन (हरा–जैविक अपशिष्ट, नीला–सुखा अपशिष्ट, लाल–सेनेटरी अपशिष्ट, काला–विशेष देखभाल अपशिष्ट) का उपयोग न करने पर।	500/–
2	मेडिकल, क्लीनिक, अस्पताल इत्यादि प्रतिष्ठान अपना मेडिकल वेस्ट स्वयं निष्पादन करें, ऐसा नहीं करने पर	न्यूनतम–1000/– अधिकतम–3000/–
3	घर–घर कचरा संग्रहण के समय कचरा पृथक–पृथक न करने पर।	प्रथम बार–50 रूपये द्वितीय बार–100 रूपये
4	डोर टू डोर कचरा संग्रहण शुल्क व्यवसायिक क्षेत्र से सालाना	1900/–
5	डोर टू डोर कचरा संग्रहण से आवासीय क्षेत्र सालाना उपभोक्ता शुल्क ।	1200/–
6	औद्योगिक इकाईयो से सालाना उपभोक्ता शुल्क	2520/–
7	शासकीय एवं अर्द्धशासकीय सालाना उपभोक्ता शुल्क	1200/–
8	प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम 2025 के अनुसार, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन 2016 में नियम 11 में उप नियम (01) के पश्चात् उप नियम अतः स्थापित किया जाएगा (झ क) कोई उत्पादक, आयातक या ब्रांड स्वामी तारीख 01 जुलाई 2025 से उप नियम (01) के अधीन निम्नलिखित जानकारी उपलब्ध करवाए प्लास्टिक पैकेजिंग पर बार कोड या क्रिक रिस्पोंस कोड होना आवश्यक है अमानक पॉलीथीन प्लास्टिक प्रतिबंधित अधिनियम 31 दिसम्बर 2022 से 120 माईक्रोन कर दी गई है। 1 जुलाई 2022 से पोलिस्टिरीन और विस्तारीत पोलिस्टिरीन समेत एकल उपयोग वाले प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण, आयात, भंण्डारण, क्रय, विक्रय, परिवहन और उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है। कोई भी व्यक्ति उक्त प्रतिबंध का उल्लंघन करते पाया जाता है तो जप्ती कर जुर्माना एवं अधिनियम के प्रावधानों के तहत संबंधित को 5 साल कारावास की कार्यवाही प्रस्तावित की जात सकती है।	न्यूनतम–1100/– अधिकतम–5000/–
9	नगरीय क्षेत्र में निर्माणाधीन एवं तोड़े हुए भवनों का अनुपयोगी मलबे के निपटान हेतु बोहरड़ा ट्रैचिंग ग्राउंड बुरहानपुर में प्रसंस्करण ईकाई स्थापित की गई है। इस हेतु निकाय के कर्मचारी श्री सुनील साबले, मो.नं. 9302912388 पर संपर्क कर निर्धारित शुल्क 500/– प्रति ट्रिप जमा कर सुविधा का लाभ लिया जा सकता है। मकान निर्माण विध्वंस सामग्री/रोड/नाली/सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर फेकने अथवा 48 घंटे से अधिक रखे जाने पर।	800/–
10	नगरीय सीमा क्षेत्रांतर्गत निर्माण एवं विध्वंस कार्य को ग्रीन नेट से कवर करना अनिवार्य है ऐसा नहीं करने पर जुर्माना किया जाएगा।	500/–

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बम्हनी बंजर

कार्यालय नगर परिषद भुआ बिछिया जिला–मण्डला
Muncipal Council Bhua Bichhiya, Distt - Mandla Ph No. 07648 299402
web-nagarpalikabhuabichhiya.com @Email-cmobichhiya@mpurban.gov.in
ULB CODE - 802375

क्रमांकः 494/स्वास्थ्य शाखा/2026 — भुआ बिछिया, दिनांक : 30/07/2026

सार्वजनिक सूचना

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के नियम 39 के तहत शहरी क्षेत्रों के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु नगरीय निकायों व शहरी समूहों के उत्तदायित्व निर्धारित किये गये है, तथा कचरा फैलाने या नियमों के उपबंधों का अनुपालन न करने वालों के विरुद्ध स्थल पर ही जुर्माना/ शास्ति अधिरोपित किये जाने का प्रावधान किया गया है।
अतः भारत सरकार के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026, निर्माण एवं विध्वंस नियम 2025, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2025 एवं म.प्र. नगर पालिका (जल प्रदाय एवं मल–जल तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं के लिये अपशिष्ट पदार्थ) के अधिनियम 2020 उपनियम 02 प्रदत्त शक्तियां अनुसार एवं स्वच्छ भारत मिशन, स्वच्छता सर्वेक्षण के निर्धारित मापदण्डों को पूर्ण करने एवं नगर को स्वच्छ बनाये जाने एवं नागरिकों को जागरुक करने एवं स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत निकाय को उच्च स्तर प्रदान करने हेतु निर्धारित मापदण्डों के अनुरुप कार्यवाही हेतु अलग अलग कृत्य के लिए अर्थदण्ड निर्धारित किया जाता है।

क्र.	कृत्य का प्रकार	अधिरोपित अर्थदंड (रू. में)
1	नगरीय सीमा क्षेत्रांतर्गत समस्त शासकीय कार्यालयों द्वारा खुले में कचरा फेंकने एवं चार डस्टबीन (हरा–जैविक अपशिष्ट, नीला–सुखा अपशिष्ट, लाल–सेनेटरी अपशिष्ट, काला–विशेष देखभाल अपशिष्ट) का उपयोग न करने पर।	500/–
2	मेडिकल, क्लीनिक, अस्पताल इत्यादि प्रतिष्ठान अपना मेडिकल वेस्ट स्वयं निष्पादन करें, ऐसा नहीं करने पर	न्यूनतम–1000/– अधिकतम–3000/–
3	घर–घर कचरा संग्रहण के समय कचरा पृथक–पृथक न करने पर।	प्रथम बार–50 रूपये द्वितीय बार–100 रूपये
4	डोर टू डोर कचरा संग्रहण शुल्क व्यवसायिक क्षेत्र से सालाना	164/–
5	डोर टू डोर कचरा संग्रहण से आवासीय क्षेत्र सालाना उपभोक्ता शुल्क ।	109/–
6	औद्योगिक इकाईयो से सालाना उपभोक्ता शुल्क	1440/–
7	शासकीय एवं अर्द्धशासकीय सालाना उपभोक्ता शुल्क	720/–
8	प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम 2025 के अनुसार, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन 2016 में नियम 11 में उप नियम (01) के पश्चात् उप नियम अतः स्थापित किया जाएगा (झ क) कोई उत्पादक, आयातक या ब्रांड स्वामी तारीख 01 जुलाई 2025 से उप नियम (01) के अधीन निम्नलिखित जानकारी उपलब्ध करवाए प्लास्टिक पैकेजिंग पर बार कोड या क्रिक रिस्पोंस कोड होना आवश्यक है अमानक पॉलीथीन प्लास्टिक प्रतिबंधित अधिनियम 31 दिसम्बर 2022 से 120 माईक्रोन कर दी गई है। 1 जुलाई 2022 से पोलिस्टिरीन और विस्तारीत पोलिस्टिरीन समेत एकल उपयोग वाले प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण, आयात, भंण्डारण, क्रय, विक्रय, परिवहन और उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है। कोई भी व्यक्ति उक्त प्रतिबंध का उल्लंघन करते पाया जाता है तो जप्ती कर जुर्माना एवं अधिनियम के प्रावधानों के तहत संबंधित को 5 साल कारावास की कार्यवाही प्रस्तावित की जात सकती है।	न्यूनतम–1100/– अधिकतम–5000/–
9	नगरीय क्षेत्र में निर्माणाधीन एवं तोड़े हुए भवनों का अनुपयोगी मलबे के निपटान हेतु वार्ड नंबर 02 चर्राटोला ट्रैचिंग ग्राउंड भुआ बिछिया में प्रसंस्करण ईकाई स्थापित की गई है। इस हेतु निकाय के कर्मचारी श्री प्रसन्न यादव,मो.नं. 9340038181 पर संपर्क कर निर्धारित शुल्क 500/– प्रति ट्रिप जमा कर सुविधा का लाभ लिया जा सकता है। मकान निर्माण विध्वंस सामग्री/रोड/नाली/सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर फेकने अथवा 48 घंटे से अधिक रखे जाने पर	500/–
10	नगरीय सीमा क्षेत्रांतर्गत निर्माण एवं विध्वंस कार्य को ग्रीन नेट से कवर करना अनिवार्य है ऐसा नहीं करने पर जुर्माना किया जाएगा।	500/–

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद भुआ बिछिया

कार्यालय नगर पालिका परिषद मण्डला
Email - cmomandla@mpurban.gov.in contact - 07642-250705
Website-www.nagarpalikamandla.com

क्रमांक/स्वा. शा./2026/ — मण्डला, दिनांक : 30/07/2026

सार्वजनिक अधिसूचना

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के नियम 39 के तहत शहरी क्षेत्रों के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु नगरीय निकायों व शहरी समूहों के उत्तदायित्व निर्धारित किये गये है, तथा कचरा फैलाने या नियमों के उपबंधों का अनुपालन न करने वालों के विरुद्ध स्थल पर ही जुर्माना/शास्ति अधिरोपित किये जाने का प्रावधान किया गया है।
अतः भारत सरकार के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026, निर्माण एवं विध्वंस नियम 2025, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2025 एवं म.प्र. नगर पालिका (जल प्रदाय एवं मल–जल तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं के लिये अपशिष्ट पदार्थ) के अधिनियम 2020 उपनियम 02 प्रदत्त शक्तियां अनुसार एवं स्वच्छ भारत मिशनए स्वच्छता सर्वेक्षण के निर्धारित मापदण्डों को पूर्ण करने एवं नगर को स्वच्छ बनाये जाने एवं नागरिकों को जागरुक करने एवं स्वच्छ भारत मिशन, अंतर्गत निकाय को उच्च स्तर प्रदान करने हेतु निर्धारित मापदण्डों के अनुरुप कार्यवाही हेतु अलग–अलग कृत्य के लिए अर्थदण्ड निर्धारित किया जाता है।

क्र.	कृत्य का प्रकार	अधिरोपित अर्थदंड (रू. में)
1.	सार्वजनिक स्थानों पर रासायनिक अपशिष्ट पदार्थ या हानिकारक द्रव्य बहाये जाने पर	500/–
2.	पूजन निर्माल्य सामग्री नदी में डालने या खुले में फेंकने पर	रु.50/–
3.	होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, सार्वजनिक भवन, धर्मशाला इत्यादि में सफाई न रखने एवं मालिक द्वारा गंदगी फैलाने पर	रु.200/–
4.	समस्त व्यापारियों द्वारा विभिन्न प्रकार के व्यवसाय तथा मांस, अण्डा, सब्जी विक्रेताओं द्वारा दो डस्टबिन (हरा एवं नीला) न रखने पर एवं सड़क नाली पर गंदगी फैलाये जाने पर	रु. 200/–
5.	सभी प्रजाति के पशुओं को आवारा छोड़ने पर पशु मालिक पर	रु. 300/–
6.	आवासीय भवन, संस्थान, व्यावसायिक दुकानदारों द्वारा गन्दी पानी सड़क पर बहाने पर	रु. 100/–
7.	फास्ट फूड, फलफूड एवं पथ पर हाथठेले पर विक्रय करने वालों के द्वारा डस्टबिन न रखने एवं कचरा फैलाने पर	रु. 100/–
8.	आवासीय घर/व्यावसायिक दुकान के आस–पास कचरा फेंकने पर	रु. 100/–
9.	खुले प्लाट पर गंदगी पाये जाने पर प्लाट मालिक एवं कचरा फेंकने पर पृथक–पृथक	रु.500/–
10.	सड़क पर पशु को घास खिलाने पर	रु.50/–
11.	बस स्टेण्ड पर बस मालिक/चालक द्वारा बस धोने, गंदगी करने पर	रु.200/–
12.	खुले में शौच/पेशाब करने पर	रु.50/–
13.	सार्वजनिक स्थानों पर थूकने पर	रु. 50/–
14.	सभी होटलों, सार्वजनिक कार्यक्रमों में प्लास्टिक डिस्पोजल (कप, गिलास, प्लेट) उपयोग करने पर	रु. 500/–
15.	प्रतिबंधित पॉलीथिन का प्रयोग दुकानदार/नागरिक द्वारा उपयोग करने पर	रु. 200/–
16.	मकान निर्माण/ध्वंस सामग्री रोड/नाली एवं सार्वजनिक स्थानों पर फेंकने पर	रु. 750/–
17.	नगरीय सीमा क्षेत्रान्तर्गत शासकीय कार्यालयों द्वारा खुले में कचरा फेंकने एवं दो डस्टबिन (हरा एवं नीला न रखने पर)	रु. 200/–
18.	वार्डों में सफाई उपरान्त गंदगी फैलाने पर	रु. 50/–
19.	शराब की दुकान/अहाते में गंदगी फैलाने पर एवं मांस तथा शराब खुले में विक्रय करने पर	रु. 1000/–
20.	व्यावसायिक एवं आवासीय क्षेत्रों की नालियों में मल बहाये जाने पर	रु. 1000/–
21.	नर्मदा जी में नहाने कपड़ा एवं वाहन धोने में साबुन/सोडा का उपयोग करने पर	रु.200/–
22.	मेडिकल, क्लीनिक, अस्पताल इत्यादि प्रतिष्ठान अपना मेडिकल वेस्ट स्वयं निष्पादन करेंए ऐसा नहीं करने पर	न्यूनतम–1000/– अधिकतम–3000/–
23.	नगरीय क्षेत्र में निर्माणाधीन एवं तोड़े हुए भवनों का अनुपयोगी मलबे के निपटान हेतु माली मोहगांव ट्रेचिंग ग्राउण्डा में प्रसंस्करण ईकाई स्थापित की गई है। इस हेतु निकाय के कर्मचारी श्री तुलसी कुर्वेती, मो.नं. 7806063418 पर संपर्क कर निर्धारित शुल्क 500/– प्रति ट्रिप जमा कर सुविधा का लाभ लिया जा सकता है। मकान निर्माण विध्वंस सामग्री/रोड/नाली/सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर फेकने अथवा 48 घंटे से अधिक रखे जाने पर	1000/–
24.	नगरीय सीमा क्षेत्रांतर्गत निर्माण एवं विध्वंस कार्य को ग्रीन नेट से कवर करना अनिवार्य है ऐसा नहीं करने पर जुर्माना किया जाएगा	500/–

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मण्डला

स्वतंत्र मत
जबलपुर

शुक्रवार 31 जुलाई 2026

संपादकीय

गन पर सियासी दनादन

उम्मीद थी कि संसद की कार्यवाही चलेगी और पेपर लीक के नए, बेहद कठोर 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधन पर रोकथाम) संशोधन विधेयक' पर सार्थक बहस होगी। संसद सत्र के बेशकीमती, महत्वपूर्ण दिन बर्बाद किए जा चुके हैं। विपक्ष का संसद परिसर में विरोध-प्रदर्शन जारी है और अब एक नया नारा सामने आया-'धर्मेन्द्र प्रधान झांकी है, अमित शाह अभी बाकी है।' यानी अब विपक्ष गृहमंत्री अमित शाह के 'इस्तीफे' की मांग कर रहा है। स्पीकर ओम बिरला ने जिस तरह पक्ष और विपक्ष में चर्चा की सहमति बनवाई, उसमें भी जोड़ा गया कि बहस के दौरान गृहमंत्री और पैलेट गन, एके-47 राइफल सरीखे मुद्दे भी उठाए जाएंगे। विपक्ष गृहमंत्री के इस्तीफे अथवा माफी की मांग उठा सकता है। गृहमंत्री भी चर्चा के दौरान या बाद में विपक्ष के आरोपों का बिंदुवार जवाब दे सकते हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार प्रधानमंत्री मोदी की माफी की मांग कर रहे हैं।

सिर्फ 6-14 आयु-वर्ग के बच्चों के लिए अनिवार्य, मुफ्त शिक्षा का कानून बना देने से शिक्षा का मौलिक अधिकार हासिल नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने पेपरलीक और शिक्षा-व्यवस्था में सुधार के कितने प्रयास किए हैं और कर रहे हैं, यह देश के समक्ष है। उनकी सफलता को वक्त की कसौटी पर परखा जाएगा। चूंकि विरोध-प्रदर्शन और संसद का घेराव करने वाले आंदोलन के दौरान, बेशक, पुलिस ने लाठियां चलाईं, आंसू गैस के गोले दागे, पानी की तेज बौछार मारी और युवाओं पर बर्बर, अश्लील हमले भी किए गए, लिहाजा इसे राजनीतिक मुद्दा बनाना स्वाभाविक है कि पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? राहुल गांधी गृहमंत्री शाह पर निशाना साधे हुए हैं, लिहाजा उनके इस्तीफे के नारों की गूंज भी सुनाई देती रही है।

दरअसल, खुद राहुल गांधी पैलेट गन का इतिहास और यूपीए सरकार के निर्णय पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। 2010 में यूपीए सरकार ने जम्मू-कश्मीर में सबसे पहले पैलेट गन का इस्तेमाल किया था, जिसमें 17 हत्याएं (मौत नहीं कहेंगे) की गई थीं। जबरदस्त हंगामा हुआ, विरोध किए गए थे, लेकिन तत्कालीन गृहमंत्री पी. चिदंबरम ने पैलेट गन को 'गैर-घातक' करार दिया था। यदि पूर्व गृहमंत्री के आकलन पर भरोसा करें, तो अब के युवा, छात्र आंदोलन के दौरान पैलेट गन 'घातक' और 'जानलेवा' कैसे हो गई? बेशक राहुल गांधी एक युवा को वीडियो में दिखाते रहे हैं कि पैलेट गन से उसका शरीर किस कदर छलनी हुआ है। नौजवान की एक आंख की रोशनी भी छिन सकती है, क्योंकि डॉक्टरों ने उसके ठीक होने की मात्र एक फीसदी संभावना जताई है। 2016 में तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने पैलेट गन का इस्तेमाल 'दुर्लभतम' करार दिया था। उसकी व्यवस्था में संशोधन किए गए और यह गन सीआरपीएफ के पास ही होने की व्यवस्था तय की गई। फिर मौजूदा आंदोलन के दौरान रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने पैलेट गन कैसे चलाई? यकीनन यह बेहद गंभीर और संवेदनशील सवाल है। सवाल तो यह भी खतरनाक और डरावना है कि बिहार के सीवान इलाके के एक सिपाही के पास एके-47 स्वचालित राइफल कैसे और कहां से आई? बेशक उस सिपाही को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया गया, लेकिन 4 गोलियां चलाई गईं। क्योंज्क्या युवा, छात्र 'आतंकवादी' मान लिए गए? पैलेट गन का इस्तेमाल करने की एक वैधानिक, मानक संचालन प्रक्रिया भी है। क्या उसका भी उल्लंघन किया गया? जितना महत्वपूर्ण मुद्दा पेपर लीक का है, उससे भी अधिक संवेदनशील मुद्दा पैलेट गन, एके-47 का है, लिहाजा संसद में व्यापक बहस होनी चाहिए।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

जेन-जी की ताकत और राजनीति के लिए बड़ा संदेश

योगेश कुमार गोयल
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और कई पुस्तकों के लेखक हैं)

भारतीय लोकतंत्र ने एक बार फिर यह साबित किया है कि जनता की आवाज यदि संगठित, शांतिपूर्ण और निरंतर हो तो वह सबसे शक्तिशाली सत्ता को भी आत्ममंथन के लिए विवश कर सकती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा केवल एक मंत्री का पद छोड़ना नहीं है बल्कि यह उस लोकतांत्रिक दबाव की स्वीकारोक्ति भी है, जो पिछले कई सप्ताह से देशभर के लाखों युवाओं ने अपने धैर्य, अनुशासन और दृढ़ता से निर्मित किया। हाल के घटनाक्रमों में सरकार और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत के बाद आंदोलन समाप्त करने की घोषणा हुई और आंदोलन के नेतृत्व ने दावा किया कि उनकी प्रमुख मांगें स्वीकार कर ली गईं। यह घटना केवल शिक्षा मंत्रालय तक सीमित नहीं रहेगी। आने वाले वर्षों में इसे उस मोड़ के रूप में याद किया जाएगा, जब भारत की जेन-जी ने यह संदेश दिया कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता बल्कि जवाबदेही, पारदर्शिता और नागरिक भागीदारी से भी संचालित होता है।

इस पूरे आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसकी शुरुआत किसी स्थापित राजनीतिक दल ने नहीं की। यह आंदोलन सोशल मीडिया की दुनिया से निकला, व्यंग्य से शुरू हुआ और देखते ही देखते करोड़ों युवाओं की सामूहिक चेतना का प्रतीक बन गया। जिस 'कॉकरोच' शब्द का प्रयोग कथित रूप से अपमान के लिए किया गया था, उसी शब्द को युवाओं ने अपने आत्मसम्मान और प्रतिरोध का प्रतीक बना दिया। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती है कि वह अपमान को भी प्रतिरोध की शक्ति में बदल देता है। इस आंदोलन ने भारतीय राजनीति को एक नया पाठ पढ़ाया है। लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि सोशल मीडिया पर चलने वाले अभियान केवल कुछ दिनों की सनसनी होते हैं लेकिन इस बार 'डिजिटल अभियान' सड़क पर उतरा, शांतिपूर्ण जनआंदोलन में बदला और अंततः सत्ता को निर्णय लेने के लिए बाध्य कर गया। इससे स्पष्ट है कि भारत की नई पीढ़ी केवल 'लाइक' और 'शेयर' तक सीमित नहीं है; वह लोकतांत्रिक भागीदारी की नई भाषा लिख रही है।

हालांकि इस जीत का सबसे बड़ा श्रेय केवल आंदोलन की सफलता को नहीं बल्कि उसके संयम को भी जाता है। अनेक स्थानों पर तनाव और पुलिस कार्रवाई के बावजूद आंदोलन के नेतृत्व ने लगातार संवैधानिक और शांतिपूर्ण विरोध की अपील की। यही कारण है कि इस आंदोलन को व्यापक सामाजिक समर्थन मिला।

हालांकि इस जीत का सबसे बड़ा श्रेय केवल आंदोलन की सफलता को नहीं बल्कि उसके संयम को भी जाता है। अनेक स्थानों पर तनाव और पुलिस कार्रवाई के बावजूद आंदोलन के नेतृत्व ने लगातार संवैधानिक और शांतिपूर्ण विरोध की अपील की। यही कारण है कि इस आंदोलन को व्यापक सामाजिक समर्थन मिला। लोकतंत्र में किसी भी जनआंदोलन की नैतिक शक्ति उसकी अहिंसा और अनुशासन से ही आती है। हालांकि इस जीत के साथ कुछ गंभीर प्रश्न भी खड़े होते हैं। क्या केवल एक मंत्री का इस्तीफा शिक्षा व्यवस्था की उन गहरी समस्याओं का समाधान कर देगा, जिनके कारण यह आंदोलन जन्मा? क्या प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं स्वतः समाप्त हो जाएंगी? क्या भर्ती परीक्षाओं में वर्षों से चली आ रही देरी खत्म हो जाएगी? क्या करोड़ों युवाओं को रोजगार की नई संभावनाएं मिल जाएंगी? इन प्रश्नों का उत्तर अभी भविष्य के गर्भ में है।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा राजनीतिक जवाबदेही का एक महत्वपूर्ण उदाहरण अवश्य है किंतु इसे अंतिम समाधान मान लेना भूल होगी। यदि परीक्षा प्रणाली की संरचनात्मक कमियां जस की तस रहीं, यदि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसियों में पारदर्शिता और तकनीकी सुरक्षा नहीं बढ़ी, यदि दोषियों को समयबद्ध दंड नहीं मिला और यदि भर्ती प्रक्रियाएं पहले की तरह वर्षों तक अटकी रहीं तो आज का यह जनसंतोष भविष्य में फिर नए रूप में सामने आ सकता है। सरकार के लिए भी यह आत्मचिंतन का अवसर है। लोकतंत्र में किसी आंदोलन को केवल राजनीतिक षड्यंत्र मानकर खारिज कर देना कभी भी दूरदर्शी नीति नहीं हो सकती। शुरुआत में यदि युवाओं की शिकायतों को अधिक गंभीरता से सुना जाता, संवाद स्थापित किया जाता और सुधारों की स्पष्ट समय सीमा घोषित की जाती तो शायद स्थिति यहां तक नहीं पहुंचती। अंततः सरकार ने बातचीत का रास्ता चुना और यही लोकतंत्र की सही दिशा भी है।

विपक्ष के लिए भी यह अवसर आत्ममंथन का है। इस आंदोलन की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि इसकी ऊर्जा किसी पारंपरिक राजनीतिक दल से नहीं बल्कि युवाओं की स्वतःस्फूर्त भागीदारी से आई। इससे स्पष्ट संदेश मिलता है कि आज की पीढ़ी केवल राजनीतिक भाषण नहीं बल्कि ठोस समाधान चाहती है। यदि विपक्ष भी केवल राजनीतिक लाभ तक सीमित रहेगा और शिक्षा सुधार के ठोस एजेंडे पर गंभीरता नहीं दिखाएगा तो वह भी युवाओं की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाएगा। मीडिया और खासकर इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका पर भी प्रश्न उठते हैं। प्रारंभिक दिनों में आंदोलन को सोशल मीडिया की सनसनी समझने वाले अनेक मंच बाद में उसकी गंभीरता को स्वीकार करने के लिए विवश हुए। लोकतंत्र में मीडिया का दायित्व केवल टकराव के दृश्य दिखाना नहीं बल्कि उन कारणों की पड़ताल करना भी है, जिनके कारण लाखों युवा सड़कों पर उतरने को मजबूर होते हैं।

इस पूरे घटनाक्रम ने भारतीय लोकतंत्र में एक नई राजनीतिक संस्कृति की भी शुरुआत की है। यह संस्कृति व्यक्ति-पूजा से अधिक मुद्दों पर आधारित है। यह आंदोलन किसी जाति, भाषा, क्षेत्र या धर्म के आधार पर नहीं बल्कि समान अवसर, निष्पक्ष परीक्षा और जवाबदेह शासन जैसी सार्वभौमिक लोकतांत्रिक मांगों पर आधारित था। यही इसकी सबसे बड़ी शक्ति रही। आज आवश्यकता इस विजय का उत्सव मनाने से अधिक उसके संदेश को समझने की है। सरकार को परीक्षा प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, डिजिटल सुरक्षा, समयबद्ध भर्ती, स्वतंत्र परीक्षा नियामक और दोषियों के लिए त्वरित दंड जैसी व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देनी होगी। शिक्षा व्यवस्था में विश्वास तभी लौटेगा, जब छात्र यह महसूस करेगा कि उसकी मेहनत किसी भ्रष्ट तंत्र की भेंट नहीं चढ़ेगी। भारत विश्व का सबसे युवा देश है। यही युवा आने वाले विकसित भारत की सबसे बड़ी पूंजी हैं। यदि यही पीढ़ी व्यवस्था पर विश्वास खो दे तो किसी भी आर्थिक उपलब्धि का महत्व कम हो जाएगा लेकिन यदि यही पीढ़ी लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाए, सरकार उसे सुने, विपक्ष जिम्मेदारी निभाए और संस्थाएं स्वयं को सुधारें तो यही ऊर्जा भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

बहरहाल, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसलिए केवल एक राजनीतिक घटना नहीं है, यह लोकतंत्र की उस जीवंतता का प्रमाण है, जिसमें सत्ता से अधिक शक्तिशाली जनता का विश्वास होता है। जेन-जी ने यह सिद्ध कर दिया है कि शांतिपूर्ण जनशक्ति आज भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। अब अगली परीक्षा सरकार की है कि क्या वह इस जनादेश को केवल एक राजनीतिक संकट मानकर भूल जाएगी या इसे शिक्षा व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधारों का अवसर बनाएगी? यदि इस आंदोलन से केवल चेहरा बदला और व्यवस्था नहीं बदली तो इतिहास इसे अधूरी जीत कहेगा लेकिन यदि इससे परीक्षा प्रणाली पारदर्शी बनी, युवाओं का भरोसा लौटा और जवाबदेही संस्थागत रूप ले सकी, तब यह आंदोलन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में उस क्षण के रूप में दर्ज होगा, जब देश की नई पीढ़ी ने सत्ता को हराया नहीं बल्कि लोकतंत्र को मजबूत किया।

कॉकरोच आंदोलनः गांधीवाद की छाया या डिजिटल युग का नया प्रतिरोध?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में जब भी कोई नया जन-आंदोलन उभरता है, उसे पुराने वैचारिक फ्रेमों में समझने की कोशिश होती है। कॉकरोच आंदोलन के साथ भी यही हुआ है। कुछ लोग इसे युवाओं के असंतोष की नई अभिव्यक्ति मानते हैं, तो कुछ इसे गांधीवादी परंपरा की छाया में पढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में इस आंदोलन को महात्मा गांधी की प्रसंगिकता से जोड़ा जा सकता है, या यह केवल एक आकर्षक किंतु सतही तुलना है?

इस प्रश्न का उत्तर न तो पूर्णतः हाँ है और न ही नहीं। कॉकरोच आंदोलन में गांधीवादी राजनीति के कुछ तत्व अवश्य दिखाई देते हैं, किंतु उसका स्वभाव, भाषा, माध्यम और वैचारिक संरचना गांधीवाद से स्पष्ट रूप से भिन्न है। इसलिए इसे गांधीजी की परंपरा का सीधा विस्तार मानने से पहले उसकी प्रकृति और सीमाओं को समझना आवश्यक है।

गांधीवादी राजनीति की सबसे बड़ी शक्ति उसका नैतिक अनुशासन था। सत्य, अहिंसा, आत्मसंयम, जनसेवा और रचनात्मक कार्यक्रम-ये केवल राजनीतिक नारे नहीं थे, बल्कि आंदोलन की आत्मा थे। गांधी के लिए संघर्ष का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक रूपांतरण की प्रक्रिया भी था। इसी कारण उनके आंदोलन में साधन और साध्य के बीच गहरा सामंजस्य दिखाई देता है।

इसके विपरीत, कॉकरोच आंदोलन की शक्ति उसकी व्यंग्यात्मकता, प्रतीकात्मकता और डिजिटल सक्रियता में निहित है। यह ऐसे दौर में सामने आया है, जब नई पीढ़ी पारंपरिक राजनीतिक भाषाओं से दूरी बना रही है और सोशल मीडिया, मीम, डिजिटल अभियानों तथा सार्वजनिक प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी असहमति दर्ज करा रही है। यह आंदोलन दर्शाता है कि आज का युवा अपने असंतोष को पुराने राजनीतिक ढाँचों के बजाय नए सांस्कृतिक प्रतीकों और संचार माध्यमों के जरिए व्यक्त करना चाहता है। इस दृष्टि से यह समकालीन प्रतिरोध की नई शैली है, पारंपरिक सत्याग्रह का पुनरावर्तन नहीं। फिर भी गांधीवादी प्रसंग से इसका संबंध पूरी तरह अस्वीकार नहीं किया जा सकता। गांधीजी ने राजनीति के केंद्र में सामान्य नागरिक को स्थापित किया था। उन्होंने यह विश्वास जगाया कि किसी भी परिवर्तन की वास्तविक शक्ति जनता की चेतना, उसके श्रम और उसके नैतिक साहस में निहित होती है। कॉकरोच आंदोलन भी इस अर्थ में महत्त्वपूर्ण है कि उसने युवाओं की बेरोज़गारी, परीक्षा-प्रणाली की विश्वसनीयता, संस्थागत जवाबदेही और शासन के प्रति बढ़ते अविश्वास जैसे प्रश्नों को सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में ला दिया। इस स्तर पर यह जन-भागीदारी की वही ऊर्जा उत्पन्न करता है, जिसे गांधीवादी राजनीति का मूल तत्व माना जाता है।

किन्तु यहीं सबसे महत्वपूर्ण अंतर भी सामने आता है। गांधी के लिए साधनों की पवित्रता सर्वोपरि थी। उनका विश्वास था कि अनुचित साधनों से उचित लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर, कॉकरोच आंदोलन का स्वर अधिक तीखा, व्यंग्यप्रधान और तात्कालिक है। वह व्यवस्था को चुनौती तो देता है, किंतु गांधी की तरह आत्मानुशासन, आत्मबल और वैचारिक संयम पर उतना बल नहीं देता। उसकी भाषा प्रतिरोध की भाषा है, तपस्या की नहीं। इसलिए उसे पूर्णतः गांधीवादी कहना उसकी अपनी विशिष्ट पहचान को धुंधला कर देता है।यह भी स्मरण रखना चाहिए कि गांधीवाद केवल विरोध की राजनीति नहीं था। वह ग्राम-स्वराज, स्वदेशी, श्रम की गरिमा, सामाजिक समरसता, सांप्रदायिक सद्भाव और रचनात्मक राष्ट्र-निर्माण की व्यापक अवधारणा था। इसके विपरीत, कॉकरोच आंदोलन का वर्तमान फोकस मुख्यतः शिक्षा, रोजगार, युवाओं की आकांक्षाओं और संस्थागत उत्तरदायित्व तक सीमित दिखाई देता है। इसलिए इसे गांधीवाद जैसी व्यापक सामाजिक परियोजना कहना अभी जल्दबाज़ी होगी। फिर भी दोनों के बीच एक गहरी समानता अवश्य है-दोनों जनता की चुप्पी को तोड़ते हैं। गांधी ने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध सामान्य भारतीय को बोलना सिखाया था। आज का यह आंदोलन युवाओं को यह विश्वास दिलाता है कि असंतोष केवल निजी निराशा नहीं है; उसे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति भी दी जा सकती है। जब युवाओं की समस्याएँ डिजिटल मंचों, सार्वजनिक प्रदर्शनों और सामाजिक संवाद के माध्यम से सामने आती हैं, तब यह लोकतंत्र की जीवंतता का संकेत होता है। राजनीति समाप्त नहीं हुई है; उसने केवल अपने नए माध्यम और नए प्रतीक खोज लिए हैं।

इसलिए गांधीजी की प्रसंगिकता यहाँ प्रत्यक्ष प्रेरणा के रूप में कम और एक नैतिक कसौटी के रूप में अधिक महत्त्वपूर्ण है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि कॉकरोच आंदोलन गांधीवादी है या नहीं; बल्कि यह होना चाहिए कि क्या यह आंदोलन जनता की नैतिक चेतना को जागृत करता है? क्या यह केवल क्षणिक असंतोष का विस्फोट है या किसी दीर्घकालिक सामाजिक परिवर्तन की भूमिका तैयार कर रहा है? क्या इसकी व्यंग्यात्मक शक्ति लोकतांत्रिक सुधारों में परिवर्तित हो पाएगी? इन प्रश्नों के उत्तर समय देगा। अभी इतना अवश्य कहा जा सकता है कि इस आंदोलन को गांधीजी से जोड़ना आंशिक रूप से उचित है, यदि हम इसे जन-भागीदारी, नागरिक असहमति और जवाबदेही की मांग के संदर्भ में देखें। किंतु यदि इसे सत्याग्रह, अहिंसा, आत्मसंयम और नैतिक पुनर्निर्माण की कसौटी पर परखा जाए, तो यह गांधीवाद से अलग दिखाई देता है। यह गांधी का उत्तराधिकारी नहीं, बल्कि डिजिटल युग की नई विरोध-संस्कृति का प्रतिनिधि है।

(लेखिका, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

साहित्य के अमर शिल्पकार मुंशी प्रेमचंद और उनकी कालजयी विरासत

दिलीप कुमार पाठक

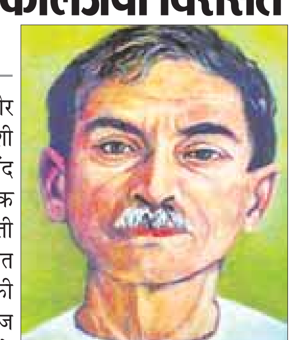

31 जुलाई मुंशी प्रेमचंद जयंती
(राष्ट्रीय लेखक दिवस)

आज इकतीस जुलाई को हिंदी और उर्दू साहित्य के सबसे बड़े लेखक मुंशी प्रेमचंद की जयंती है। जब हम प्रेमचंद का नाम सुनते हैं तो हमारे दिमाग में एक ऐसे सीधे-साधे इंसान की तस्वीर उभरती है जिसने हमेशा आम जनता की बात की। उन्होंने राजा-रानियों और परियों की काल्पनिक कहानियों को छोड़कर समाज के सबसे गरीब और बेबस लोगों को अपनी लेखनी का हीरो बनाया। प्रेमचंद केवल कहानियां लिखने वाले लेखक नहीं थे बल्कि वे अपने समय से बहुत आगे की सोचने वाले एक सच्चे युग दृष्टा थे। उन्होंने समाज को देखने और समझने का एक नया नजरिया दिया। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने करीब सौ साल पहले जिन सामाजिक बुराइयों और इंसानी स्वभाव को पहचाना था वे सारी बातें आज भी हमारे समाज में सच साबित हो रही हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के जरिए एक ऐसी साहित्यिक विरासत हमारे बीच छोड़ी है जो हमेशा हमारा रास्ता रोशन करती रहेगी।

प्रेमचंद के पूरे साहित्य की सबसे बड़ी ताकत उसकी सादगी और जमीन से जुड़ी सच्चाई थी। उन्होंने भारत के गांवों, वहां के किसानों और मेहनत करने वाले मजदूरों के दुख-दर्द को बहुत करीब से देखा और महसूस किया था। उनका साहित्य केवल समाज की कमियां नहीं गिनाता बल्कि हमें अंदर से झकझोर कर सोचने पर मजबूर कर देता है। उन्होंने गोदान, गबन और रंगभूमि जैसे महान उपन्यासों के जरिए उस समय के जमींदारों और सूदखोरों पर सीधा हमला किया जो गरीब जनता का खून चूस रहे थे। प्रेमचंद ने पैसों की भूख, जातिवाद, छुआछूत और महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ अपनी कलम को सबसे बड़ा हथियार बनाया। उनकी दूरदर्शिता इसी बात से समझ आती है कि वे बहुत पहले जान गए थे कि जब तक हमारे देश का किसान खुशहाल नहीं होगा तब तक देश की तरक्की की बातें बिल्कुल अधूरी हैं। उनकी छोटी-छोटी कहानियों का असर इतना गहरा है कि वे सीधे पाठक के दिल में उतर जाती हैं। पूस की रात, कफन और ठाकुर का कुआं जैसी कहानियां मनोरंजन के लिए नहीं लिखी गई थीं बल्कि वे समाज का आईना थीं। कफन कहानी में भूख और तंगहाली के कारण संवेदनहीन हो चुके बाप-बेटे के जरिए उन्होंने दिखाया कि भयंकर गरीबी कैसे इंसान के भीतर की दया और ममता को मार देती है। वहीं ठाकुर का कुआं कहानी में उन्होंने जाति के नाम पर होने वाले उस भेदभाव को दिखाया जो आज भी हमारे समाज में किसी न किसी रूप में दिखाई दे जाता है। प्रेमचंद ने इंसानी दिमाग और उसकी भावनाओं को इतनी गहराई से समझा था कि उनके बनाए किरदार वक्त के साथ पुराने नहीं हुए बल्कि आज भी हमारे आसपास जीते-जागते नजर आते हैं। अगर हम उनके साहित्यिक प्रभाव की बात करें तो प्रेमचंद ने अपने बाद आने वाले लेखकों की कई पीढ़ियों की सोच को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने साहित्य की भाषा को बड़े-बड़े विद्वानों के कमरों से निकालकर आम लोगों की बोलचाल की भाषा बनाया। उन्होंने हिंदी और उर्दू के शब्दों को मिलाकर एक बेहद सरल हिंदुस्तानी भाषा तैयार की जिसे पढ़ना और समझना हर किसी के लिए आसान था।

प्रेमचंद का मानना था कि लेखक का काम सिर्फ सुंदर शब्द लिखना नहीं है बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है। उन्होंने साहित्य को समाज में बदलाव लाने का एक जरिया बना दिया जिससे प्रेरणा लेकर बाद के अनगिनत लेखकों ने सच लिखने का रास्ता चुना। प्रेमचंद ने अपना पूरा जीवन बहुत तंगी और अभावों में गुजारा लेकिन उन्होंने कभी अपने स्वाभिमान और सच का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने महलों की सुख-सुविधाओं के आगे झुकने के बजाय विपरीत परिस्थितियों में रहकर सच लिखना ज्यादा ठीक समझा। उनकी यही दूरदर्शिता और आम जनता से जुड़ाव उन्हें साहित्य जगत का असली साहित्य सम्राट बनाता है। उनकी छोड़ी हुई विरासत हमें सिखाती है कि सच्चा साहित्य वही है जो हर दौर में सच का साथ दे और इंसानी भावनाओं को जिंदा रखे। उनका यह प्रभाव आने वाले कई युगों तक ऐसे ही बना रहेगा।

प्रश्न केवल युवाओं का नहीं, भारत का है

भारत @ 2047 : भाग - 3

पवन शर्मा

यही वह स्थान है जहाँ हमारी शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा प्रश्न खड़ा होता है। क्या शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षार्थी तैयार करना है या भविष्य के निर्माता तैयार करना? यदि किसी देश की करोड़ों युवा आबादी का सबसे बड़ा सपना केवल सरकारी नौकरी बन जाए, तो यह युवाओं की महत्वाकांक्षा की नहीं, व्यवस्था की सीमाओं की कहानी बन जाती है। कोई भी राष्ट्र केवल नौकरी खोजने वालों के सहारे विश्व शक्ति नहीं बनता। विश्व शक्ति वह बनता है जो नवाचार करता है, उद्योग खड़े करता है, शोध करता है, रोजगार पैदा करता है और दुनिया को समाधान देता है। आज आवश्यकता केवल नई शिक्षा नीति की नहीं, बल्कि नई शिक्षा संस्कृति की है। ऐसी संस्कृति, जिसमें विश्वविद्यालय डिग्रियाँ बाँटने वाले भवन नहीं, बल्कि भविष्य गढ़ने वाली प्रयोगशालाएँ बनें।

जहाँ हर विश्वविद्यालय का संबंध उद्योगों से हो। जहाँ हर छात्र को डिग्री के साथ कौशल भी मिले। जहाँ हर पाठ्यक्रम की समीक्षा हर तीन वर्ष में हो। जहाँ उद्योगपति, वैज्ञानिक, शिक्षाविद् और नीति निर्माता एक ही मेज़ पर बैठकर यह तय करें कि वर्ष 2047 का भारत किन क्षमताओं वाले युवाओं की अपेक्षा करेगा। यदि उद्योग कहता है कि उसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, ड्रोन प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी, रक्षा निर्माण, खेल विज्ञान और डिजिटल अर्थव्यवस्था के विशेषज्ञ चाहिए, तो विश्वविद्यालय अभी भी केवल वही पुराने पाठ्यक्रम क्यों पढ़ा रहे हैं जिनकी उपयोगिता लगातार घटती जा रही है? समय किसी का इंतज़ार नहीं करता। जो शिक्षा समय से पीछे रह जाती है, वह अंततः अपने विद्यार्थियों को भी पीछे छोड़ देती है।

विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने हाल के वर्षों में संकेत दिया कि आने वाले दशक में दुनिया के सामने गुणवत्तापूर्ण रोजगार सृजन एक बड़ी चुनौती बनने वाला है। यदि पूरी दुनिया इस आने वाले संकट को देख रही है, तो क्या भारत को आज से ही अपनी शिक्षा, कौशल और रोजगार नीति को भविष्य की दिशा में मोड़ देने की आवश्यकता नहीं है?

विडंबना देखिए। दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दौड़ में है, लेकिन हमारे लाखों युवा अभी भी वर्षों तक केवल एक परीक्षा निकालने की दौड़ में लगे हैं। दुनिया भविष्य के उद्योग बना रही है, और हम अब भी भविष्य के विद्यार्थियों को बीते हुए कल के पाठ्यक्रमों से बाँधकर रखना चाहते हैं। दुनिया नई अर्थव्यवस्था लिख रही है, और हम अब भी पुरानी सोच की किताबें पलट रहे हैं। यह केवल शिक्षा का संकट नहीं है।यह राष्ट्रीय दृष्टि का प्रश्न है। इतिहास गवाह है कि जिन देशों ने अपने युवाओं पर निवेश किया, उन्होंने दुनिया का नेतृत्व किया। जिन देशों ने केवल डिग्रियाँ गिनीं, वे प्रतिभा पलायन की पीड़ा झेलते रहे।

हमें यह स्वीकार करने का साहस करना होगा कि भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है।कमी है तो अवसरों की विविधता की। कमी है तो भविष्य को समय रहते पहचानने की। कमी है तो शिक्षा, उद्योग और नीति के बीच संवाद की। और सबसे बड़ी कमी है-हमारी सोच की। हम आज भी अपने बच्चों से पूछते हैं बड़े होकर क्या बनोगे? शायद अब प्रश्न बदलने का समय आ गया है। हमें पूछना चाहिए-तुम कौन-सी समस्या का समाधान करोगे? यही प्रश्न एक नौकरी तलाशने वाले युवा को राष्ट्र निर्माता में बदल सकता है।

यदि भारत को वर्ष 2047 तक वास्तव में विकसित राष्ट्र बनना है, तो हमें केवल आर्थिक विकास दर नहीं बढ़ानी होगी, बल्कि अवसरों की विकास दर भी बढ़ानी होगी। हमें केवल विश्वविद्यालयों की संख्या नहीं बढ़ानी होगी, बल्कि संभावनाओं की संख्या भी बढ़ानी होगी। हमें केवल डिग्रियों की गिनती नहीं करनी होगी, बल्कि उन सपनों की भी गिनती करनी होगी जिन्हें उन डिग्रियों ने उड़ान दी। राष्ट्र के सामने आज पाँच प्रश्न खड़े हैं।

क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था वर्ष 2047 के भारत के लिए युवाओं को तैयार कर रही है, या अभी भी बीते हुए समय की आवश्यकताओं में उलझी हुई है?

क्या प्रत्येक विश्वविद्यालय में उद्योग जगत की स्थायी भागीदारी अनिवार्य नहीं होनी चाहिए, ताकि शिक्षा और रोजगार के बीच की दूरी कम हो सके?

क्या कौशल आधारित शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और तकनीकी व्यवसायों को वही सम्मान नहीं मिलना चाहिए जो पारंपरिक डिग्रियों को मिलता है? क्या हर विश्वविद्यालय के लिए यह अनिवार्य नहीं होना चाहिए कि वह बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था के अनुरूप नए पाठ्यक्रम, नई धाराएँ और नई प्रयोगशालाएँ स्थापित करे?

और सबसे बड़ा प्रश्न, क्या हम केवल नौकरी खोजने वाले स्नातक तैयार करेंगे

या नौकरी देने वाले उद्यमी, वैज्ञानिक, शोधकर्ता, नवाचारकर्ता और राष्ट्र निर्माता भी?

इस लेख का उद्देश्य किसी सरकार, किसी विश्वविद्यालय, किसी परीक्षा या किसी संस्था पर प्रश्नचिह्न लगाना नहीं है। उद्देश्य केवल इतना है कि भारत अपने सबसे बड़े सामर्थ्य अपनी युवा शक्ति को केवल प्रतियोगिता का साधन नहीं, बल्कि परिवर्तन की शक्ति बनाए। क्योंकि, किसी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसद में बनने वाले कानूनों से उतना तय नहीं होता, जितना उसकी कक्षाओं में बैठी अगली पीढ़ी से होता है। सीमाएँ सैनिक सुरक्षित रखते हैं। अर्थव्यवस्था उद्योग सुरक्षित रखते हैं। लेकिन भविष्य, भविष्य केवल शिक्षा सुरक्षित रखती है। और यदि हम आज भी अपने बच्चों को केवल अगली परीक्षा के लिए तैयार करते रहे, तो संभव है कि हम लाखों सफल परीक्षार्थी तो तैयार कर लें लेकिन उतने सफल राष्ट्र निर्माता नहीं।

भारत को आज नई इमारतों से अधिक नई सोच की आवश्यकता है।नई योजनाओं से अधिक नए अवसरों की आवश्यकता है। नई घोषणाओं से अधिक नई दिशाओं की आवश्यकता है। और नई डिग्रियों से अधिक नए सपनों की आवश्यकता है। जिस दिन भारत का प्रत्येक युवा यह विश्वास लेकर घर से निकलेगा कि इस देश में उसके सपनों के लिए केवल एक नहीं, सौ रास्ते खुले हैं, उसी दिन हम न केवल विकसित भारत की ओर बढ़ेंगे, बल्कि एक ऐसे भारत का निर्माण करेंगे जहाँ शिक्षा का अर्थ नौकरी पाना नहीं, बल्कि भविष्य बनाना होगा।

प्रश्न केवल आज का नहीं है।
प्रश्न भारत @ 2047 का है।

रूस ने यूक्रेन पर बैलिस्टिक मिसाइलों से किया भीषण हमला, चारों ओर तबाही

कीव, रॉयटर

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से भारी हमला किया है। इस हमले में कई इलाकों में जोरदार विस्फोट हुए और बड़े पैमाने पर तबाही मची हुई है। स्थानीय मीडिया और अधिकारियों के अनुसार, कीव के विभिन्न हिस्सों में मिसाइल हमले के बाद आग लगने और धुएं के गुबार उठने की खबरें आ रही हैं। बचाव दल मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

रूस यूक्रेन के कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला कर रहा है गुरुवार तड़के कीव के मेयर ने बताया कि रूस यूक्रेन के कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला कर रहा है। मेयर विटाली क्लिट्स्को ने एक टेलीग्राम पोस्ट में यह जानकारी देते हुए लोगों से आश्रय लेने का आग्रह किया। क्लिट्स्को ने कहा कि कीव में कुछ गैर-आवासीय स्थलों में आग लग गई।

रॉयटर ने एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार बताया है कि शहर में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को चेतावनी दी थी कि यूक्रेन पर रूस द्वारा एक बड़ा हमला होने की संभावना है।

ज़ेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेनवासियों की सुरक्षा सहयोगियों द्वारा मिसाइल रोधी रक्षा प्रणाली प्रदान करने की तत्परता पर निर्भर करती है, क्योंकि वह संयुक्त राज्य अमेरिका से लौटे थे जहां उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइलों के लिए लाइसेंस देने पर सहमत हुए हैं।

यूक्रेन में ड्रोन हमले के बाद प्रयागराज का युवक लापता, परिजनों ने केंद्र सरकार से लगाई गुहार

प्रयागराज, (वार्ता)। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह के निकट एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए ड्रोन हमले के बाद उत्तर प्रदेश के प्रयागराज का एक युवक लापता हो गया है। घटना के छह दिन बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिलने से परिजन चिंतित हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय तथा विदेश मंत्रालय से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। झूंसी थाना क्षेत्र के नीबी कलां गांव निवासी रामचंद्र दुबे पिछले वर्ष 25 सितंबर को एक वाणिज्यिक जहाज पर चालक दल के सदस्य के रूप में ड्यूटी पर गए थे। परिजनों के मुताबिक 24 जुलाई की रात उन्होंने अपनी मां कल्पना दुबे से फोन पर अंतिम बार बातचीत की थी। 25 जुलाई को ओडेसा बंदरगाह के पास जहाज पर ड्रोन हमला हुआ। हमले के समय जहाज पर चार भारतीय चालक दल के सदस्यों सहित कुल आठ लोग सवार थे। खतरे की स्थिति में जान बचाने के लिए चार भारतीय चालक दल के सदस्यों ने समुद्र में छलांग लगा दी। इनमें से दो भारतीयों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि प्रयागराज निवासी रामचंद्र दुबे समेत दो भारतीय अब भी लापता हैं। परिजनों ने दिल्ली में संबंधित शिपिंग कंपनी के अधिकारियों से मुलाकात कर जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया, अब तक रामचंद्र दुबे के संबंध में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी है। परिजनों ने प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय को पत्र भेजकर मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने तथा लापता भारतीय नागरिकों की सुरक्षित तलाश और सकुशल वापसी सुनिश्चित करने की मांग की है।

बांग्लादेश में भूमि हड़पने को हिंदू परिवार पर अत्याचार दंपती को मारा-पीटा, बुज़ुर्ग व्यक्ति को पानी में डुबोया

ढाका

अदालत के आदेश के विपरीत बांग्लादेश में एक हिंदू परिवार पर भीषण हमला कर उन्हें प्रताड़ित किया गया। बांग्लादेश के भोला जिले के लालमोहन उपजिला में हाल ही में हुई एक क्रूर घटना में एक भूमि विवाद के चलते एक हिंदू गोपाल कृष्ण दास और अपने पूरे परिवार समेत हिंसा और अत्याचार का शिकार हुए। बताया जाता है कि एक भूमि विवाद मामले में अदालत के पक्ष में निर्णय के बावजूद एक गोपाल कृष्ण दास के साथ ही उनके घर की सभी महिलाएं भी हिंसक हमले का शिकार हुईं। हमलावर केवल संपत्ति हड़पने के लिए नहीं आए थे।

दिन के उजाले में वे इस हिंदू परिवार के घर में घुसे और गोपाल कृष्ण दास और उनकी पत्नी अखी रानी दास पर बुरी तरह हमला किया। बताया गया है कि जैसे-जैसे हिंसा बढ़ी दंपती की दो बेटियों के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया, जबकि परिवार के बुजुर्ग पिता को पानी में डुबोकर प्रताड़ित किया गया।

इस मामले को उठाते हुए विपक्षी पार्टी आवामी लीग ने बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा के बीच वर्तमान बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) पर आरोप लगाया है कि वह हिंदू परिवारों की सुरक्षा करने में असफल रही है, जो राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान बार-बार निशाना बनते रहे हैं। पार्टी ने कहा कि दास के घर में हुई तोड़फोड़ और लूटपाट ने आम नागरिकों, विशेषकर अल्पसंख्यकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा की कमी चिंताजनक है।

जब एक परिवार अपने पूर्वजों की भूमि पर सुरक्षित नहीं रह सकता, भले ही उसे अदालत से अनुकूल निर्णय मिला हो और जब महिलाओं के साथ दिन के उजाले में दुर्व्यवहार किया जाता है, तो यह कानून के शासन की प्रभावशीलता और राज्य की नागरिकों की सुरक्षा की क्षमता पर गंभीर प्रश्न उठाता है।

केदारनाथ पैदल मार्ग बंद, गौरीकुंड गेट से 200 मीटर आगे भारी भूस्खलन, यात्रियों की आवाजाही रोकी

रुद्रप्रयाग, (वार्ता)

उत्तराखंड में भगवान शंकर के ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ यात्रा मार्ग पर एक बार फिर भूस्खलन ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गुरुवार को गौरीकुंड गेट से करीब 200 मीटर आगे भारी मात्रा में मलबा और पत्थर आने से पैदल मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया है। सुरक्षा के मद्देनजर यात्रियों की आवाजाही रोक दी गई है। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के बीच केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर गौरीकुंड गेट से लगभग 200 मीटर आगे पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर गिरने से मार्ग पूरी तरह बंद हो गया। प्रशासन ने तत्काल यात्रियों की आवाजाही रोकते हुए उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ठहरा दिया है। यात्रा मार्ग बाधित होने की सूचना मिलते ही संबंधित विभागों, राहत एवं बचाव दलों को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है। मार्ग से मलबा हटाने एवं आवागमन बहाल करने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश और पहाड़ी से रुक-रुक कर मलबा एवं पत्थर गिरने के कारण राहत एवं मार्ग बहाली कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। श्रद्धालुओं एवं यात्रियों से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें, बिना अनुमति के आगे बढ़ने का प्रयास न करें जिला प्रशासन, पुलिस एवं संबंधित विभागों द्वारा जारी निर्देशों का पूर्णत: पालन करें। यात्रा मार्ग पूरी तरह सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद ही श्रद्धालुओं की आवाजाही पुन: सुचारु रूप से प्रारंभ कराई जाएगी।

तीन महीने में नशा खत्म करने का केजरीवाल का वादा निकला झूठा, पंजाब का युवा हर रोज मर रहा है : ढिल्लों

चंडीगढ़, (वार्ता)

पंजाब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने प्रदेश में बढ़ते नशे के संकट को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि भगवंत मान सरकार का बहुचर्चित %युद्ध नशों विरुद्ध% अभियान पूरी तरह विफल साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि मोहाली की अंब साहिब कॉलोनी में पिछले 18 दिनों के दौरान नशे की ओवरडोज से पांच युवकों की मौत ने पंजाब में नशे की भयावह स्थिति को उजागर कर दिया है।

श्री ढिल्लों ने अंब साहिब कॉलोनी के प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह बेहद दुखद और शर्मनाक है कि एक मां ने नशे की वजह से अपने दोनों पुत्रों को खो दिया, जबकि एक अन्य महिला अपने पति की मौत के बाद दो छोटे बच्चों की अकेले परवरिश करने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि सरकार की विफलता से बर्बाद हुए परिवारों की दर्दनाक कहानी है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब की जनता से तीन महीने के भीतर नशा खत्म करने का वादा किया था, लेकिन आज हालात पहले से भी ज्यादा खराब हो चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब का युवा प्रतिदिन नशे की भेंट चढ़ रहा है, जबकि सरकार अपने वादों को पूरा करने में पूरी तरह असफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब नशे से प्रभावित परिवार और आम नागरिक नशा तस्करों के खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो उन्हें खुलेआम धमकियां दी जाती हैं। इससे स्पष्ट होता है कि नशा तस्करों को प्रशासनिक और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है।

श्री ढिल्लों ने कहा कि लोगों का व्यवस्था से विश्वास इस कदर उठ चुका है कि नशे से तबाह परिवार अपने घर बेचने के पोस्टर लगाने और सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि नशे से हो रही लगातार मौतें और बढ़ता जनाक्रोश इस मुद्दे पर आप सरकार की पूर्ण विफलता का प्रमाण है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप का तथाकथित बदलाव पंजाब को कई वर्ष पीछे ले गया है। उन्होंने कहा कि नशे जैसी गंभीर समस्या का समाधान केवल मजबूत नेतृत्व और प्रभावी नीति से ही संभव है, न कि प्रचार अभियानों और विज्ञापनों से।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने पंजाब के लोगों से आगामी चुनावों में भाजपा की सरकार बनाने की अपील करते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार ही पंजाब को नशा मुक्त बनाकर युवाओं का भविष्य सुरक्षित कर सकती है।

मिडिल ईस्ट में तैनात सैनिकों के फोन जब्त करेगा अमेरिका, सोशल मीडिया पोस्ट से ईरान को मिल रही मदद

वॉशिंगटन। मिडिल ईस्ट में तैनात अमेरिकी सेना के टॉप कमांडर ने सैनिकों को चेतावनी दी है कि ऑनलाइन शेयर किए गए सेलफोन वीडियो से ईरान को अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने में मदद मिल सकती है।

सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि जल्द ही तैनात कुछ सैनिकों को अपने फोन जमा करने का आदेश दिया जा सकता है। मोबाइल कम्युनिकेशन पर किसी भी तरह की रोक से इस इलाके में तैनात हजारों अमेरिकी सैनिकों के लिए संघर्ष का एक नया पहलू जुड़ जाएगा। इनमें से कई सैनिक अभी भी अपने परिवार वालों और दोस्तों को समय-समय पर मैसेज करने और उनके ठीक होने की जानकारी देने के लिए फोन का इस्तेमाल करते हैं। एडमिरल ब्रैड कूपर ने एक पत्र में कहा कि ईरान को अपने हमलों की सफलता या विफलता को लगभग रियल-टाइम में देखने का फायदा मिल रहा है। वे ऐसा पत्रकारों की न्यूज रिपोर्ट या ऑनलाइन पोस्ट को खोजकर करते हैं, जिनमें हमारे सैनिकों के सेलफोन से मिली प्रतिक्रियाओं, फोटो और फुटेज का जिक्र होता है। यूएस सेंट्रल कमांड के प्रमुख कूपर ने 28 जुलाई को लिखे अपने पत्र में कहा, इस ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस की सीधी और अपरिहार्य कीमत का अंदाजा खाड़ी के उन देशों में अमेरिकी सैनिकों और आम नागरिकों की जान के नुकसान से लगाया जा सकता है, जिन्हें निशाना बनाया गया है। उन्होंने सैनिकों से कहा कि वे ऑपरेशनल सिक्योरिटी पर अपना ध्यान दोगुना करें लेकिन मेमो में इसके लिए कोई खास कदम नहीं बताए। इस चेतावनी ने युद्ध की रियल-टाइम न्यूज रिपोर्टिंग (जिसमें अक्सर सैटेलाइट तस्वीरों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों का सहारा लिया जाता है) और अमेरिकी सेना की उस इच्छा के बीच बढ़ते तनाव को उजागर किया, जिसके तहत वह ऐसी किसी भी जानकारी को रोकना चाहती है जिससे ईरान को अमेरिकी सैनिकों को मारने या घायल करने की कोशिश में मदद मिल सकती है।

जॉर्डन में कुछ सैनिकों को बताया गया है कि आने वाले दिनों में उनके फोन जब्त कर लिए जाएंगे। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने रॉयटर्स को यह जानकारी दी। एक तीसरे सूत्र ने बताया कि ऑपरेशनल सुरक्षा चिंताओं के कारण इस क्षेत्र में ऐसे कदम पर विचार किया जा रहा था, लेकिन जब्ती को निश्चित नहीं बताया। अगर ऐसी जानकारी न मिलती तो ईरान के लिए अपने हमलों की सफलता या विफलता का पता लगाना मुश्किल होता क्योंकि अमेरिकी सेना युद्ध क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग या दूसरे तरीकों का इस्तेमाल करती है।

ऐतिहासिक वैश्विक नौकायन यात्रा से लौटी तीनों सेनाओं की महिला अधिकारियों को राजनाथ ने किया सम्मानित

नई दिल्ली (वार्ता)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना की नौ महिला अधिकारियों को सेना के नौकायन पोत (आईएएसवी) त्रिवेणी पर पहली त्रि-सेवा सर्व-महिला विश्व परिक्रमा नौकायन अभियान %समुद्र प्रदक्षिणा% सफलतापूर्वक पूरा करने पर सम्मानित किया।

श्री सिंह ने यहां अधिकारियों से बातचीत के दौरान 314 दिनों में चार महासागरों में लगभग 25,500 समुद्री मील की यात्रा पूरी करने के लिए उनकी सराहना करते हुए इसे नारी शक्ति और त्रि-सेवा संयुक्तता का प्रतीक बताया, जो पूरे देश को प्रेरित करेगा। महिला अधिकारियों ने कहा कि शारीरिक और मानसिक रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण यह अभियान देश का गौरव बढ़ाने के उनके संकल्प के कारण यादगार और संतोषजनक बन गया।

महिला अधिकारियों की क्षमता और आत्मविश्वास को अविश्वसनीय बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि इस अभियान ने उन रूढ़ियों को तोड़ दिया है, जिनमें माना जाता था कि महिलाएं कठिन सैन्य अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा कि शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता और नेतृत्व क्षमता का लिंग से कोई संबंध नहीं है तथा भारत की हर बेटी उनकी उपलब्धि से प्रेरणा ले सकती है।

अभियान को त्रि-सेवा संयुक्तता का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए श्री सिंह ने कहा कि सेना, नौसेना और वायुसेना के अधिकारियों ने एक ही ध्वज के नीचे एक साझा उद्देश्य के लिए साथ मिलकर नौकायन किया, जिससे यह सिद्ध हुआ कि सामूहिक प्रयास से कोई भी क्षितिज बहुत दूर नहीं होता। उन्होंने विभिन्न देशों की यात्रा के दौरान भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, स्वदेशी क्षमताओं और तकनीकी प्रगति का प्रदर्शन करने के लिए भी टीम की सराहना की।

इस अवसर पर सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित, नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल अजय कोच्चर तथा तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आईएएसवी त्रिवेणी की टीम का 22 जुलाई को रक्षा मंत्री ने वर्चुअल रूप से स्वागत किया था, जबकि अभियान को पिछले वर्ष 11 सितंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रवाना किया गया था। लगभग दो वर्षों के प्रशिक्षण, सूक्ष्म योजना और चौबीसों घंटे सक्रिय तटीय सहायता तंत्र के सहयोग से यह मिशन सफल हुआ। अभियान ने देशांतर की सभी मध्याह्न रेखाओं को पार करने, भूमध्य रेखा को दो बार पार करने, अंतरराष्ट्रीय तिथि रेखा को पार करने तथा केप लीविन, केप हॉर्न और केप ऑफ गुड होप की परिक्रमा कर विश्व परिक्रमा के सभी अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा किया। दल ने ड्रेक पैसेज को सफलतापूर्वक पार किया और केप हॉर्न की परिक्रमा कर प्रतिष्ठित %केप हॉर्नर्स% समुदाय की सदस्यता भी प्राप्त की। उल्लेखनीय समुद्री उपलब्धि के अलावा, इस अभियान ने विश्वभर के विभिन्न बंदरगाहों पर भारत की सांस्कृतिक विरासत, समुद्री परंपराओं और सैन्य पेशेवर उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए मित्र देशों के साथ सद्भाव और सैन्य कूटनीति को भी मजबूत किया।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

63 वर्ष की हुई मंदाकिनी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री मंदाकिनी आज 63 वर्ष की हो गयीं।मंदाकिनी का जन्म 30 जुलाई 1963 को मेरठ में एक एंग्लो-इंडियन परिवार में हुआ था। उनके पिता जोसफ ब्रिटिश नागरिक थे, जबकि उनकी मां मुस्लिम थीं। मंदाकिनी का बचपन का नाम यास्मीन जोसेफ था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत वर्ष 1985 में प्रदर्शित बंगाली फिल्म 'अंतारेर भालोबाशा' से की थी। वर्ष 1985 में ही मंदाकिनी ने फिल्म 'मेरा साथी' से बॉलीवुड में कदम रखा, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। इसी वर्ष उनकी फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' प्रदर्शित हुई, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। राज कपूर निर्मित और निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ राजीव कपूर मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म की सफलता ने मंदाकिनी को हिंदी सिनेमा में एक अलग पहचान दिलाई। फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिए मंदाकिनी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था। हालांकि, इस फिल्म के लिए राज कपूर की पहली पसंद पद्मिनी कोल्हापुरे थीं, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया था। 'राम तेरी गंगा मैली' की सफलता के बाद मंदाकिनी ने 'जाल', 'लोहा', 'डांस डांस', 'जीते हैं शान से', 'कमांडो', 'तेजाब' और 'जंगबाज' जैसी कई फिल्मों में काम किया। वर्ष 1996 में प्रदर्शित फिल्म 'जोरदार' उनकी अंतिम फिल्म साबित हुई। अपने फिल्मी करियर के दौरान मंदाकिनी का नाम अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के साथ भी जोड़ा गया। उन्हें कई बार क्रिकेट मैदान पर दाऊद के साथ देखा गया था, हालांकि मंदाकिनी ने इन चर्चाओं पर कई बार सफाई दी। वर्ष 1990 में मंदाकिनी ने बौद्ध धर्मगुरु डॉ. कगयुर टी रिंपोचे ठाकुर से विवाह कर लिया। वर्तमान समय में मंदाकिनी फिल्म इंडस्ट्री से दूर हैं और अपने निजी जीवन में व्यस्त हैं।

सोनू निगम: अपनी सुरीली आवाज से बनाई खास पहचान

अपनी मधुर आवाज से संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज करने वाले मशहूर पार्श्वगायक सोनू निगम आज 53 वर्ष के हो गये।सोनू निगम का जन्म 30 जुलाई 1973 को हरियाणा के फरीदाबाद शहर में हुआ। उनके माता-पिता भी गायक थे, जिसके कारण बचपन से ही उनका रुझान संगीत की ओर रहा। वह भी अपने माता-पिता की तरह गायक बनना चाहते थे। महज तीन वर्ष की उम्र से उन्होंने अपने पिता के साथ स्टेज कार्यक्रमों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। गायकी को अपना करियर बनाने का सपना लेकर सोनू निगम 19 वर्ष की उम्र में अपने पिता के साथ मुंबई आ गए। मायानगरी में उन्हें शुरुआती दौर में काफी संघर्ष करना पड़ा। जीवन यापन के लिए वह स्टेज कार्यक्रमों में मोहम्मद रफी के गाए गीत प्रस्तुत किया करते थे। इसी दौरान टी-सीरीज ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उनके गाए गीतों का एलबम रफी की यादें जारी किया। सोनू निगम ने पार्श्वगायक के रूप में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म जनम से की, हालांकि दुर्भाग्यवश यह फिल्म प्रदर्शित नहीं हो सकी। इसके बाद करीब पांच वर्षों तक उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष किया। कई लोगों ने उन्हें अवसर देने का भरोसा दिलाया, लेकिन उन्हें अपेक्षित मौके नहीं मिले। इस दौरान उन्होंने बी और सी ग्रेड फिल्मों के लिए भी पार्श्वगायन किया, लेकिन उन्हें विशेष सफलता नहीं मिली। वर्ष 1995 सोनू निगम के करियर के लिए अहम साबित हुआ, जब उन्हें छोटे पर्दे के लोकप्रिय संगीत कार्यक्रम सारेगामा को होस्ट करने का अवसर मिला। इस कार्यक्रम ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई इसके बाद उन्हें कई बड़ी फिल्मों में गाने के अवसर मिलने लगे। दिल से, सोल्जर, आ अब लौट चलें, सरफरोश, हसीना मान जाएगी और ताल जैसी फिल्मों के गीतों ने उन्हें सफलता के शिखर तक पहुंचाया। वर्ष 1997 में अनु मलिक के संगीत निर्देशन में बनी फिल्म बॉर्डर में सोनू निगम को पार्श्वगायन का अवसर मिला। वर्ष 2002 में फिल्म साथिया के गीत साथिया के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। वर्ष 2003 में फिल्म कल हो ना हो के शीर्षक गीत के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार के साथ राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। सोनू निगम ने हिंदी के अलावा उर्दू, अंग्रेजी, तमिल, बंगला, पंजाबी, मराठी, तेलुगू, भोजपुरी, कन्नड़, उड़िया और नेपाली भाषाओं में भी गीत गाए हैं। उनकी आवाज ने विभिन्न भाषाओं के श्रोताओं के बीच लोकप्रियता हासिल की है। गायकी के अलावा सोनू निगम ने अभिनय के क्षेत्र में भी काम किया है। बाल कलाकार के रूप में उन्होंने प्यारा दुश्मन, कामचोर, उस्तादी उस्ताद से, बेताब, हमसे है जमाना और तकदीर जैसी फिल्मों में काम किया। बतौर अभिनेता उन्होंने जानी दुश्मन- एक अनोखी प्रेम कहानी, लव इन नेपाल और काश आप हमारे होते जैसी फिल्मों में अभिनय किया। सोनू निगम सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वह कैंसर रोगियों, कुष्ठ रोगियों और दृष्टिहीन लोगों के कल्याण के लिए काम करने वाली संस्थाओं से जुड़े रहे हैं। इसके अलावा कारगिल युद्ध और भूकंप पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए भी उन्होंने योगदान दिया है।

पैरेंटहुड को लेकर करिश्मा तन्ना का बड़ा खुलासा

अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने माता-पिता बनने के अपने निजी सफर को लेकर खुलकर बात करते हुए कहा कि एक समय उन्हें और उनके पति वरुण बंगेरा को लगता था कि दुनिया की परिस्थितियां बचे के स्वागत के लिए अनुकूल नहीं हैं।नेहा धूपिया और अंगद बेदी के चैट शो डबल डेट में बातचीत के दौरान करिश्मा ने बताया कि कोविड-19 महामारी, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्षों और बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच वह लंबे समय तक पैरेंटहुड को लेकर असमंजस में रहीं। करिश्मा ने कहा, मैं बचा नहीं चाहती थी क्योंकि मुझे लगता था कि दुनिया एक और बचे के लिए तैयार नहीं है। कोविड था, दुनिया में युद्ध चल रहे थे और चारों तरफ अनिश्चितता का माहौल था। हम सच में इस बात को लेकर उलझन में थे कि क्या हमें अपने बचे को ऐसी दुनिया में लाना चाहिए। उन्होंने बताया कि यह फैसला उनके और वरुण के लिए आसान नहीं था और दोनों ने इस विषय पर काफी विचार-विमर्श किया। हालांकि, तमाम आशंकाओं और सवालों के बावजूद उन्होंने उम्मीद और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया। करिश्मा ने कहा, लेकिन फिर आखिरकार हमने फैसला लिया और आज हम यहां हैं। अब हमारी बस यही कोशिश है कि हम अपने बचे को सबसे अच्छा जीवन दे सकें। करिश्मा की यह भावुक टिप्पणी उन अनेक दंपतियों की चिंताओं को भी दर्शाती है, जो परिवार बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण फैसले से पहले बदलती वैश्विक परिस्थितियों और भविष्य को लेकर गंभीरता से विचार करते हैं।

स्वस्थ माँ और स्वस्थ शिशु हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी

साईंखेड़ा में कलेक्टर ने आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर दिए दिशा-निर्देश

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गुरुवार को साईंखेड़ा में आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण तथा कुपोषण मुक्ति अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ माँ और स्वस्थ शिशु ही एक स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। इस दिशा में आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। कलेक्टर ने कहा कि समाज सेवा का जो अवसर आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिला है, वह केवल एक दायित्व नहीं बल्कि मानव सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला, धात्री माता एवं छोटे बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करना, उन्हें समय पर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा पोषण संबंधी जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसी भी हितग्राही को स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं का सामना न करना पड़े, इसके लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएं।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित कर आवश्यक उपचार सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ बचपन सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने क्षेत्र के प्रत्येक परिवार से सतत संपर्क बनाए रखें। उन्होंने कहा कि जिले को कुपोषण मुक्त बनाने का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब प्रत्येक पात्र बच्चे और गर्भवती एवं धात्री महिला तक पौष्टिक आहार और शासकीय योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे।

इस दिशा में घर-घर पहुंचकर परिवारों को संतुलित आहार, स्वच्छता, टीकाकरण तथा पोषण के प्रति जागरूक करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की नियमित निगरानी कर उनके स्वास्थ्य में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। कलेक्टर ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल योजनाओं के क्रियान्वयन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन का केंद्र हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास, मातृ स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने कार्यों को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानें, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्व और सेवा भाव के साथ कार्य करें। जरूरतमंद परिवारों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण उपलब्ध कराने का प्रयास करना सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करे, तो जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार होगा।आयोजित बैठक में एसडीएम श्रीमती प्रगति वर्मा, सीएमएचओ डॉ. मनीष मिश्रा, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्री राधेश्याम वर्मा सहित स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग का मैदानी अमला मौजूद था।

लोकायुक्त की टीम ने रिश्वत लेते गाडरवारा तहसील कार्यालय के बाबू को रंगे हाथों पकड़ा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

तहसील कार्यालय मे उस समय हड़कंप मच गया जब भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त की टीम ने बड़ी कार्रवाई की । गुरुवार 30 जुलाई को नरसिंहपुर जिले की गाडरवारा तहसील में लोकायुक्त की टीम ने रिश्वत लेते हुए तहसील कार्यालय के बाबू को रंगे हाथों पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता आशीष कुमार कौरव, निवासी बरहटा की जमीन का नक्शा दुरुस्ती करण का प्रकरण तहसील कार्यालय में लंबित था।

आरोप है कि इस काम को कराने के बदले तहसील कार्यालय में पदस्थ बाबू अजय कुमार ने शिकायत कर्ता से 5 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। परेशान होकर आशीष ने इसकी शिकायत जबलपुर लोकायुक्त से की। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त ने गुरुवार को जाल बिछाया। तय योजना के मुताबिक शिकायतकर्ता ने बाबू अजय कुमार को 3 हजार रुपये की पहली किस्त दी।

जैसे ही बाबू ने रिश्वत की राशि ली, पहले से मौजूद लोकायुक्त की टीम ने उसे धर दबोचा। इस कार्रवाई की लोकायुक्त इंस्पेक्टर बृजमोहन सिंह के नेतृत्व में 6 सदस्यीय टीम द्वारा अंजाम दिया । टीम ने मौके से रिश्वत की राशि भी जब्त कर ली।

शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त को यह भी बताया कि बाबू द्वारा रिश्वत की मांग गाडरवारा तहसीलदार के नाम पर की जा रही थी।

फिलहाल लोकायुक्त ने बाबू अजय कुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। लोकायुक्त टीम इस बात की भी जांच कर रही है कि रिश्वत की इस मांग में और कौन-कौन शामिल हैं। इस कार्रवाई के बाद तहसील परिसर में खलबली मच मच गई थी । आम जनता ने लोकायुक्त की इस कार्रवाई की सराहना कर कहा कि भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों पर

इसी तरीके से कार्रवाई होनी चाहिए जिससे कि भ्रष्टाचार पर लगाम लग सके ।

जिला स्तरीय मलखम्ब प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम, प्रतिभाओं का हुआ चयन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सत्र 2026-27 की जिला स्तरीय शालेय मलखम्ब प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय पीएमश्री बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गाडरवारा में किया गया। इस प्रतियोगिता में अंडर 14, 17 एवं 19 आयु वर्ग के छात्र- छात्राओं ने सहभागिता करते हुए अपने जौहर दिखाए। प्रतियोगिता उपरांत जिला स्तरीय स्पर्धाओ हेतु छात्र- छात्राओं का चयन उनके बेहतर खेल के आधार पर किया गया। उक्त प्रतियोगिता जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री अनुज जैन, संस्था की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती पुष्पा बरहैया, केके राजोरिया, व्यायाम शिक्षक विक्रम शर्मा, अजय सोनी, मधुसूदन पटैल, शकुंतला मांझी, मनीष कोष्टी उपस्थित रहे।

शहर के तीन स्कूलों पर नपा का लाखों रूपया बकाया

बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ शहर के स्कूलों पर नियमों की अनदेखी के गंभीर सवाल

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। वर्तमान में एक गरीब अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा दिलाने के लिये बेबश है, कारण है शिक्षा का प्रायवेटीकरण, जिसके कारण नगर के प्रतिभावान गरीब बच्चे शिक्षा मंहगी होने के कारण शिक्षा से वंचित हैं। वहीं शिक्षा के मंदिरों की बात करें तो सरकारी नियमों को ताक पर रखकर शिक्षा के मंदिर को व्यवसाय बना दिया है। हम बात कर रहे हैं गाडरवारा नगर के बड़े और नामचीन स्कलों की जहां बच्चों को प्रवेश के लिये अभिभावकों को हर महिने से लेकर सालभर फीस के तौर पर मोटी रकम चुकानी पड़ रही है। वहीं मैदानी स्तर की हकीकत देखिये कि इन स्कूलों द्वारा सरकारी नगर पालिका का टैक्स तक नहीं चुकाया जा रहा है।

नगर पालिका से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के टैगोर विद्या निकेतन पर नगर पालिका का 19 लाख 42 हजार 742 रू., दक्ष स्कूल पर 11 लाख 82 हजार 740 रू. और क्रियान इण्टरनेशनल स्कूल पर 8 लाख 33 हजार 370 रू. कुल मिलाकर 39 लाख 58 हजार 852 रुपया बकाया है।

नगर पालिका के जिम्मेदारो से जब जानकारी चाही गई तो उनके द्वारा ढुलमुल जबाब देते हुए बताया गया की इस विषय में उच्चाधिकारियों को पत्र जारी किये गए हैं और स्कूलों को अंतिम नोटिस जारी कर दिया गया है। जल्द ही न्यायालय के माध्यम से कुर्की की कार्यवाही की जाएगी।

आखिर जिम्मेदार कार्यवाही करेंगे या फिर किसी दुर्घटना या घटना की राह देख रहे हैं। यहां तक कि नगर के कुछ निजी स्कूल नियम-कायदों को दरकिनार कर बच्चों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। उपलब्ध दस्तावेजों और प्रारंभिक जानकारी के आधार पर तीन निजी स्कूलों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

बताया जा रहा है कि नगर के टैगोर विद्या निकेतन, दक्ष इंटरनेशनल स्कूल इन स्कूलों के पास अग्नि सुरक्षा (फायर एनओसी) का वैध प्रमाण पत्र तक नहीं है। साथ ही भवन निर्माण की आवश्यक अनुमति को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। इतना ही नहीं, क्रियान इंण्टरनेषन स्कूल सहित इन संस्थानों पर नगर पालिका का लाखो का कर बकाया होने की भी जानकारी सामने आई है।

शिक्षा और सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी स्कूल में फायर एनओसी, वैध भवन अनुमति और स्थानीय निकाय के नियमों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की सुरक्षा की बुनियादी आवश्यकता है। साथ ही बच्चो से शिक्षा के नाम पर ऊंची फीस वसूलने वाली इन संस्थानों पर नगर पालिका का कर बकाया होना भी सवाल खड़े कर रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि दस्तावेज पूरे नहीं हैं, तो संबंधित विभागों द्वारा अब तक क्या कार्रवाई की गई, क्या बच्चों की सुरक्षा से जुड़े नियम केवल कागजों तक सीमित हैं, या उनका पालन भी सुनिश्चित कराया जा रहा है।

अब निगाहें प्रशासन पर हैं। यदि जांच में ये तथ्य सही पाए जाते हैं, तो संबंधित संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होना आवश्यक होगा। वहीं यदि स्कूलों के पास सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध हैं, तो उन्हें भी सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए।

प्राकृतिक खेती के विस्तार पर विशेष फोकस किसानों के अनुभव बनेंगे प्रेरणा का माध्यम

आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिले में प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आत्मा (एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एजेंसी) गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि एवं संबद्ध विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राकृतिक खेती के रकबे में निरंतर वृद्धि के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए तथा किसानों को व्यवहारिक प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल एक वैकल्पिक कृषि पद्धति नहीं, बल्कि मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने, उत्पादन लागत कम करने, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। इसलिए जिले में अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक विकासखंड स्तर पर प्राकृतिक खेती विषयक कार्यशालाओं, प्रशिक्षण शिविरों और किसान संगोष्ठियों का नियमित आयोजन किया जाए। इन कार्यक्रमों में कृषि वैज्ञानिकों, कृषि विशेषज्ञों एवं सफल प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को आमंत्रित कर उनके अनुभव साझा कराए जाएं, ताकि अन्य किसान भी प्रेरित होकर इस पद्धति को अपनाएं। कलेक्टर ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में प्राकृतिक खेती को प्रमुखता से शामिल किया जाए।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही सशक्त युवा का आधार

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित हुआ उमंग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत) मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित उमंग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरसिंहपुर में एनसीसी विंग एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त समन्वय से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.बी. सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. देवेन्द्र रिपुदमन सिंह ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए तनाव, अवसाद, चिंता एवं व्यवहार संबंधी समस्याओं के लक्षण, कारण एवं उनके समाधान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मानसिक रोग किसी व्यक्ति की कमजोरी नहीं, बल्कि एक सामान्य चिकित्सकीय स्थिति है, जिसका समय पर परामर्श, पारिवारिक सहयोग एवं उचित उपचार के माध्यम से सफलतापूर्वक समाधान संभव है। एनसीसी प्रभारी श्री राजेश ठाकुर ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को छिपाने के बजाय समय रहते विशेषज्ञों से संपर्क करें और खुलकर अपनी बात रखें। आरकेएसके काउंसलर श्रीमती मृदुला सोनी ने राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की छह प्रमुख प्राथमिकताओं-पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, नशा मुक्ति, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोगों की रोकथाम तथा हिंसा एवं चोटों की रोकथाम- पर प्रकाश डालते हुए उमंग क्लिनिक में उपलब्ध निःशुल्क व गोपनीय सेवाओं, जस्ट एएसके एप एवं हेल्पलाइन की जानकारी दी। मनकक्ष के काउंसलर श्री अंकित श्रीवास्तव ने जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में संचालित 'मनकक्ष' के माध्यम से उपलब्ध मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देते हुए बताया कि यहां मानसिक समस्याओं से जूझ रहे व्यक्तियों को विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क परामर्श एवं उपचार की सुविधा प्रदान की जाती है। उन्होंने मनहित ऐप के उपयोग के बारे में भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में आरकेएसके के परियोजना समन्वयक श्री बृजेश त्रिवेदी भी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विशेषज्ञों से संवाद किया तथा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया।

जिले में अब तक 364.6 मिमी अर्थात 14.34 इंच वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। नरसिंहपुर जिले में एक जून से 30 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 364.6 मिमी अर्थात 14.34 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 30 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 31.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 19 मिमी, गाडरवारा में 79 मिमी, गोटेगांव में 5 मिमी, करेली में 24 मिमी और तेंदूखेड़ा में 31 मिमी वर्षा आंकी गई है। तहसीलदार भू- संसाधन एवं प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 391 मिमी, गाडरवारा में 449, गोटेगांव में 236 मिमी, करेली में 324 मिमी और तेंदूखेड़ा में 423 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 907.60 मिमी अर्थात 35.73 इंच वर्षा हुई थी।

काया ने क्रिकेट के मैदान पर रचा नया इतिहास

नमामि वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा आयोजि डब्ल्यूपीएल सीजन-1में काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो की दो टीमों का शानदार डेब्यू

18 से 65 वर्ष तक की महिलाओं ने थामा बल्ला जीता सब का दिल

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

नमामि वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा महिलाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थानीय चाणक्य स्कूल टर्फ केज में 19 से 26 जुलाई तक आयोजित वीमेन प्रीमियर लीग डब्ल्यूपीएल सीजन-1 नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन हुआ। 19 जुलाई को मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती संध्या कोठारी, श्रीमती माया राजपूत, श्रीमती निशा सोनी एवं श्री राजेन्द्र राजपूत के आतिथ्य में शुरू हुए इस 5-ओवर और 7-खिलाड़ियों वाले अनोखे मानसून स्पेशल फॉर्मेट में जिले की 12 टीमों ने हिस्सा लिया। इस टूर्नामेंट की सबसे खास बात नगर की प्रतिष्ठित संस्था काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो का क्रिकेट के क्षेत्र में ऐतिहासिक पर्दापण (डेब्यू) रहा। काया ने प्रतियोगिता में अपनी दो टीमों।काया सीनियर सुपर वीमेन और काया जूनियर सुपर स्टार्स को मैदान में उतारा। जहां काया सीनियर सुपर वीमेन टीम में श्रीमती सुमन शर्मा (कप्तान), श्रीमती भारती रघुवंशी (उप-कप्तान), श्रीमती सिंधु नेमा, श्रीमती शोभना गुप्ता, श्रीमती मालती विश्वकर्मा, श्रीमती अनुराधा कोठारी शामिल थी। वहीं काया जूनियर सुपर स्टार्स टीम में सुश्री इंदु सिंह (कप्तान), श्रीमती रानू श्रीवास्तव (उप-कप्तान), श्रीमती सीमा नामदेव, श्रीमती गुंजेश्वरी लखेरा, श्रीमती मीना शर्मा, सुश्री देवांशी लखेरा, सुश्री आस्था लखेरा एवं सुश्री अदिति नेमा का सहभागिता रही। इन दोनों टीमों की खास बात यह रही कि एक-दो खिलाड़ियों को छोड़कर बाकी सभी महिलाओं ने जीवन में पहली बार हाथ में बल्ला थामा था। 18 से लेकर 65 वर्ष तक की आयु की इन वीरांगनाओं ने मैदान पर उतरकर यह साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और जज्बा हो तो कोई भी मैदान फतह किया जा सकता है। काया जूनियर टीम की उप-कप्तान श्रीमती रानू श्रीवास्तव ने अपने ऑलराउंड और शानदार प्रदर्शन के दम पर प्लेयर ऑफ द मैच की ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं, 65 वर्ष की उम्र में जहाँ सामान्यतः लोग आराम को तरजीह देते हैं, उस उम्र में पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरकर काया सीनियर टीम की कप्तानी करने और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए श्रीमती सुमन शर्मा को विशेष स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।।दोनों ही टीमों ने दो-दो लीग मैच खेले और विरोधी टीमों को बराबरी की टक्कर दी। नए होने के बावजूद

65 वर्ष की उम्र में कप्तान बनीं सुमन शर्मा को मिला विशेष सम्मान, रानू श्रीवास्तव बनीं प्लेयर ऑफ द मैच

काया की खिलाड़ियों ने एक-दो गेंदों में आउट होने के बजाय क्रीज पर टिककर सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया और प्रतिद्वंद्वी टीमों के सामने एक मजबूत लक्ष्य रखा। काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो की इस अनूठी पहल और खिलाड़ियों के जीवट खेल प्रदर्शन की पूरे नगर और आयोजन समिति द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है।

ई-केवायसी के लिए गोटेगांव में आज लगेंगे शिविर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिले में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एवं विभिन्न योजनाओं के लंबित पंजीयन कार्यों को पूर्ण करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में 31 जुलाई को जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत में शिविर लगाए जाएंगे। ग्राम पंचायत सिरकोना, सूरवारी, ठेमी, टिकरी व उमरिया में शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के जीआरएस के माध्यम से ग्रामीणजनों की ई-केवायसी एवं समग्र ई-केवायसी, स्थायी रूप से पलायन कर चुके व्यक्तियों के नाम विलोपित करने की कार्रवाई होगी।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 232 अ-20(1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 19/08/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
8	कंदेली	13/30	628 वर्गफुट	विष्णुप्रसाद आ. ओंकारप्रसाद नेमा सा. कंदेली	विष्णुप्रसाद आ. ओंकारप्रसाद नेमा सा. कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 29/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 229 अ-20(1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 19/08/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
16	कंदेली	50/3 51/3 59/2	558.30 वर्गफुट 2739 वर्गफुट	नरेन्द्र कुमार तेलंग आ. स्व. बालाजीराव तेलंग सा. कंदेली	नरेन्द्र कुमार तेलंग आ. स्व. बालाजीराव तेलंग सा. कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 29/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

महिला यात्री की ट्रेन छूटने पर रीठी क्षेत्र के जंगल में सामूहिक बलात्कार

मुख्य आरोपी को रीठी पुलिस ने किया गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)।

14 जून को प्रार्थिया द्वारा थाना सफदरगंज साउथ दिल्ली थाने पर अप.क्र. 0/26 धारा 70 वीएनएस के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई कि 14 जून को यह अपने बच्चो के साथ निजामुद्दीन से छत्तीसगढ जाने के लिये हीराकुंड एक्सप्रेस से बैठी थी। महिला मानसिक रुप से बीमार होने से दिल्ली में लंबे समय से ईलाजरत थी। रात्रि 9:45 बजे मुडवारा कटनी स्टेशन में ट्रेन रुकने पर महिला पानी लेने उतरी तभी ट्रेन छूट गई। स्टेशन के बाहर एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा मंदिर दर्शन कराने की बात कर महिला को बहला फुसलाकर ई-रिक्शा में बैठाकर रीठी रोड पर पौसरा स्टेशन से कुछ दूर जंगल में ले जाकर आटो चालक एवं अज्ञात व्यक्ति द्वारा बारी बारी से दुष्कर्म किया गया। 15 जून को प्रात: डायल 112 में सूचना प्राप्त होने पर रीठी पुलिस मौके पर पहुँची तो घटना स्थल के पास रोड के किनारे प्रार्थिया बैठी मिली जो पूछताछ करने पर कुछ भी नही बोल रही थी। पुलिस ने महिला को

शासकीय अस्पताल रीठी में ईलाज हेतु भर्ती कराया, अस्पताल ने भी महिला द्वारा घटना के संबंध में कोई जानकारी न देते हुये असामान्य व्यवहार करती रही। महिला के भाई का मोबाइल नंबर प्राप्त होने पर उसे सूचित कर बुलाया गया। भाई के आने पर उसे भी महिला कुछ जानकारी नही दे पाई। भाई अपने साथ बहन को दिल्ली लेकर चला गया। दिल्ली में पुन: ईलाज कराने पर मानसिक स्थिति सामान्य होने से अपने साथ घटित घटना को भाई प्रकाश को बताया तब सफदरगंज पुलिस थाना द्वारा प्रार्थिया की रिपोर्ट पर अप.क्र. 0/26 का कायम कर जिला कटनी डायरी प्रेषित की गई। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने केस डायरी देखी और घटना की संवेदनशीलता देखते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, उप. पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा, थाना प्रभारी रीठी मोहम्मद शाहिद को विवेचना निर्देश देकर टीम घटित की। थाना रीठी में 15 जुलाई को असल नंबर अप.क्र. 346/26 कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण एक माह पुराना होने, आरोपी अज्ञात होने से ऑटो तथा आरोपी की तलाश करना काफी चुनौतीपूर्ण था। रीठी पुलिस द्वारा सतत प्रयास कर जिले के करीब 800-900 आटो चालको की स्क्रेनिंग की गई। महिला द्वारा बताये गये ऑटो की सत्त जांच पर थाना रीठी क्षेत्र के आटो चालक दिनेश चौधरी निवासी जमुनिया पर संदेह हुआ तब रीठी पुलिस द्वारा आटो चालक दिनेश चौधरी पर नजर रखी गई तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच की गई जिसमें आरोपी दिनेश चौधरी की संलिप्तता उक्त अपराध में पाई गई। आरोपी दिनेश चौधरी से तकनीकी पूछताछ पर आरोपी ने घटना घटित करना स्वीकार किया, पुलिस द्वारा ऑटो एमपी21जैडजे6903 जप्त कर कार्यवाही उपरांत आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा माननीय न्यायालय से पुलिस रिमांड प्राप्त कर अन्य आरोपी की तलाश एवं विवेचना की जावेगी। अभिनय विश्वकर्मा पुलिस अधीक्षक कटनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ कमल मौर्य एवं उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के सूक्ष्म पर्यवेक्षण एवं समीक्षा से इस चुनौतीपूर्ण प्रकरण में सफलता प्राप्त हुई।

फोटो : विकास गुप्ता

गुरु कृपा के रंग में रंगा सत्यानंद योग केंद्र

कटनी (स्वतंत्रमत)। गुरु पूर्णिमा महोत्सव 2026 सत्यानंद योग केंद्र वेदांश वाटिका कटनी में गुरु पूर्णिमा का आयोजन बुधवार 29 जुलाई 2026 को प्रात: 7 बजे से 8:15 बजे तक किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में परमहंस स्वामी निरंजनानंद की चरण पादुका का पूजन अर्चन किया जाएगा तत्पश्चात भजन कीर्तन एवं सुंदरकांड का पाठ एवं डिजिटल प्रसाद का आयोजन हुआ।

आगामी पर्वों की तैयारियों में जुटा निगम विद्युत व्यवस्थाओं की महापौर ने की समीक्षा

कटनी (स्वतंत्रमत)। वर्तमान वर्षा ऋतु एवं आगामी सावन, रक्षाबंधन सहित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक पर्वों के दौरान श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को सुरक्षित, सुगम एवं निर्बाध आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम की विद्युत शाखा के कार्यों की समीक्षा बैठक बुधवार को महापौर प्रीति संजीव सूरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में शहर की विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था को लेकर विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर

समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। महापौर ने अधिकारियों से कहा कि आगामी पर्वों के दौरान शहर के प्रमुख मंदिरों, धार्मिक स्थलों, मुख्य मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक विद्युत सामग्री एवं संसाधनों की उपलब्धता पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। समीक्षा के दौरान बंद पड़े विद्युत प्वाइंटों को शीघ्र चालू कराने, आवश्यक स्थानों पर विद्युत पोलों में तार खिंचवाने, मंदिरों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट लगाने तथा विद्युत व्यवस्था से संबंधित लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

रिवर फ्रंट और सुरम्य पार्क को मिलेगा नया स्वरूप

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने गुणवत्ता, हरित विकास और नागरिक सुविधाओं पर दिया जोर

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के प्रमुख पर्यटन एवं सार्वजनिक स्थलों को अधिक आकर्षक, सुरक्षित और नागरिकों के लिए उपयोगी बनाने की दिशा में नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। निगमायुक्घाट रिवर फ्रंट, सुरम्य पार्क और जगन्नाथ चौक के प्रस्तावित सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को आवश्यक निर्देश दिए। निगमायुक्त ने अमृत योजना के तहत विकसित हो रहे रिवर फ्रंट के पाथवे, पिचिंग, रेलिंग और गार्डन कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने, पिचिंग कार्य में सुधार लाने तथा समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही रिवर फ्रंट पर योग, ओपन जिम, बैठने की बेहतर व्यवस्था, पौधारोपण और आकर्षक प्रकाश व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर दिया। सुरम्य पार्क के

निरीक्षण के दौरान पार्क को अधिक आकर्षक बनाने के लिए रंगीन बेंच लगाने, झील की सफाई, फिश पॉन्ड विकसित करने, टूटे पेवर ब्लॉकों की मरम्मत तथा बेहतर लाइटिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा जगन्नाथ चौक स्थित कटनी नदी पुल के समीप विधायक निधि से प्रस्तावित सौंदर्यीकरण कार्य का भी अवलोकन किया गया। निगमायुक्त ने कहा कि शहर के सार्वजनिक स्थलों का विकास केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित न रहकर नागरिकों की सुविधा, स्वास्थ्य और पर्यटन को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान सहायक यंत्री सुनील सिंह, आदेश जैन, उपयंत्री संजय मिश्रा, मोना करेरा सहित निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि एवं निगम अधिकारी उपस्थित रहे।

निगम का अभियान जर्जर भवन ढहाए

कटनी (स्वतंत्रमत)। लगातार हो रही बारिश के बीच जर्जर भवनों से संभावित हादसों को रोकने के लिए नगर निगम ने अभियान तेज कर दिया है। शहर में ऐसे भवनों की पहचान कर उन्हें चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित ढंग से हटाया जा रहा है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से जन-धन की हानि न हो। इसी अभियान के तहत रघुनाथगंज वार्ड स्थित सुरेश माखीजा के अत्यंत जर्जर एवं खतरनाक भवन को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए डिस्मेंटल किया गया। भवन को सुरक्षित तरीके से हटाया गया। मौके पर उपयंत्री रवि हनोते, अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह सहित निगम का अमला मौजूद रहा। नगर निगम आयुक्त ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अवकाश लेकर आंदोलन में शामिल हुआ शिक्षक

कलेक्टर के निर्देश पर निलम्बित होने के बाद बौखलाए शिक्षक ने मचाया हंगामा, महिला शिक्षक से मारपीट, पुलिस से अभद्रता

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलहरी में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक शिक्षक द्वारा महिला शिक्षिका के साथ अभ्यता एवं मारपीट की गई। बताया जाता है कि दिल्ली में कुछ दिन पहले हुए कटनी में हुए कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन

में स्कूल से अवकाश लेकर शिक्षक शामिल हुआ था। जहां उसने सरकार के खिलाफ वक्तव्य दिया था, जिसका वीडियो सामने आने के बाद कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी एस एन पांडे द्वारा शिक्षक वरुण नायक को निलंबित किया गया था। बताया जाता है कि कल गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्राचार्य देवेंद्र तिवारी द्वारा सहानुभूति दिखाते हुए उसे निलंबन का आदेश दिया गया, जिसके बाद वह बौखला गया और स्कूल परिसर में ही महिला शिक्षिका रेखा तिवारी के साथ गाली गलौज एवं अभद्रता करते हुए उनके साथ मारपीट की। इस घटना से स्कूल परिसर में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई। घटना के बाद प्राचार्य देवेंद्र तिवारी द्वारा तत्काल बिलहरी पुलिस में इस घटना की सूचना दी गई। बताया जाता है कि जब पुलिस स्कूल पहुंची तो शिक्षक वरुण नायक द्वारा पुलिस के साथ भी अभद्रता की गई।

मामला शांत होने के बाद पुलिस ने शिक्षक वरुण नायक को हिरासत में लिया एवं संबंधित धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। बिलहरी पुलिस चौकी पर प्रभारी सुयश पांडे ने बताया कि स्कूल में हंगामा मचाने पर शिक्षक को हिरासत में लेकर मेडिकल जांच कराई जा रही है।

फोटो : विकास गुप्ता

ऑपरेशन मुस्कान के तहत कोतवाली पुलिस को मिली दोहरी सफलता

एक बालिका गुवाहाटी से, तो दूसरी दिल्ली से दस्तयाब

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में जिले में नाबालिक बालक/बालिकाओं की पता तलाश हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा नाबालिग बालक-बालिकाओं की त्वरित तलाश एवं सुरक्षित दस्तयाबी के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस ने 28 जुलाई को दो अलग-अलग मामलों में नाबालिग बालिकाओं को अलग-अलग राज्यों से दस्तयाब करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। पहला मामला- शहर के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाली 15 वर्षीय नाबालिक बालिका जो 22 जुलाई को अपने घर से स्कूल जाने का बोलकर निकली थी, जो न तो स्कूल पहुंची और न ही अपने घर वापस पहुंची। जिसके संबंध में परिजनों ने थाना कोतवाली में आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। जिस पर अप.क्र. 797/2026 धारा 137(2) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेकर तत्काल कार्रवाई करते हुए स्कूल के आसपास के कैमरे चेक किए गए, जो बालिका मेन रेलवे स्टेशन की ओर जाते दिखी।

इसी आधार पर विवेचना को आगे बढ़ाते हुए पता तलाश करने पर अपहृता के गुवाहाटी में पहुंचने की जानकारी मिली, जो स्थानीय पुलिस की मदद से अपहृता को सुरक्षित दस्तयाब किया जाकर परिजनों के साथ गुवाहाटी से कटनी लाकर सकुशल सुपुर्द किया गया। दूसरा मामला- माह जनवरी-2026 का है जिसमें रबर फैक्ट्री रोड निवासी फरियादी द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई की इसकी 17 वर्षीय नाबालिक लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर अपने साथ भागकर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली कटनी में अप.क्र. 79/2026 धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। नाबालिक बालिका के संबंध में परिवार के सदस्यों से विस्तृत पूछताछ की गई एवं जान पहचान रिश्तेदारी में पता तलाश की गई। इसके साथ ही बालिका की सहपाठियों, दोस्त, सोशल मीडिया अकाउंट आदि की जानकारी भी एकत्र की गई।

इसी आधार पर अलग अलग राज्यों के अलग अलग शहरों में दविश दी गई परंतु लंबे समय तक सफलता प्राप्त नहीं हुई। लगातार किए गए प्रयासों के बाद बालिका के दिल्ली में होने की जानकारी मिली। जो बिना देर किए टीम को दिल्ली भेजकर अपहृता को एक संदिग्ध युवक के कब्जे से बरामद किया गया है। नाबालिक बालिका को कटनी लाकर उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। नाबालिक बालिका के माननीय न्यायालय के समक्ष कथन लेखबद्ध कराए गए है जिसके आधार पर मामले में सुसंगत धाराओं का इजाफा किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बालिकाओं की काउंसलिंग के बाद परिजनों को सौंपा गया। थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय द्वारा बताया गया कि दोनों नाबालिग बालिकाओं को दस्तयाब कर उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया है। एक मामले में नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर अपहरण कर ले जाने की बात सामने आई है जिसके आरोपी की पहचान करते हुए उसे भी अविलंब गिरफ्तार कर गया है।

भेजे जाएंगे अतिशेष शिक्षक दिए निर्देश

मण्डला। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में आयोजित बैगा विकास प्राधिकरण की बैठक में जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता तथा विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के सभी अतिशेष शिक्षकों को प्राथमिकता के आधार पर शिक्षकविहीन एवं एक शिक्षक वाली शालाओं में पदस्थ किया जाए ताकि विद्यार्थियों को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा बच्चों के भविष्य की आधारशिला है इसलिए किसी भी विद्यालय में शिक्षकों की कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने ऐसे विद्यालयों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए जहां वर्तमान में केवल एक अतिथि शिक्षक कार्यरत है तथा जहां शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। इन विद्यालयों में नियमित शिक्षकों की पदस्थापना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

पानी निकासी और जमीनी विवाद पर प्रौढ़ की हत्या

ढीमरखेड़ा के खम्हरिया हार में वारदात, पत्नी-बेटी घायल, दामाद लापता

कटनी (स्वतंत्रमत)। ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खम्हरिया हार में पानी निकासी और जमीन के विवाद को लेकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। इस वारदात में उसकी पत्नी और बेटी भी गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि घटना के बाद से मृतक का दामाद लापता बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद ढीमरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और हत्या का मामला दर्ज कर जांच कर रही है। बताया जाता है कि पानी निकासी और जमीन को लेकर विगत दिवस दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान आधा दर्जन लोग गाली-गलौज करते हुए लाठी डंडे और फावड़े लेकर पहुंचे और परिवार पर हमला कर दिया, जिसमे 50 वर्षीय प्रहलाद कोल निवासी उचेहरा की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिलाओं को उपचार के लिए उमरियापान अस्पताल भेजा। लगातार बारिश और दुर्गम क्षेत्र होने के कारण

पुलिस को प्रहलाद कोल और सुनील कोल का तत्काल पता नहीं चल सका। अगले दिन शाम को झोपड़ी के पास प्रहलाद कोल का शव मिला। मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान और आसपास खून के धब्बे मिले, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई। घटना के बाद से सुनील कोल का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार सर्च अभियान चला रही है। पुलिस ने बताया कि उमरियापान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। अस्पताल में मृतक की पत्नी सुखवारा कोल 45 वर्ष और बेटी रजनी कोल 25 वर्ष का इलाज चल रहा है।

बिना लाइसेंस खतरनाक कीटनाशक और पेस्ट कंट्रोल केमिकल की बिक्री

पेस्ट कंट्रोल एसोसिएशन ने उठाए सवाल, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर के बीज वितरण का लाईसेंस लेकर कतिपय दुकानों से पेस्ट कंट्रोल और अन्य रोगों एवं बीमारियों से संबंधित दवाईयों के विक्रय का मामला सामने आया है। शिकायतों में कहा गया है कि इन दवाईयों के विक्रय के लिए न तो शासन से अनुमति ली गई है और न ही लाईसेंस। शहर में धड़ल्ले से इन दवाईयों का विक्रय करते हुए मुनाफा कमाया जा रहा है। नियमों की बात करें तो शहर में ज्यादातर दुकान संचालकों के पास केवल खाद-वितरण का लाईसेंस है लेकिन इसकी आड़ में पेस्ट कंट्रोल और एवं अन्य दवाईयां बेची जा रही है। पेस्ट कंट्रोल एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट शत्रुघ्न जायसवाल ने आरोप लगाया है कि शहर की कई दुकानों पर बिना वैध लाइसेंस के ऐसे केमिकल बेचे जा रहे हैं, जिनका उपयोग केवल अधिकृत पेस्ट कंट्रोल एजेंसियों द्वारा किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से तत्काल जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि शहर के अस्पतालों, होटलों, वेयरहाउस और कृषि क्षेत्रों में उपयोग होने वाले कई खतरनाक केमिकल बिना लाइसेंस दुकानों से खुलेआम बेचे जा रहे हैं। उनका कहना है कि सल्फास, डेल्टा और मैराथन जैसे

रसायनों का उपयोग निर्धारित नियमों के तहत ही होना चाहिए लेकिन कुछ दुकानदार बिना पेस्ट कंट्रोल लाइसेंस के इनकी बिक्री कर रहे हैं, जो लोगों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में प्रशासन की ओर से अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। पेस्ट कंट्रोल एसोसिएशन जल्द ही खाद्य एवं कृषि विभाग के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाएगा और संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर ऐसे प्रतिष्ठानों की जांच कराने की मांग करेगा। एसोसिएशन का कहना है कि जिन दुकानों पर बिना अनुमति प्रतिबंधित या नियंत्रित केमिकल की बिक्री पाई जाएगी, उनके खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई कराई जाएगी।

क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर दिया धरना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ग्राम पंचायत पोड़ी लिंगा एवं आसपास के ग्रामीणों द्वारा क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर मंगलवार को मंडला डिंडोरी मार्ग बकौरी चौराहा ग्राम पंचायत पोड़ी में चक्काजाम किया गया। जानकारी के अनुसार क्षेत्रिय समस्याओं के निराकरण पर अनेक बार जिला प्रशासन को अवगत कराया गया किंतु ग्रामीणों की समस्याओं का शासन प्रशासन द्वारा लगातार नजर अंदाज किया जा रहा है जिससे क्षेत्रिय जनमानस में भारी रोष व्याप्त है स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बालक माध्यमिक विद्यालय पोड़ी के भवन निर्माण, विद्युत आपूर्ति हेतु नर्मदा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़ी लिंगा में बाउंड्री वॉल निर्माण एवं छात्राओं के लिए शौचालय मूत्रालय निर्माण हेतु ओर ग्राम पौड़ी माल पोड़ी रैयत में नलकूप के सुधार कार्य एवं विभिन्न मांगो को लेकर प्रशासन को अवगत कराया गया परन्तु आज दिनांक तक प्रशासन मौन धारण किए हुए है स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है ।

सड़कें बनीं मौत का जाल, हर दिन हो रहे हादसे

चकाचौंध हेड लाइट और बेलगाम रफ्तार ले रही मूक पशुओं की जान

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी-दमोह मार्ग सहित देश के अनेक प्रमुख एवं ग्रामीण संपर्क मार्ग इन दिनों दुर्घटनाओं के हॉटस्पॉट बनते जा रहे हैं। लगभग हर दिन किसी न किसी सड़क हादसे की खबर सामने आ रही है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि इन हादसों के पीछे बार-बार वही तीन कारण सामने आ रहे हैं। सड़कों पर आवारा मवेशियों का जमावड़ा, वाहनों में लगी अत्यधिक तेज सफेद दूधिया एलईडी हेड लाइटें और तेज रफ्तार से दौड़ते वाहन। रात्रि के समय स्थिति और भी भयावह हो जाती है। सामने से आने वाले वाहनों की आंखों में चुभने वाली सफेद हेड लाइटें चालक की आंखों को कुछ क्षणों के लिए पूरी तरह प्रभावित कर देती हैं। ऐसे में सड़क पर बैठे मवेशी, पैदल राहगीर, साइकिल

सवार या अन्य वाहन समय रहते दिखाई नहीं देते और देखते ही देखते एक दर्दनाक हादसा हो जाता है।

कटनी से निकलने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्य मार्गों पर रात भर बैठे आवारा पशु दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन चुके हैं। कई परिवार अपने प्रियजनों को खो चुके हैं। अनेक लोग स्थायी रूप से दिव्यांग हो गए हैं। फिर भी समस्या का स्थायी समाधान आज तक नहीं हो सका है। यह केवल यातायात की समस्या नहीं, बल्कि जन जीवन और मानव सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है।

विशेषज्ञों का भी मानना है कि अत्यधिक तीखी तेज सफेद एलईडी हेड लाइटें सामने से आने वाले वाहन चालकों की आंखों में चकाचौंध पैदा करती हैं, जिससे कुछ सेकंड के लिए दृश्यता कम हो जाती है। यही कुछ सेकेंड कई बार जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाते हैं। ऐसे में मानकों से अधिक तेज रोशनी वाली हेड लाइटों पर नियंत्रण और प्रभावी कार्यवाही समय की मांग है।

सड़कों से हटाने चले अभियान

जनहित में अब आवश्यक है कि प्रशासन और सरकार संयुक्त रूप से त्वरित एवं ठोस कदम उठाएं। सड़कों से आवारा मवेशियों को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। मानकों के विरुद्ध लगी तेज़ सफेद हेड लाइटों पर प्रतिबंध एवं नियमित जांच की जाए, रात्रि कालीन यातायात निगरानी बढ़ाई जाए तथा अधिक तेज रफ्तार वाहनों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। हर दुर्घटना केवल एक आंकड़ा नहीं होती, बल्कि किसी परिवार का उजड़ता हुआ संसार होती है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो सड़कों पर बहता खून और बिखरते परिवार व्यवस्था की संवेदनहीनता पर सबसे बड़ा सवाल बनेगा। अब जरूरत केवल आश्वासनों की नहीं, बल्कि जीवन बचाने वाले ठोस और त्वरित निर्णयों की है।

फोटो : विकास गुप्ता

राष्ट्रमंडल खेलों की भाला फेंक स्पर्धा

नीरज की अगुवाई में भारत के तीन एथलीट फाइनल में पहुंचे

ग्लासगो (वार्ता)।

नीरज चोपड़ा की अगुवाई में भारत के तीन एथलीटों ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल खेल 2026 की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल जगह बना ली है। श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिराज क्वालिफिकेशन राउंड में शीर्ष पर रहे। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा, रोहित यादव और यश वीर सिंह के शुक्रवार को होने वाले 12 खिलाड़ियों के फाइनल में पहुंचने के साथ, भारत तीन एथलीटों को क्वालिफाई कराने वाला एकमात्र देश बन गया। इससे गेम्स के प्रमुख एथलेटिक्स स्पर्धा में से एक में कई पदक जीतने की भारत की उम्मीदें बढ़ गई हैं। पाथिराज 82.84 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ क्वालिफिकेशन में चौंकाने वाले एथलीट बनकर उभरे। उन्होंने ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स (81.29 मीटर), दक्षिण अफ्रीका के डौव स्मिट (80.64 मीटर) और इंग्लैंड के बेन ईस्ट (80.38 मीटर) को पीछे छोड़ा। तेज हवाओं के कारण थ्रो की दूरी सीमित रही और कोई भी एथलीट 84 मीटर के ऑटोमैटिक क्वालिफाइंग मार्क तक नहीं पहुंच सका। 2018 में स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने पहले राष्ट्रमंडल खेल में हिस्सा ले रहे नीरज ने फाइनल में पहुंचने के लिए जरूरी प्रदर्शन किया। 76.28 मीटर के शुरुआती थ्रो के बाद, भारतीय खिलाड़ी ने अपनी दूसरी कोशिश में 79.61 मीटर का थ्रो किया और कुल मिलाकर पांचवें स्थान पर रहे। उन्होंने अपनी पूरी क्षमता दिखाए बिना ही फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। रोहित यादव ने धीरे-धीरे अपनी लय हासिल की और 78.37 मीटर का थ्रो करके नौवां स्थान हासिल किया, जबकि यश वीर सिंह ने 73.89 मीटर के साधारण शुरुआती थ्रो से वापसी करते हुए 78.36 मीटर का थ्रो किया। यह प्रदर्शन उन्हें 10वें स्थान और पदक राउंड में जगह दिलाने के लिए काफी था। पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम का प्रदर्शन भी औसत रहा।

उनका 78.63 मीटर का शुरुआती थ्रो ही उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा, क्योंकि बाद की कोशिशों में वे इसमें सुधार नहीं कर सके और सातवें स्थान पर क्वालिफाई किया। ऑस्ट्रेलिया के कैमरन मैकिन्टायर (78.91 मीटर), बहामास के कीशॉन स्ट्रैचन (78.60 मीटर), त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वॉलकॉट (78.26 मीटर) और नाइजीरिया के चिनेचेरेम न्नामदी (75.27 मीटर) ने फाइनलिस्ट की सूची में रहे। पथिराज ने खुद को खिताब के असली दावेदार के तौर पर पेश किया, वहीं भारत तीन फाइनलिस्ट के साथ मेडल की दौड़ में संख्या के लिहाज़ से मज़बूत स्थिति में है। हालांकि सबकी नजरें नीरज और अरशद की प्रतिद्वंद्विता के एक और अध्याय पर होंगी। दोनों ओलंपिक चैंपियन क्वालिफिकेशन में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी नीचे रहने के बावजूद सुरक्षित रूप से आगे बढ़ गए हैं।

ट्रिपल जंपः प्रवीण और सेल्वा फाइनल में

भारतीय एथलीट सेल्वा प्रभु और प्रवीण चित्रवेल ने गुरुवार को राष्ट्रमंडल खेल 2026 की ट्रिपल जंप स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। आज यहां हुए मुकाबले में प्रवीण ने 16.41 मीटर और सेल्वा ने 16.26 मीटर की छलांग लगाई। दोनों भारतीय एथलीटों ने पुरुषों की ट्रिपल जंप फाइनल के लिए दूसरे और तीसरे स्थान के साथ क्वालिफाई किया।

मुरली श्रीशंकर ने लॉन्ग जम्प में जीता रजत पदक

ग्लासगो में बुधवार को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मुरली श्रीशंकर ने पुरुष लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल जीता। यह लगातार दूसरे राष्ट्रमंडल खेलों में उनका दूसरा पदक था। 27 साल के मुरली श्रीशंकर ने 8.09 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ कोशिश की। मुरली ने बर्मिंघम 2022 में भी रजत पदक जीता था। वह जमैका के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ताजे गेल से पीछे रहे, जिन्होंने स्कॉटस्टाउन स्टेडियम ट्रैक पर 8.15 मीटर की दूरी तय की थी। स्कॉटलैंड के स्टीफन मैकेंज़ी ने 8.08 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। आधे मुकाबले तक श्रीशंकर आगे चल रहे थे, लेकिन चौथे राउंड में गेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजयी छलांग लगाई। भारतीय एथलीट श्रीशंकर के छह प्रयासों में 8.03 मीटर, 8.09 मीटर, दो फाउल, 7.94 मीटर और 7.97 मीटर शामिल रहे। इस स्पर्धा में भाग लेने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी लोकेश सत्यनाथन ने कॉमनवेल्थ गेम्स में अपने पहले ही मैच में 7.97 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पांचवां स्थान प्राप्त किया।

केसरिया रंग में बदला पुरुष हॉकी टीम की जर्सी का रंग

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम की जर्सी का रंग बदल गया है और इसे नीले रंग से बदलकर केसरिया कर दिया गया है। हॉकी इंडिया ने इस बदलाव पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा, हम आपको बताना चाहते हैं कि यूनिफॉर्म का रंग बदलने का फ़ैसला सपोर्ट स्टाफ़ और खिलाड़ियों की सलाह और उनसे विस्तार से बातचीत के बाद लिया गया था। मुख्य वजह तकनीकी थी। देखा गया कि नीली प्लेइंग यूनिफॉर्म, नीली सिंथेटिक प्लेइंग सतह (जो अब इंटरनेशनल हॉकी पिच का स्टैंडर्ड रंग है) के साथ घुल-मिल जाती थी। इस एक जैसे दिखने की वजह से खिलाड़ियों को मैदान पर साफ़-साफ़ देखने में दिक्कत होती थी। हॉकी इंडिया ने कहा, इसे देखते हुए, कोच और खिलाड़ियों ने पीले या केसरिया जैसे दूसरे रंगों का सुझाव दिया। अच्छी तरह सोचने-विचारने के बाद, केसरिया रंग को फ़ाइनल किया गया। तकनीकी ज़रूरत पूरी करने के अलावा, केसरिया रंग का गहरा महत्व भी है क्योंकि यह हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रंगों में से एक है, जो साहस, त्याग और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। यह भी ध्यान दिया जा सकता है कि भारतीय हॉकी में जर्सी का रंग बदलना कोई नई बात नहीं है। समय-समय पर, ज़रूरत के हिसाब से राष्ट्रीय टीम की प्लेइंग किट का रंग बदला जाता रहा है। उदाहरण के लिए, 2014 हॉकी वर्ल्ड कप के दौरान टीम की जर्सी का रंग पीला कर दिया गया था और 2018 हॉकी वर्ल्ड कप के दौरान रंग बदलकर आसमानी नीला कर दिया गया था, जिसका डिज़ाइन भी बिल्कुल अलग था। केसरिया रंग में यह बदलाव कोच और खिलाड़ियों से मिले तकनीकी फ़ीडबैक और राष्ट्रीय ध्वज का हिस्सा होने के कारण इस रंग के प्रतीकात्मक महत्व, दोनों को ध्यान में रखकर किया गया है।

जिम्बाब्वे के स्टार सिकंदर रजा दाम्बुला सिक्सर्स से जुड़े

कैंडी (वार्ता)। लंका प्रीमियर लीग ने पुष्टि की है कि जिम्बाब्वे के कप्तान और ऑलराउंडर सिकंदर रज़ा, दाम्बुला सिक्सर्स में दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज मार्केस एकरमैन की जगह शामिल हो गए हैं। एकरमैन चोट के कारण टूर्नामेंट के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। दाम्बुला सिक्सर्स ने जिम्बाब्वे के कप्तान को अपनी टीम में शामिल करके अपनी ताकत बढ़ाई है; वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट में सबसे ज़्यादा पसंद किए जाने वाले ऑलराउंडरों में से एक हैं। उनका टी 20 रिकॉर्ड शानदार रहा है; उन्होंने 374 टी 20 मैचों (जिनमें 139 टी 20 इंटरनेशनल शामिल हैं) में लगभग 137 के स्ट्राइक रेट से 7572 रन बनाए हैं और अपनी ऑफ़-स्पिन से 255 विकेट भी लिए हैं। लंका प्रीमियर लीग के टूर्नामेंट डायरेक्टर ने कहा, हालांकि बड़े अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों वाले टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का बदलना एक आम बात है।

डॉ. मांडविया ने आईएसएसएफ ईशा और नीरू को किया सम्मानित

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता ईशा सिंह और नायब सूबेदार नीरू ढांडा को उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए गुरुवार को सम्मानित किया। नीरू ढांडा ने लोनाटो, इटली में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में इतिहास रचा और आईएसएसएफ विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला ट्रैप निशानेबाज बनीं। वहीं, ईशा ने हांग्जो, चीन में आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी में अपनी शानदार कामयाबी का सिलसिला जारी रखा। यह इस साल इस प्रतियोगिता में उनका दूसरा विश्व कप स्वर्ण पदक था। आज यहां डॉ. मांडविया ने दोनों खिलाड़ियों को निशानेबाजी के क्षेत्र में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा, सरकार पूरी कोशिश कर रही है और यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है कि आप हर टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में किसी भी तरह से पीछे न रहें। निशानेबाजी हमारे सबसे अहम खेलों में से एक है और 2028 एलएस ओलंपिक, 2030 राष्ट्रमंडल खेल वगैरह को देखते हुए यह हमारे लिए पदक दिलाने वाला एक प्रमुख खेल है। हम बस यही चाहते हैं कि आप लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में भी पदक जीतें।

उन्नति, तन्वी सहित 4 भारतीय खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में

एस. प्रणय दूसरे राउंड में हुए बाहर

ताइपे (वार्ता)।

उन्नति हुड्डा, तन्वी शर्मा सहित चार भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ताइपे ओपन 2026 बैडमंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वहीं स्टार खिलाड़ी एच एस प्रणय गुरुवार को दूसरे राउंड में हारकर बाहर हो गए। आज यहां ताइपे एरिना में हुए मुकाबले में सातवीं वरीयता प्राप्त एचएस प्रणय को हांगकांग के जेसन गुनावन ने 39 मिनट तक चले मैच में 21-9, 21-19 से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया के 38वें नंबर के भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी शुरुआती गेम में पिछड़ गए और

उन्होंने दूसरे गेम में वापसी का प्रयास किया लेकिन वे अपने से एक स्थान बेहतर रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ निर्णायक गेम तक नहीं पहुंच सके। वह साल किसी भी प्रतियोगिता के दूसरे राउंड से आगे नहीं बढ़ पाए है। तीसरी वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा ने तान्या हेमंत के खिलाफ हुए ऑल-इंडियन मुकाबले में जीत हासिल की। उन्होंने कड़े शुरुआती गेम में बढ़त बनाई और फिर 21-19, 21-12 से जीत दर्ज की।

वहीं तन्वी शर्मा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इंडोनेशिया की थलिता विर्यावान को 21-17, 22-20 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। आठवीं वरीयता प्राप्त देविका सिहाग ने इंडोनेशिया की नी कडेक धिंदा प्रतिवी को 21-16, 21-15 से हराकर महिला एकल के क्वार्टर-फ़ाइनल में पहुंचने वाली तीसरी भारतीय खिलाड़ी बनीं। देविका और उन्नति का सामना अंतिम आठ में एक-दूसरे से होगा। किरण जॉर्ज ने पुरुष एकल में भारतीय चुनौती को बनाए रखा। बैडमिंटन रैंकिंग में 51वें स्थान पर मौजूद भारतीय शटलर ने दिन के एक अन्य ऑल-इंडियन मुकाबले में थारुन मन्नेपल्ली को 21-15, 21-16 से हराया।

टूर्नामेंट से बाहर होने वाले खिलाड़ियों में केवल प्रणय ही शामिल नहीं थे। अनमोल खरब ने घरेलू खिलाड़ी और दूसरी वरीयता प्राप्त लिन ह्सियांग-ती के खिलाफ तीसरे गेम तक मुकाबला ले जाने की उम्मीद जगाई, लेकिन आखिरकार उन्हें 21-10, 22-20 से हार का सामना करना पड़ा।

डॉ. मोहन यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स पदक विजेताओं को दी बधाई

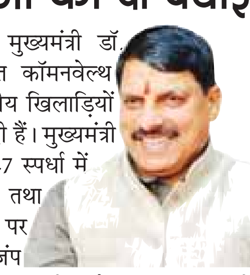

भोपाल (वार्ता)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों को गुरुवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुरुष पैरा 100 मीटर टी-47 स्पर्धा में दिलीप महादु गावित के स्वर्ण पदक तथा मोहम्मद बासिल के रजत पदक जीतने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने पुरुष लॉन्ग जंप स्पर्धा में शंकर के रजत पदक जीतने पर भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि खिलाड़ियों की इस सफलता ने करोड़ों भारतीयों का सिर गर्व से ऊंचा किया है। यह उपलब्धि खिलाड़ियों के समर्पण, अनुशासन और अथक परिश्रम का प्रेरक उदाहरण है।

स्टीफन फ्लेमिंग बने इंग्लैंड के नए टेस्ट कोच

लंदन (वार्ता)। स्टीफन फ्लेमिंग को इंग्लैंड टेस्ट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। साथ ही उन्होंने अपने पहले बड़े फ़ैसले के तौर पर जो रूट को दोबारा टेस्ट टीम का नियमित कप्तान भी बना दिया है। रूट ने 2022 में यह जिम्मेदारी छोड़ दी थी, लेकिन अब वह एक बार फिर पूर्णकालिक टेस्ट कप्तान की भूमिका निभाएंगे। इस महीने की शुरुआत में चेन्नई सुपर किंग्स से अलग होने के बाद फ्लेमिंग ने इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के साथ चार साल का अनुबंध किया है।

मारुति सुज़ुकी के हंसलपुर संयंत्र के चौथे प्लांट में उत्पादन शुरू

नई दिल्ली (वार्ता)। मारुति सुज़ुकी इंडिया ने गुरुवार को गुजरात स्थित अपने हंसलपुर संयंत्र के चौथे प्लांट (प्लांट डी) में व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया। इस प्लांट की वार्षिक क्षमता 2.5 लाख है। इसके साथ ही हंसलपुर संयंत्र की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 10 लाख इकाई हो गयी। सुज़ुकी के इतिहास में पहली बार किसी एक विनिर्माण संयंत्र में कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 10 लाख इकाइयों तक पहुंची है। इसके साथ ही मारुति सुज़ुकी का हंसलपुर संयंत्र एक स्थान पर देश का सबसे बड़ा यात्री वाहन विनिर्माण संयंत्र बन गया है। मारुति सुज़ुकी की देश भर में कुल विनिर्माण क्षमता बढ़कर अब 29 लाख इकाई प्रति वर्ष हो गयी है। हंसलपुर संयंत्र की 10 लाख इकाई के अलावा मानेसर संयंत्र की उत्पादन क्षमता नौ लाख इकाई और गुरुग्राम तथा खरखौदा संयंत्रों की क्षमता पांच-पांच लाख इकाई है। हंसलपुर संयंत्र में कुल निवेश 25,288.7 करोड़ रुपये है। इसमें प्लांट डी के लिए अनुमानित 3,900 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। नया प्लांट शुरू में कंपनी के प्रमुख बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा का उत्पादन करेगा। यह अत्याधुनिक हंसलपुर संयंत्र फ्रोनएक्स, बलेनो, स्विफ्ट और ई विटारा का उत्पादन करता है। यह संयंत्र कंपनी के लिए एक प्रमुख निर्यात केंद्र के रूप में उभरा है। वित्त वर्ष 2025-26 के कुल निर्यात में इस संयंत्र की लगभग 47 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। मारुति सुज़ुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिसाशी ताकेउचि ने कहा, मजबूत बुनियादी ढांचे और एक प्रगतिशील औद्योगिक इकोसिस्टम की मदद से गुजरात मारुति सुज़ुकी के लिए एक विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में उभरा है। हमारे हंसलपुर संयंत्र के चौथे प्लांट में व्यावसायिक उत्पादन की शुरुआत से इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़कर 10 लाख वाहन हो गयी है।

इन्क्रेडिबल इंडिया बाय इंडिगो पहल की शुरुआत

नई दिल्ली (वार्ता)। देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन के तहत वैश्विक पहल इन्क्रेडिबल इंडिया बाय इंडिगो की शुरुआत की है। परिचालन के 20 साल पूरे होने के अवसर पर इंडिगो ने यह पहल शुरू की है। इस मौके पर एयरलाइंस ने एक विशेष फिल्म भी जारी की है, जो देश की भावना, विविध अनुभवों और मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों को दर्शाती है। यह फिल्म दुनिया भर से आने वाले यात्रियों के स्वागत के लिए देश की तैयारियों और उसके आतिथ्य भाव को प्रदर्शित करती है। इंडिगो की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस पहल का उद्देश्य देश की विविधता, समृद्ध विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और अनूठे यात्रा अनुभवों को दुनिया भर के यात्रियों के सामने प्रस्तुत कर देश में अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देना है। इंडिगो के मुख्य डिजिटल एवं सूचना अधिकारी नीतन चोपड़ा ने कहा, इंडिगो में हमारा मानना है कि देश की कहानी केवल उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों तक सीमित नहीं है। इन्क्रेडिबल इंडिया बाय इंडिगो के माध्यम से हमें पर्यटन मंत्रालय के साथ साझेदारी कर ऐसे भारत को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने पर गर्व है, जहां परंपरा और नवाचार, इतिहास और प्रगति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। जैसे-जैसे भारत उद्यमिता, प्रौद्योगिकी और रचनात्मकता का वैश्विक केंद्र बनता जा रहा है, यह पहल यात्रियों को उन विचारों, प्रतिभाओं और अवसरों से परिचित करायेगी जो देश की विकास यात्रा को गति दे रहे हैं।

बाजार में सुधार करने वाले देशों की सूची में भारत 25 कदम ऊपर

नई दिल्ली (वार्ता)।

पिछले कुछ वर्षों में संरचनात्मक एवं प्रतिस्पर्धा-समर्थक सुधारों के दम पर भारत बाजार विकृतियों को दूर करने वाले देशों की रैंकिंग में 25 पायदान की छलांग लगाकर 57वें स्थान पर पहुंच गया है। कॉम्पीटीयर फाउंडेशन द्वारा गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2010 से 2023 के बीच बाजार विकृतियों को कम करने और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में हुई प्रगति के कारण यह संभव हो सका है। भारत के विकास का अगला मोर्चा-प्रतिस्पर्धा को हतोत्साहित करने वाली बाजार विकृतियों को कम करके साल 2010 से 2023 के दौरान सुधार की दिशा में प्रगति को आगे बढ़ाना शीर्षक से जारी इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान भारत ने कई संरचनात्मक एवं प्रतिस्पर्धा-समर्थक सुधार किये। इस रिपोर्ट में बाजार विकृति प्रदर्शन सूचकांक के आधार पर भारत के प्रदर्शन का आकलन किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजार विकृतियों को कम करने और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के लिए किये गये निरंतर प्रयासों के कारण देश की रैंकिंग में सुधार हुआ है। इस रिपोर्ट का विमोचन यहां इंडिया हैबिटेट सेंटर में सेंटर फॉर ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लॉ (सीटीआईएल) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड (आईआईएफटी) ने कॉम्पीटीयर फाउंडेशन फॉर ट्रेड एंड कॉम्पिटिशन पॉलिसी के सहयोग से किया।

चर्चा में देश की संरचनात्मक सुधार यात्रा, प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए अपनायी गयी नीतियों तथा बदलते वैश्विक व्यापारिक परिवेश में सतत विकास बनाये रखने के लिए आवश्यक अगले चरण के सुधारों पर विचार-विमर्श किया गया। रिपोर्ट में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), दिवाला एवं दिवालियापन संहिता (आईबीसी), नियामकीय वातावरण में सुधार तथा व्यापार सुविधा प्रणालियों के आधुनिकीकरण जैसे प्रमुख सुधारों को रेखांकित किया गया है। इसके अलावा, रिपोर्ट में प्रतिस्पर्धा, निवेश वातावरण, डिजिटल बाजारों तथा देश की प्रतिस्पर्धात्मकता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भागीदारी को प्रभावित करने वाली बाहरी नियामकीय बाधाओं से संबंधित विकासक्रम का भी विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रतिस्पर्धा नीति में साक्ष्य-आधारित एवं परिणाम-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना, उपभोक्ता कल्याण के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में निवेश संबंधी प्रतिबंधों की समीक्षा करना तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नियामकीय बाधाओं को दूर करने के लिए समान विचारधारा वाले व्यापारिक साझेदारों के साथ सहयोग बढ़ाना आवश्यक है।

ऑटो, तेल एवं गैस सेक्टरों में लिवाली से सेंसेक्स 274 अंक उछला

मुंबई (वार्ता)।

ऑटो और तेल एवं गैस सेक्टरों में लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांकों में तेजी देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स 273.55 अंक (0.35 प्रतिशत) चढ़कर 77,928.15 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 66.95 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,317.15 अंक पर पहुंच गया। यह दोनों सूचकांकों का 17 जुलाई के बाद का उच्चतम स्तर है। प्रमुख सेक्टरों के विपरीत वृहत बाजार में गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.33 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.56 प्रतिशत फिसल गया।

ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा लिवाली देखी गयी। तेल एवं गैस, आईटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, मीडिया और धातु सेक्टरों में भी तेजी रही। रियल्टी, रसायन, वित्त, बैंकिंग, सीमेंट और एफएमसीजी सेक्टरों पर बिकवाली का दबाव रहा। सेंसेक्स में मारुति सुजुकी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर करीब पौने दो फीसदी चढ़े। रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और पावरग्रिड के शेयर एक से डेढ़ फीसदी तक मजबूत हुए।

टेक महिंद्रा, सन फार्मा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी हरे निशान में रहे। अडानी पोर्ट्स का शेयर सवा तीन फीसदी के नुकसान में रहा। इंडिगो, बजाज फिनसर्व, बीईएल, एक्सिस बैंक, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनीलिवर, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक और आईटीसी के शेयर भी नीचे रहे।

शोध, संरक्षण और जन-जागरूकता का केंद्र बनेगा सर्प उद्यान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्माणाधीन रेप्टाइल पार्क एवं अनुसंधान केंद्र का किया निरीक्षण

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को रेप्टाइल पार्क (सर्प उद्यान) एवं अनुसंधान केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि होमगार्ड के जवानों को भी सांप पकडने् और सुरक्षित रेस्क्यू करने का विशेष प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कई बार रिहायशी क्षेत्रों में सांप निकलने की घटनाएं सामने आती हैं। ऐसे समय प्रशिक्षित होमगार्ड जवान नागरिको की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए सर्पों का सुरक्षित रेस्क्यू कर सकेंगे। इससे वन्यजीव संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा और आमजन में भय की स्थिति भी कम होगी। उज्जैन को वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बसंत विहार क्षेत्र में स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन रेप्टाइल पार्क (सर्प उद्यान) एवं अनुसंधान केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का

जायजा लिया और अधिकारियों से परियोजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

सुविधाओं से सुसज्जित होगा सर्प उद्यान

रेप्टाइल पार्क को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। यहां आगंतुकों के लिए विशेष विजिटर जोन, विभिन्न प्रजातियों के सर्पों और अन्य सरीसृपों के प्रदर्शन के लिए प्रदर्शनी क्षेत्र, जनसुविधा केंद्र, चिकित्सालय, पोस्टमार्टम कक्ष, इंटरप्रिटेशन सेंटर, रिसर्च सेंटर, एजुकेशन सेंटर तथा अत्याधुनिक रेस्क्यू सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही स्नेक पार्क भी विकसित किया जाएगा, जहां सर्पों के प्राकृतिक व्यवहार और उनके संरक्षण से जुड़ी जानकारी लोगों को उपलब्ध कराई जाएगी।

संरक्षण और जागरूकता का बनेगा प्रमुख केंद्र

रेप्टाइल पार्क का उद्देश्य केवल सर्पों का प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि लोगों में सांपों और अन्य सरीसृपों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना भी है। यह केंद्र आमजन को यह समझाने का प्रयास करेगा कि अधिकांश सांप पर्यावरण के लिए उपयोगी होते हैं और जैव विविधता के संरक्षण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सर्प उद्यान के माध्यम से लोगों में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी, वहीं बच्चों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों को सरीसृपों के वैज्ञानिक अध्ययन का अवसर भी मिलेगा। यह केंद्र संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण, उनके प्राकृतिक आवासों के महत्व और जैव विविधता के संवर्धन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही रेस्क्यू सेंटर के माध्यम से घायल अथवा संकटग्रस्त सर्पों का उपचार और पुनर्वास भी किया जाएगा।

संग्रहालय निर्माण में पुरानी पद्धति और गुणवत्ता का ध्यान रखें

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में गुरूवार को कोठी महल स्थित निर्माणाधीन एवं प्रगतिरत वीर भारत संग्रहालय का औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने जीर्णोद्धार कार्य में इस्तेमाल की जा रही निर्माण सामग्री का निरीक्षण किया और स्थल पर काम कर रहे श्रमिकों व कारीगरों से बातचीत कर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने निर्देश दिए कि रिनोवेशन में पुरानी एवं पारंपरिक निर्माण पद्धतियों का ही अनुसरण किया जाए, जिससे इमारत की मौलिकता बनी रहे। इसके साथ ही उन्होंने गुणवत्ता से कोई समझौता न करने की बात कही। वीर भारत संग्रहालय का जीर्णोद्धार कार्य उज्जैन स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत कराया जा रहा है। अवलोकन के दौरान दी धरोहर कंपनी की अधिकारी श्रीमती संगीता बैस ने मुख्यमंत्री को अब तक हुए जीर्णोद्धार कार्यों और वर्तमान प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संग्रहालय के ऐतिहासिक भवन की अधोसंरचना का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और एजेंसी को निर्देश दिए कि भवन के ऐतिहासिक और पारंपरिक ढाँचे में किसी भी प्रकार का बदलाव न किया जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जीर्णोद्धार कार्य इस प्रकार किया जाए जिससे भवन का मूल स्वरूप, प्राचीन भव्यता और ऐतिहासिक पहचान पूरी तरह सुरक्षित रहे।

मृदंगाचार्य पं. नानासाहेब पानसे स्मृति गुरु पूर्णिमा संगीत समारोह प्रारंभ

दमोह। मप्र शासन के संस्कृति विभाग की उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी भोपाल द्वारा जिला प्रशासन दमोह एवं उत्थान साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था ग्राम बकायन के सहयोग से आयोजित 132वें मृदंगाचार्य पंडित नानासाहेब पानसे स्मृति गुरु पूर्णिमा संगीत समारोह का शुभारंभ 29 जुलाई को ग्राम बकायन में भव्य रूप से हुआ। प्रथम दिवस की संध्याकालीन संगीत सभा का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया, उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर, उपनिदेशक शेखर कारकर, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अरुण पंडितकर के निर्देशन में अखाड़े के शिष्यों द्वारा पारंपरिक बंदिशों के गायन से हुई। इसके बाद इंदौर की सुश्री शिल्पा मसूरेकर ने शास्त्रीय गायन की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। नन्हीं कलाकार अन्विता पालिकर ने भरतनाट्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। इसके पश्चात कोलकाता के राय मलिक ने भरतनाट्यम की उत्कृष्ट प्रस्तुति दी। संगीत समारोह में मुंबई के पंडित रामदास पांडे एवं गंगाधर देशपांडे ने युगल वादन प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति में सारंगी पर फर्रूख लतीफ खान तबले पर आनंद सोलंकी तथा हारमोनियम पर दीपक खसराबाल ने संगत की। इसके बाद मुंबई की हिंदी प्रभु ने कथक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति देते हुए भावगीत और तीनताल में अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

गुरू से मिलता सच्चा ज्ञान जिससे होता जग कल्याण

दमोह। नीलम संगीत साधना केंद्र पर गुरू पूर्णिमा पर्व का अध्यनरत बच्चों के द्वारा शानदार संगीतमय प्रस्तुति सम्पन्न हुई। कार्यक्रम मुख्य अतिथि केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि बीएम दुबे ने मां सरस्वती का पूजन किया संगीत केंद्र के विद्यार्थियों ने सुमधुर सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने वक्तव्य देते हुए कहा शब्द ज्ञान बच्चों को गुरू से ही मिलता है बिना गुरू के ज्ञान अधूरा है। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार बीएम दुबे ने कहा प्रिय बच्चो गुरू से मार्ग प्रशस्त होता है क्योंकि गुरू से मिलता सच्चा ज्ञान जिससे होता जग कल्याण संगीत केंद्र के आचार्य संगीत शास्त्र के विशेषज्ञ मुकेश दुबे का सम्मान शाल श्रीफल तिलक लगाकर डॉ धर्मेंद्र सिंह और प्राचार्य संचालक डॉ. प्रेमलता नीलम ने सम्मानित किया तथा संगीत केंद्र के बच्चों ने विशेष उपहार से अपने संगीत शिक्षक का सम्मान किया जो सराहनीय था।

स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 10 अगस्त

दमोह।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास दमोह जेएल प्रजापति ने बताया प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन हेतु राज्य शासन द्वारा कृषक हित में लिये गये निर्णय के अनुक्रम में उपार्जन नीति में आंशिक संशोधन करते हुए मूंग का उपार्जन कृषकों के उत्पादन का 60 प्रतिशत तक किये जाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही स्लॉट बुक करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त तथा मूंग एवं उड़द उपार्जन की अंतिम तिथि 20 अगस्त तक निर्धारित की गई है।

नशे से दूर रहें बच्चे, यही हैं देश का भविष्य: चौरसिया

एसडीओपी प्रिया सिंधी ने बच्चों को दिया सफलता का मंत्र

पथरिया। बच्चों को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने और उन्हें शिक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने बच्चों से संवाद किया। इस दौरान एसडीएम निकेत चौरसिया ने बच्चों को नशे से दूर रहने की सख्त हिदायत देते हुए कहा कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं। उन्होंने बच्चों से अपनी ऊर्जा पढ़ाई, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में लगाने का आह्वान किया। एसडीएम निकेत चौरसिया ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य दोनों को बर्बाद कर देता है। खासकर कम उम्र में नशे की आदत बच्चों के सपनों और

लक्ष्य के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बन सकती है।

उन्होंने बच्चों से कहा कि वे नशे से हमेशा दूरी बनाए रखें और अपने जीवन में ऐसा लक्ष्य निर्धारित करें जिसे हासिल करने के लिए निरंतर मेहनत कर सकें। कार्यक्रम में एसडीओपी प्रिया सिंधी ने भी बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें देश का भविष्य बताया। उन्होंने कहा कि आज जो बच्चे स्कूल में पढ़ रहे हैं वहीं आगे चलकर देश और समाज की जिम्मेदारी संभालेंगे। बच्चों को अपने लक्ष्य के प्रति गंभीर रहने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि मेहनत और लगन के दम पर कोई भी बच्चा बड़ा अधिकारी बन सकता है। एसडीओपी ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि आज वे विद्यार्थी हैं लेकिन कल इन्हीं में से कोई एसपीए एसडीएम या अन्य महत्वपूर्ण पद पर पहुंचकर समाज और देश की सेवा कर सकता है। इसके लिए जरूरी है कि बच्चे अनुशासन में रहें नियमित पढ़ाई करें और गलत संगत से बचें। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों की बातों को बच्चों ने गंभीरता से सुना। अधिकारियों ने बच्चों से उनके भविष्य के लक्ष्य के बारे में भी चर्चा की और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए ईमानदारी, अनुशासन और मेहनत को जीवन का हिस्सा बनाने की सीख दी।

सीएम हेल्पलाइन शिकायत के निराकरण पर व्हाट्सएप विवाद

एक शिक्षक ने दी धमकी, दूसरे ने हटा थाना में शिकायत दर्ज कराई

हटा। विकासखंड शिक्षा कार्यालय हटा से जुड़े एक व्हाट्सएप ग्रुप में एक सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत के निराकरण को लेकर हुई टिप्पणी के बाद विवाद गहरा गया है। इस मामले में शासकीय कन्या हाई स्कूल बूढ़ा हटा में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक मुकेश कुमार चौबे ने थाना हटा में आवेदन देकर शिक्षक शिवमंगल सिंह चंदेल एवं उनकी पत्नी शिक्षिका संगीता सिंह चंदेल पर अभद्र टिप्पणी, अपशब्द कहने, झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी देने तथा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने के आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार एक अन्य आवेदक राजेन्द्र अवस्थी द्वारा भी सीएम हेल्पलाइन सहित वरिष्ठ अधिकारियों को महिला शिक्षक श्रीमती संगीता शिवमंगल सिंह चंदेल से संबंधित वर्ष 2010 के कथित नसबंदी ऑपरेशन की जांच संबंधी शिकायत दर्ज कराई है। जिस पर भी एस पी दंमोह की जनसुनवाई में अलग अलग पक्ष उपस्थित हो चुके है। सीएम हेल्पलाइन प्रभारी मुकेश चौबे ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में इस शिकायत का निराकरण पोर्टल पर दर्ज कर दिया। हटा थाना में दिये गए शिकायती आवेदन के अनुसार शिक्षक शिवमंगल सिंह चंदेल इस जवाब को अपने मन मुताबिक दर्ज कराना चाहते थे जबकि 181 के नोडल अधिकारी शिक्षक मुकेश चौबे ने वास्तविक तथ्यों के आधार पर निराकरण प्रस्तुत किया जो विबाद का कारण बन गया। लेकिन जवाब उनके अनुसार ना दर्ज किये जाने पर वह कुपित हो गए और उन्होंने शिक्षक मुकेश चौबे को लेकर वाट्स एप ग्रुप पर सार्वजनिक रूप से आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। मुकेश कुमार चौबे ने अपने आवेदन में यह भी आरोप लगाया है कि 28 जुलाई को सुबह करीब 11:11 बजे शिवमंगल चंदेल और संगीता सिंह चंदेल ने कॉन्फ्रेंस मोबाइल कॉल के माध्यम से उन्हें अपशब्द कहे तथा झूठी एफआईआर में फंसाने की धमकी दी। शिकायत के साथ उन्होंने व्हाट्सएप ग्रुप के स्क्रीनशॉट और कॉल का स्क्रीनशॉट भी पुलिस को सौंपा है। शिकायतकर्ता मुकेश चौबे जिला शिक्षा अधिकारी सत्यम चौरसिया के समक्ष उपस्थित होकर वस्तु स्थिति से अवगत कराया और हटा नगर निरीक्षक से मिलकर मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित लोगों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। वहीं इस मामले में दूसरे पक्ष का विस्तृत पक्ष अभी सामने नहीं आया है। फिलहाल सीएम हेल्पलाइन की शिकायत और थाना हटा में दिए गए आवेदन जांच संबंधित स्तर पर जारी है। थाना प्रभारी नगर निरीक्षक सुधीर बेंगी का कहना है। कि दोनों पक्षों के आवेंदन जांच में है जो भी तथ्य आएंगे कार्यवाही की जाएगी।

नि:शुल्क दर्द निवारक शिविर संपन्न

दमोह। स्व. कमल कुमार जैन की पुण्यतिथि पर सम्यक् हेल्थ केयर सेंटर आशीर्वाद गार्डन के पास नि:शुल्क दर्द निवारक शिविर का आयोजन पूर्व मंत्री जयंत कुमार मलैया के मुख्य आतिथ्य में किया गया। शिविर में जबलपुर के चिकित्सक रमेश चड्डा जो दुर्लभ जड़ी बूटियों के लेप के माध्यम से अनेक मरीजों के लकवा घुटनों का दर्द साइटिका का नि:शुल्क इलाज किया।

उमेश कुमार सोनी का निधन

जबेरा। वरिष्ठ पत्रकार मुन्नालाल सोनी के लघु भ्राता उमेश कुमार मामू सोनी का हृदय गति रुक जाने से 29 जुलाई को निधन हो गया जिनका अंतिम संस्कार जबेरा में किया गया।

दमोह ताइक्वांडो अकादमी में गुरु पूर्णिमा मनाई गई

बच्चों ने मास्टर नीरज और कोच निधि का लिया आशीर्वाद

दमोह। दमोह ताइक्कांडो अकादमी में गुरु पूर्णिमा का पर्व अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और गरिमामय माहौल में मनाया गया। इस विशेष अवसर पर अकादमी के सभी नन्हे व युवा खिलाड़ियों ने अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम की शुरुआत गुरु पूजन से हुई जहां अकादमी के मुख्य कोच मास्टर नीरज दुबे एवं कोच निधि दुबे का सभी विद्यार्थियों ने भावपूर्वक स्वागत किया। इसके बाद परंपरा अनुसार सभी बच्चों ने अपने गुरुजनों के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य कोच मास्टर नीरज दुबे ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ताइक्कांडो केवल एक मार्शल आर्ट या खेल नहीं है बल्कि यह जीवन में अनुशासन, आत्मरक्षा और नैतिक मूल्यों को सीखने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को कड़ा परिश्रम करने और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। वहीं कोच निधि दुबे ने बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत रहने, अपनी फिटनेस पर ध्यान देने और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी निष्ठा से तैयारी करने के लिए प्रेरित किया।

बारिश के मौसम में विशेष सावधानी बरतने की अपील

दमोह।

अधीक्षण अभियंता द्वारा आम नागरिकों से बारिश के मौसम में विशेष सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि बारिश के मौसम में बिजली के खंभों से सुरक्षित दूरी बनाये रखें क्योंकि खराब मौसम के दौरान लीकेज करेंट, तार टूटने तथा अन्य विद्युत दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। अधीक्षण अभियंता अमित चौहान द्वारा जिले के आम नागरिकों से यह भी अनुरोध किया गया है कि विद्युत लाईनों एवं ट्रांसफार्मरों से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न करें, हाई टेंशन और एलण्टीण्लाइनों से पर्याप्त सुरक्षित दूरी बनाये रखें। अपने पालतू पशुओं को बिजली के खंभों या स्टे वायर से न बांधें। जल.भराव वाले स्थानों पर एवं बिजली के खंभों के पास जाने से बचें तथा ऐसे स्थानों पर रखे विद्युत उपकरणों का उपयोग न करें।

छत या दीवारों से रिसावए खराब या पुरानी वायरिंगए ढीले कनेक्शन तथा कमजोर अर्थिंग के कारण करेंट फैलने का खतरा बना रहता है इसलिए समय समय पर किसी प्रमाणित इलेक्ट्रिशियन से घरेलू वायरिंग और अर्थिंग की जांच कराते रहें। कटेफटे तारों को बदलें और इनका कतई उपयोग न करेंए यदि कहीं बिजली का तारए केबिल या पोल टूटा हुआ दिखाई दे तो उसके पास न जायें न ही उसे उठाने का प्रयास करें ऐसी स्थिति जानलेवा हो सकती है। उन्होंने विद्युत उपभोक्ताओं से कहा उनके क्षेत्र में यदि कहीं भी बिजली का तार, केबिल या पोल टूटा हुआ दिखाई दे तो उससे पर्याप्त दूरी बनाते हुए उसकी सूचना तत्काल विद्युत विभाग को दें।

नाट्य प्रस्तुति से दिया नशामुक्ति का संदेश

दमोह।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत वृहद जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक सागर रेंज मिथलेश शुक्ला, उप पुलिस महानिरीक्षक सागर रेंज शशीन्द्र सिंह चौहान तथा पुलिस अधीक्षक जिला दमोह आनंद कलादगि की गरिमामयी उपस्थिति रही। पुलिस महानिरीक्षक सागर रेंज मिथलेश शुक्ला एवं उप पुलिस महानिरीक्षक सागर रेंज शशीन्द्र सिंह चौहान ने उपस्थित छात्र-छात्राओं, युवाओं एवं आमजन को संबोधित करते हुए नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के उद्देश्य एवं महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्तिए परिवार और समाज के लिए अभिशाप है। यह युवाओं के भविष्य को अंधकारमय बनाकर परिवार की आर्थिकए

सामाजिक एवं मानसिक स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने सभी नागरिकों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। पुलिस अधीक्षक जिला दमोह आनंद कलादगी ने अपने संबोधन में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत जिला दमोह पुलिस द्वारा अब तक किए गए जनजागरूकता प्रयासों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। अब तक के जागरूकता कार्यक्रम का शार्ट वीडियों का एलईडी पर प्रसारण किया गया। उन्होंने बताया कि अभियान के माध्यम से जिलेभर में विद्यालयों, महाविद्यालयोंए ग्राम पंचायतों, धार्मिक स्थलों, औद्योगिक क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थानों पर निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। साथ ही सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं अन्य ऑनलाइन माध्यमों के जरिए भी अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया है। उन्होंने बताया कि अब तक अभियान के अंतर्गत ऑनलाइन एवं ऑफ्लाइन माध्यमों से लाखों नागरिकों, विद्यार्थियोंए युवाओं एवं आमजन तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता ही इस अभियान की सबसे बड़ी शक्ति है और सभी नागरिकों के सहयोग से नशामुक्त समाज के लक्ष्य को अवश्य प्राप्त किया जा सकेगा। कार्यक्रम के दौरान ड्रामा टीम के कलाकारों द्वारा प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति दी गई जिसमें नशे की लत से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों को मार्मिक ढंग से प्रदर्शित किया गया। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशे की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे विनाश की ओर ले जाती है जबकि नशामुक्त जीवन ही स्वस्थए सुरक्षित एवं सफल भविष्य का आधार है। इस प्रस्तुति ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं आमजन को भावुक करते हुए नशे से दूर रहने का सशक्त संदेश दिया।

अघोषित कटौती एवं अधिक बिजली बिलों के विरोध में किया प्रदर्शन

दमोह। बांदकपुर क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती, मनमाने एवं अत्यधिक बिजली बिल, खराब ट्रांसफार्मर, जर्जर विद्युत केबलों तथा अन्य विद्युत संबंधी समस्याओं के विरोध में गुरुवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बांदकपुर एवं जिला कांग्रेस कमेटी दमोह के नेतृत्व में बांदकपुर विद्युत मंडल कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जागेश्वर धाम मैरिज गार्डन से मुख्य बाजार होते हुए विद्युत मंडल कार्यालय तक विशाल रैली निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के ग्रामीणजन शामिल हुए।

प्रदर्शन के पश्चात विद्युत मंडल के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की प्रमुख विद्युत समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई। ज्ञापन में ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रिकालीन अघोषित बिजली कटौती तत्काल बंद करने, मनमाने एवं अधिक बिजली बिलों में सुधार करनेए खराब ट्रांसफार्मरों को शीघ्र बदलनेए जर्जर एवं खराब विद्युत केबलों की मरम्मत कराने तथा क्षेत्र की समस्त विद्युत समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की गई। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर विद्युत व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया और आम जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो जिला स्तर पर विद्युत मंडल कार्यालय का घेराव कर व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी। इस दौरान अनेक कांग्रेसजनों की उपस्थिति रही।

33.40 किलोमीटर लंबी है परियोजना

सौगातः कटनी में देश का सबसे लंबा रेल ग्रेड सेपरेटर तैयार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल के अंतर्गत कटनी में निर्माणाधीन देश के सबसे लंबे रेल ग्रेड सेपरेटर (रेल फ्लाईओवर) को वर्ष 2026 के अंत तक परिचालन के लिए तैयार करने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत विकसित की जा रही 33.40 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का बड़ा हिस्सा पूरा हो चुका है। रेलवे ने नवंबर तक शेष निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य तय किया है, ताकि वर्षांत तक पूरे ग्रेड सेपरेटर पर ट्रेनों का संचालन शुरू किया जा सके। करीब 1800 करोड़ रुपये की लागत से कटंगी खुर्द से न्यू मझगवां तक विकसित हो रही इस परियोजना में 15.85 किलोमीटर लंबा अप ट्रैक पहले ही चालू किया जा चुका है।

डॉक्टरों की वरिष्ठता और पदोन्नति में भेदभाव

हाईकोर्ट ने सरकार व पीएससी से मांगा जवाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ के समक्ष डाक्टरों की वरिष्ठता, नियमितीकरण और पदोन्नति में कथित भेदभाव के मामले की सुनवाई हुई। खंडवा निवासी डॉ. सोमपाल सिंह ने याचिका में आरोप लगाया है कि वर्ष 1991 में पीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद उनकी नियमित सेवा वर्ष 1994 से मानी गई। दूसरी ओर, पीएससी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं करने वाले डा. अविनाश दुबे को वर्ष 1989 से नियमित सेवा का लाभ देकर वरिष्ठता में आगे कर दिया गया। याचिकाकर्ता का दावा है कि इसी वरिष्ठता के आधार पर डा. दुबे वर्ष 2006 में प्रोफेसर पद पर पदोन्नत हो गए, जबकि उन्हें समान लाभ नहीं मिला।

खाद की 'टोकन व्यवस्था' दे रही टेंशन

वेयरहाउसों पर सुबह से शाम तक लग रही लंबी कतारें

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

खरीफ सीजन में किसानों की सहूलियत के लिए लागू की गई ऑनलाइन टोकन व्यवस्था अब क्षेत्र के अन्नदाताओं के लिए जी का जंजाल बन गई है। शहपुरा-भिटोनी के खाद वेयरहाउसों पर सुबह से ही किसानों की लंबी लाइनें देखने को मिल रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकांश किसानों के पास न तो स्मार्टफोन हैं और न ही गांवों में बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी, जिसके कारण उन्हें ऑनलाइन टोकन बुकिंग में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मजबूरी में किसानों को लोक सेवा केंद्रों और वेयरहाउसों के बार-बार चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

घंटों कतार में खड़े रहने के बाद भी स्टॉक खत्म होने या टोकन न मिलने की बात कहकर किसानों को खाली हाथ लौटा दिया जाता है। इस अव्यवस्था के कारण न केवल किसानों का समय और पैसा बर्बाद हो रहा है, बल्कि खेती के महत्वपूर्ण समय में उन्हें अपने खेत छोड़कर भटकना पड़ रहा है। इसके अलावा 20 से 30 किलोमीटर दूर स्थित केंद्रों तक आने-जाने का परिवहन खर्च छोटे और सीमांत किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहा है। किसानों ने आरोप लगाया है कि डिजिटल व्यवस्था लागू करते समय जमीनी हकीकत को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है।

वेयरहाउसों में सीमित कोटे के कारण यूरिया और डीएपी जैसे आवश्यक उर्वरक एक साथ उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। एक जगह यूरिया मिलता है तो दूसरी जगह डीएपी के लिए भटकना पड़ता है, जिससे वितरण तंत्र की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं, नकदी की तंगी झेल रहे किसानों को बार-बार चक्कर लगाने से आर्थिक संकट गहरा गया है। टोकन संचालन में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी किसान जानकारी न देने और एक-दूसरे पर बात टालने का आरोप लगा रहे हैं।

किसानों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और वेयरहाउसों का कोटा बढ़ाया जाए। साथ ही, जब तक ग्रामीण इलाकों में तकनीकी संसाधन मजबूत नहीं होते, तब तक ग्राम पंचायत और सहकारी समितियों के माध्यम से सरल ऑफलाइन टोकन प्रणाली बहाल की जाए। किसानों का कहना है कि यदि समय पर खाद नहीं मिली तो खरीफ की फसलों की पैदावार प्रभावित होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी इस लचर व्यवस्था की होगी।

जीजा के घर साले ने की लूट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधारताल थानान्तर्गत सब्जी मंडी खंजाची मोहल्ला में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब तीन बदमाशों ने घर में घुसकर मोहम्मद अनीस व उनकी पत्नी रोशनी पर हमला कर एक लाख 80 हजार रुपए लूट लिए। यहां तक कि उनके बेटे का मोबाइल फोन भी उठाकर ले गए। पुलिस ने दम्पति की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस के अनुसार मोहम्मद अनीस उम्र 41 वर्ष अपनी दूसरी पत्नी व पहली पत्नी के बेटे अमन व अफजल के साथ सब्जी मंडी खंजाची मोहल्ला में किराए से मकान लेकर रह रहा है। पिछले दिनों पत्नी रोशनी बी का भाई मोहम्मद जावेद अपने 2 साथी मोहम्मद जानू एवं मंगन उर्फ मोहम्मद आरिफ के साथ घर के अंदर आया ओर आलमारी में रखे एक लाख 80 हजार रुपए निकाल लिए।

कलेक्टर ने गठित किए विशेष जांच दल

ईंधन में मिलावट पर सख्ती पेट्रोल पम्पों की होगी जांच

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जिले में पेट्रोल और डीजल में मिलावट तथा ईंधन के अवैध विक्रय पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने राज्य शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशों के पालन में विशेष जांच दलों का गठन किया है। ये दल जिले के विभिन्न पेट्रोल पंपों का आकस्मिक निरीक्षण कर अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करेंगे। जांच दल निरीक्षण के दौरान पेट्रोल और डीजल की गुणवत्ता, माप-तौल की शुद्धता, ईंधन के भंडारण की व्यवस्था, स्टॉक एवं बिक्री संबंधी अभिलेखों की जांच करेंगे। साथ ही आवश्यक वस्तु अधिनियम तथा मोटर स्पिरिट एवं हाई स्पीड डीजल (आपूर्ति, वितरण एवं कदाचार निवारण) आदेश, 2005 के प्रावधानों के पालन का भी परीक्षण किया जाएगा।

प्रशासन और तेल कंपनियों के अधिकारी रहेंगे शामिल

प्रत्येक जांच दल में संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहायक एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, नापतौल विभाग के निरीक्षक के साथ-साथ आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के सेल्स ऑफिसरों को भी शामिल किया गया है, ताकि जांच निष्पक्ष और प्रभावी ढंग से की जा सके।

सड़क हादसों पर लगाम लगाने डिस्ट्रिक्ट हाईवे सेफ्टी टास्क फोर्स गठित

कलेक्टर ने 33 सदस्यीय टीम को सौंपी कमान

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात सुरक्षा को पुख्ता करने प्रशासन ने कदम उठाया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेशों के परिपालन में तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने 'डिस्ट्रिक्ट हाईवे सेफ्टी टास्क फोर्स' का गठन कर दिया है। गठित की गई 33 सदस्यीय इस विशेष टास्क फोर्स में प्रशासनिक, पुलिस और तकनीकी विभागों के अधिकारियों को शामिल किया गया है। टीम में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट रविशंकर राय व नीता राठौर, जिले के सभी तहसीलदार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अखिलेश तिवारी, उप पुलिस अधीक्षक संतोष शुक्ला व वैजनाथ प्रजापति शामिल हैं। इसके अलावा एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर, लोक निर्माण विभाग व राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालन यंत्री, एमपीआरडीसी के सहायक महाप्रबंधक, नगर निगम के अधिकारी, सभी नगरीय निकायों के डॉ. नवीन कोठारी तथा क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रिंकू शर्मा को भी सदस्य बनाया गया है।

खितौला में पत्थर पटककर वृद्ध महिला की हत्या

बुजुर्ग गंभीर हालत में जबलपुर रेफर

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। खितौला थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। खितौला वार्ड नंबर 18 हिरन नदी घाट स्थित मुक्ति धाम परिसर में बनी झोपड़ी में रहने वाली एक वृद्ध महिला की अज्ञात हमलावर ने पत्थर पटककर बेरहमी से हत्या कर दी। वहीं झोपड़ी में मौजूद एक बुजुर्ग पर भी जानलेवा हमला किया गया, जो गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए जबलपुर रेफर कराया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 70

वर्षीय कृष्णा बाई बर्मन और 65 वर्षीय चम्मू बर्मन पिछले काफी समय से हिरन नदी घाट में शमशान के पास बनी झोपड़ी में रह रहे थे। दोनों दिन में भिक्षावृत्ति कर अपना जीवनयापन करते थे। आशंका है कि बुधवार और गुरुवार की दरम्यानी रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने दोनों पर बड़े पत्थर से हमला कर दिया। गुरुवार सुबह घूमने पहुंचे स्थानीय लोगों ने झोपड़ी के पास महिला का शव और बुजुर्ग को गंभीर रूप से घायल देखा। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही खितौला पुलिस सुबह मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर महिला के शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस हत्या के कारणों और हमलावर की पहचान करने में जुटी है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। इस जघन्य वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। थाना प्रभारी चंद्रकांत झा का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा।

मंदिर में पेयजल व्यवस्था का भूमिपूजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गोसलपुर स्थित शिवदत्त धाम शिव मंदिर रेल्वे स्टेशन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला पंचायत सदस्य मोनू पुष्पराज सिंह बघेल द्वारा अपनी जिला पंचायत निधि से पेयजल व्यवस्था के निर्माण कार्य के लिए 2.5 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई। जिसका भूमिपूजन विधायक संतोष वरकड़े के कर कमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल,अनंत नोगरिया , दिलीप पटेल , हेमराज सिंह राजपूत, जीवन लाल गुप्ता, संजय सिंह राजपूत , धर्मेंद्र सिंह साईं सेवा समिति से मनीष पटेल ,जितेंद्र पालीवाल ,राजीव तिवारी, अरुण पटेल, सुशील पटेल, अमित परिहार ,पहलाद राय, उदय शंकर दुबे ,सोनू तिवारी एवं सैकड़ो श्रद्धालु भक्त गण उपस्थित रहे।

परासिया और गढ़ाकोटा में अत्याधुनिक सिविल न्यायालय भवनों का ई-लोकार्पण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रदेश में न्यायिक ढांचे को मजबूत करने और आमजन तक न्याय की सुगम पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने एक अहम कदम उठाया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया ने छिंदवाड़ा जिले के परासिया और सागर जिले के गढ़ाकोटा में नवनिर्मित सिविल न्यायालय भवनों का ई-लोकार्पण किया। इस गरिमामय वर्चुअली कार्यक्रम में न्यायमूर्ति आनंद पाठक, न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल, न्यायमूर्ति विशाल धागत, न्यायमूर्ति देवनारायण मिश्रा, रजिस्ट्रार जनरल धरमिन्दर सिंह सहित कई वरिष्ठ न्यायाधीश एवं अधिकारी उपस्थित रहे। छिंदवाड़ा के परासिया में लगभग 16.08 करोड़ की लागत से 4 न्यायालय कक्षों वाला भव्य भवन तैयार किया गया है। वहीं सागर के गढ़ाकोटा में 17.58 करोड़ की लागत से 3 न्यायालय कक्षों का निर्माण हुआ है। दोनों ही परिसरों को भविष्य की आवश्यकताओं और तकनीक को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। परासिया परिसर में मालखाना, अभिलेख कक्ष, पुस्तकालय, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, जिला विधिक सहायता कार्यालय, क्रेच और अलग बार रूम जैसी बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की गई हैं। लोकार्पण के दौरान कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया ने कहा कि सुदृढ़ और आधुनिक न्यायिक अधोसंरचना न्याय तक सरल, त्वरित और प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने का मुख्य आधार है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन नए भवनों से न्यायिक कार्यों की दक्षता में वृद्धि होगी और सभी को एक सुव्यवस्थित माहौल मिलेगा। कार्यक्रम के अंत में रजिस्ट्रार (अधोसंरचना) युगल रघुवंशी ने सभी उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

पनागर से शुरु होगा मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आम जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा लोक सेवाओं की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में 7 अगस्त से 8 जनवरी तक मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान संचालित किया जाएगा।

अभियान में जिले में पदस्थ सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी प्रत्येक शुक्रवार को अलग-अलग क्षेत्र का भ्रमण करेंगे और नागरिकों से सीधा संवाद करेंगे तथा शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का अवलोकन करेंगे।

जिले में नगरपालिकाओं और पंचायतों की अंतिम मतदाता सूची का हुआ प्रकाशन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिले में राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत नगरपालिकाओं और पंचायतों की फ टोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण के बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। इस संबंध में कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राघवेंद्र सिंह और अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूचियों की प्रतियां भी प्रदानकी गईं। बैठक में उपजिला निर्वाचन अधिकारी विंकी सिंहमारे व डिप्टी कलेक्टर द्वारा अवगत

कराया गया कि जिले की 7 जनपद पंचायतों की 527 ग्राम पंचायतों के 1472 मतदान केंद्रों में अब कुल 7,77,801 मतदाता हैं, जिनमें 3,96,476 पुरुष और 3,81,299 महिला मतदाता शामिल हैं। इसी तरह जिले के 9 नगरीय निकायों के 202 वार्डों से संबंधित 1364 मतदान केंद्रों में मतदाताओं की कुल संख्या 9,86,949 हो गई है, जिनमें 5,02,078 पुरुष और 4,84,818 महिला मतदाता दर्ज किए गए हैं। आयोजित बैठक में भारतीय जनता पार्टी से योगेन्द्र सिंह राजपूत और ओम दुबे, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से रुकमणी गोठिया एवं फि रोज ठाकरे, बहुजन समाज पार्टी से सुरेश वंशकार, छिदामी लाल और विनोद कुमार, तथा आम आदमी पार्टी से आदेश दुबे, धर्मदास, मनोज सैनी और सौरभ निगम प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कल से बदलेगा तत्काल टिकट टोकन वितरण का समय

यात्रियों को मिलेगी अधिक पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित सुविधा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

यात्रियों को तत्काल टिकट आरक्षण में अधिक सुविधा, पारदर्शिता एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था उपलब्ध कराने टोकन वितरण की संशोधित व्यवस्था 1 अगस्त से लागू की जा रही है। यह नई व्यवस्था जबलपुर रेल मंडल सहित पमरे के सभी आरक्षण केंद्रों पर प्रभावी होगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने बताया कि नई व्यवस्था के अंतर्गत यात्रियों को टोकन प्राप्त करने के लिए दोबारा आरक्षण कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी। एसी श्रेणी के लिए टोकन का वितरण प्रातः 8:30 बजे से 9 बजे तक तथा नॉन-एसी श्रेणी के लिए 9 बजे से 9:30 बजे तक किया जाएगा। प्रत्येक आरक्षण काउंटर पर एसी श्रेणी के लिए 10 तथा नॉन-एसी श्रेणी के लिए 15 टोकन जारी किए जाएंगे। आवश्यकता एवं भीड़ की स्थिति को देखते हुए टोकनों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकेगा। टोकन वितरण में स्वयं अथवा परिवार के सदस्यों के लिए तत्काल टिकट लेने वाले यात्रियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। टोकन वितरण का संपूर्ण विवरण रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा, जिससे व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे तथा अनधिकृत दलालों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

सड़कों की खराब स्थिति पर तय होगी जवाबदेही

गुणवत्ता से समझौता नहीं: लोक निर्माण विभाग का संदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने वल्लभ भवन में आयोजित मुख्य अभियंता कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता करते हुए स्पष्ट किया कि विभागीय निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा जिस क्षेत्र में सड़क खराब पाई जाएगी, वहां संबंधित कार्यपालन यंत्री की सीधी जवाबदेही तय की जाएगी। वर्षाकाल में क्षतिग्रस्त सड़कों की समय पर मरम्मत न करने या लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वित्तीय अनुशासन को लेकर निर्देश दिया कि सरकारी रिफाइनरियों से प्राप्त बिटुमेन से संबंधित सभी देयकों का शत-प्रतिशत सत्यापन किया जाए। वास्तविक आपूर्ति, चालान, मात्रा और उपयोग के पूर्ण मिलान के बिना एक भी भुगतान न किया जाए। सत्यापन के भुगतान पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी और भुगतान की गई राशि की वसूली भी उसी अधिकारी से की जाएगी।

सड़क निर्माण के मानकों में बदलाव

सड़कों की गुणवत्ता सुधारने के लिए मार्ग निर्माण में केवल 'बैच मिक्स प्लांट' का ही उपयोग किया जाए, जबकि 'ड्रम मिक्स प्लांट' का उपयोग केवल पेच रिपेयर कार्यों तक सीमित रहेगा। इसके अनुसार एसओआर में संशोधन के निर्देश भी दिए गए। सड़कों में उतार-चढ़ाव रोकने के लिए स्लिप फार्म सेंसर पेवर का उपयोग अनिवार्य किया गया है और फिक्स फार्म पेवर का उपयोग केवल मुख्य अभियंता की अनुमति के बाद ही संभव होगा।

510 लोक कल्याण सरोवरों का लक्ष्य

वर्ष 2026 में प्रदेश में 510 'लोक कल्याण सरोवरों' के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिसकी प्रगति का मुख्य अभियंताओं को स्वयं निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। मंत्री सिंह ने कहा कि विभागीय सर्कुलरों और निर्देशों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए आगामी बैठकों में मुख्य अभियंताओं से प्रश्नावली भरवाई जाएगी। इसके अलावा बैठक में ग्रीन बिल्डिंग मानकों, रोड नेटवर्क मास्टर प्लान और 15 सितंबर पर दिए जाने वाले लोक निर्माण पुरस्कारों की तैयारियों पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

कटंगी के युवा संगम में 359 युवाओं को मिला रोजगार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा कटंगी के सन्मति विद्या मंदिर में आयोजित युवा संगम रोजगार मेले में 359 युवाओं का निजी क्षेत्र की 13 कंपनियों में चयन किया गया। कार्यक्रम पाटन विधायक अजय विश्नोई के मार्गदर्शन, विधायक प्रतिनिधि स्वप्निल अग्रवाल के सहयोग तथा अहिंसा अक्षर फाउंडेशन के संचालक शिवराज सिंह चौहान के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस मौके पर उप संचालक रोजगार एम.एस. मरकाम भी उपस्थित रहे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**